हरिभूमि
रायपुर भूमि
रायपुर, सोमवार 24 नवंबर 2025

तापमान
अधिकतम 31.1 डिग्री
न्यूनतम 16.4 डिग्री

वैवाहिक कार्यक्रमों में शामिल होने बढ़ी आवाजाही, बड़े शहरों का फेयर 10 हजार के पार

ठंड के मौसम में बढ़ गए हवाई यात्री, इसलिए किराये में गर्मी, बड़े शहरों की उड़ानें महंगी, मुंबई जाने खर्च होंगे 13 से 15 हजार रुपए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

ठंड के मौसम के साथ यात्रियों की संख्या बढ़ते ही विभिन्न शहरों से आवाजाही करने वाले विमानों के किराए में भी बढ़ोतरी होने लगी है। हमेशा डिमांड में रहने वाली मुंबई का किराया 13 से 15 हजार तक पहुंच गया है। इस मौसम में वैवाहिक आयोजनों में शामिल होने आवाजाही करने वालों की संख्या अधिक है। रायपुर से ज्यादातर शहरों के लिए संचालित होने वाले किसी भी फ्लाइट का फेयर 10 हजार से नीचे नहीं है। रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट से प्रतिदिन साठ बार विमानों की विभिन्न शहरों के लिए आवाजाही होती है। इसमें औसतन साढ़े आठ हजार यात्री आवागमन करते हैं। व्यास ट्रैवल्स के संचालक हरेंद्र व्यास का कहना है कि ठंड के मौसम में यात्रा करने वालों की संख्या बढ़ जाती है और अभी विवाह का मौसम भी है, जिसकी वजह से लोग परिवार समेत विभिन्न शहरों का सफर कर रहे हैं। यात्रियों की संख्या में वृद्धि होने की वजह से प्लेक्सिबल मोड पर तय होने वाला विमानों का किराया बढ़ने लगा है। त्योहार के बाद अपनी सामान्य स्थिति में आ चुका एयर फेयर ऊपर की ओर खिसकने लगा है। रायपुर से संचालित होने वाली दर्जनभर शहरों में सबसे ज्यादा टिकट की डिमांड दिल्ली, फिर मुंबई की होती है। चौबीस घंटे पहले इन शहरों के लिए टिकट बुक कराने यात्रियों को दोनों ओर से 13 से 15 हजार रुपए तक खर्च करना पड़ रहा है। इसके अलावा ज्यादातर शहरों का फेयर भी दस हजार से ऊपर ही है।

एयरपोर्ट से रोजाना 60 बार विमानों की आवाजाही

भोपाल का फेयर 85 सौ, इंदौर 13 हजार तक

रायपुर से भोपाल की आवाजाही करने वाले यात्रियों 7500 से 9500 के बीच टिकट आसानी से मिल जा रहा है। वहीं मध्यप्रदेश के इंदौर के यात्रियों को 11 से 13 हजार रुपए तक किराया देना पड़ रहा है। जानकारों के मुताबिक, भोपाल की तुलना में रायपुर से इंदौर के बीच सफर करने वालों की संख्या अधिक है। विमानन कंपनी भोपाल सप्ताह के अलग-अलग शेड्यूल के हिसाब से एक विमान का संचालन होता है। दूसरी इंदौर के लिए नियमित रूप से दो फ्लाइट उड़ान भरती है।

फैक्ट फाइल

फरवरी के बाद मुंबई के यात्रियों को राहत

सूत्रों के मुताबिक, ठंड की छुट्टियों के दौरान यात्रियों की संख्या काफी ज्यादा बढ़ने की उम्मीद है। इस अवधि में यात्री छुट्टियां बिताने विभिन्न राज्यों के साथ दूसरे देशों की यात्रा भी करेंगे। महानगर मुंबई आना-जाना करने वाले यात्रियों को किराए में थोड़ी राहत जनवरी के बाद मिलने की उम्मीद है। इस सेक्टर में चौथी फ्लाइट की घोषणा हो चुकी है और एक नई कंपनी भी प्रस्तावित शेड्यूल स्वीकृत होने का इंतजार कर रही है।

इन शहरों का किराया भी बढ़ा हुआ

- **हैदराबाद**- रायपुर से वहां जाने के लिए 24 घंटे पहले का फेयर 14 से 17 हजार, वापसी का किराया 7 से 13 हजार
- **पुणे**- शहर से यात्रा करने के लिए करीब 16 हजार खर्च, वापस आने का फेयर 12 हजार के करीब
- **अहमदाबाद**- आवाजाही करने के लिए दोनों ओर से 16 से 17 हजार रुपए देने पड़ रहे
- **कोलकाता** - रायपुर से जाने का किराया 11 से 13 हजार के करीब, वापसी का 10 से 11 हजार

खबर संक्षेप

गांजा तस्कर गिरफ्तार

रायपुर। खमतराई पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दो अलग-अलग प्रकरणों में तीन गांजा तस्करों को गिरफ्तार कर 22 किलो गांजा जब्त किया है। जब्त गांजे की कीमत दो लाख रुपए से ज्यादा आंकी गई है। गांजा तस्करी करने के आरोप में पुलिस ने पंडरी निवासी गोलू साहू तथा दूसरे एक अन्य मामले में राजा तालाब निवासी शेख बाबुद्दीन उर्फ गब्बर तथा बिरगांव निवासी मो. समीर को गांजा तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है।

देशी शराब बरामद धरा गया कोचिया

रायपुर। महोबा बाजार सब्जी मार्केट कॉम्प्लेक्स में सूचना के आधार पर आमानाका पुलिस ने कोचिया आकाश साहू को रंगे हाथ गिरफ्तार किया। बरामद शराब में से 4 पौवा शराब आबकारी विभाग में परीक्षण के लिए सैंपल के रूप में लिया गया और सीलबंद किया गया।

साइंस कॉलेज की चौपाटी सफाचट, यहां अब रेत-गिट्टी डंप, इधर...ब्रिज के नीचे 60 दुकानें, न पानी न प्रसाधन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

3 साल तक शहर के मुख्य मार्ग जीई रोड पर गुलजार रही साइंस कॉलेज के पास स्थापित चौपाटी उजाड़ दी गई है। जिस जगह पर लोगों की देर शाम तक आवाजाही रहती थी, वहां अब वीरानी छाई हुई है। वहां लाइब्रेरी बनाने के लिए अनुबंधित ठेकेदार ने गिट्टी, रेत डंप कर दिए हैं। आमानाका ब्रिज के नीचे नगर निगम ने जिन 60 दुकानों को जेसीबी से उठवाकर नई चौपाटी वाली जगह पर रखवाया, वहां नगर निगम अब तक पानी की व्यवस्था नहीं कर पाया है। इसमें अभी दो दिन का समय और लगेगा। ▶▶|शेष पेज 13 पर

संशय में दुकानदार धंधा चलेगा या नहीं

चौपाटी में जूस सेंटर की दुकान चलाने वाले दुकानदार हैदर का कहना है, 20 हजार रुपए किराये पर दुकान लेकर जूस सेंटर चला रहे थे। 2 साल तक रोजगार अच्छा चला, पर अब जिस जगह दुकान की शिफ्टिंग हुई है, उसे देखकर असमंजस में हैं कि धंधा चलेगा या नहीं? दुकान में उनके साथ 5 अन्य सहयोगियों को भी रोजगार मिला था, जो साइंस कॉलेज से चौपाटी हटने के बाद बेरोजगार हो गए।

भेल की दुकान से चल रही थी रोजी-रोटी

रामदास यादव ने बताया कि मुख्य मार्ग की सड़क देखकर उन्होंने चौपाटी पर भेल की दुकान लगाई। इन्वेस्ट करने पर कमाई भी होने लगी थी, पर नगर निगम ने 22 नवंबर को बिना सूचना दिए पुलिस की मदद से चौपाटी हटवा दी। इससे हम सड़क पर आ गए हैं। हमारे जैसे और भी छोटे-छोटे व्यवसायी चाट पकोड़ी, पाव भाजी, चाउमीन, पिज्जा बर्गर का स्टाल खोलकर आजीविका चलाते थे, चौपाटी हटाने पर रोजी-रोटी प्रभावित हुई है।

5 करोड़ की जवाबदारी तय नहीं

साइंस कॉलेज की चौपाटी हटाने को लेकर पूर्व महापौर एजाज ढेबर नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव से मिलेंगे। स्मार्ट सिटी के एबीडी एरिया में चौपाटी खोलने की जगह साइंस कॉलेज के सामने 5 करोड़ की चौपाटी निर्माण करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। जनता के गाढ़े पसीने की कमाई के पैसे कौन देगा, यह सवाल नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव से करेंगे।

अनुबंध की शर्तों का पालन नहीं

महापौर मीनल चौबे ने हरिभूमि से बातचीत में कहा कि रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा 31 मई 2023 को यूथ हब वेंडिंग जोन का निर्माण कराया गया। 5 अक्टूबर को एजेंसी मेसर्स गुरु हरकिशन हॉटल एंड रिसोट्र्स को संचालन के लिए दिया गया। अनुबंध की शर्त अनुसार एजेंसी हर नगर निगम को 29 लाख रुपए एक साल में देती है। 3 साल का अनुबंध हुआ, उसमें से एजेंसी ने नगर निगम को केवल 1 साल का पैसा भुगतान किया है। चौपाटी स्थल पर उसे सीसीटीवी कैमरे लगाने, अग्निशमन यंत्र की सुविधा देने की शर्त रही। पर इसका पालन उसने नहीं किया है। 60 दुकानदार एजेंसी के किराएदार हैं, न कि नगर निगम के। नगरीय प्रशासन संचालनालय का साइंस कॉलेज की चौपाटी शिफ्ट करने पत्र आया है। जुलाई में ही हमने चौपाटी का संचालन करने वाली एजेंसी को बता दिया था, पर उसने कोई व्यवस्था नहीं की। नगर निगम ने मानवीय आधार ▶▶|शेष पेज 13 पर

एक पेपर, 100 अंक, इसमें प्रैक्टिकल, प्रोजेक्ट और आंतरिक मूल्यांकन के भी अंक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- 10वीं-12वीं की मार्किंग स्कीम जारी, प्रायोगिक परीक्षाएं जनवरी में और सैद्धांतिक फरवरी से

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानी सीबीएसई ने कक्षा 10वीं और 12वीं की प्रैक्टिकल परीक्षा की तारीखें और विषयवार मार्किंग स्कीम जारी कर दी है। सीबीएसई कक्षा 10वीं और 12वीं के लिए प्रैक्टिकल परीक्षाएं, प्रोजेक्ट मूल्यांकन और आंतरिक मूल्यांकन 1 जनवरी से 14 फरवरी तक आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में आधिकारिक वेबसाइट पर एक ऑफिशियल नोटिस जारी किया गया है। सीबीएसई अधिसूचना के अनुसार, प्रत्येक पेपर कुल 100 अंकों का होता है, जिसमें थ्योरी, प्रैक्टिकल, प्रोजेक्ट और आंतरिक मूल्यांकन के अंक शामिल हैं। छात्र आधिकारिक वेबसाइट पर पेपर-वार अंक वितरण अधिसूचना पीडीएफ देख और डाउनलोड कर सकते हैं। सीबीएसई 10वीं और 12वीं विषयवार अंक वितरण अधिसूचना पीडीएफ डाउनलोड करने के ▶▶|शेष पेज 13 पर

परीक्षाएं फरवरी माह से

सीबीएसई कक्षा 10 की परीक्षाएं 17 फरवरी से 15 जुलाई तक दो चरणों में आयोजित की जाएंगी, जबकि कक्षा 12 की परीक्षा 17 फरवरी से 9 अप्रैल के बीच होगी। सीबीएसई 10वीं और 12वीं परीक्षा 2026 दो पालियों में आयोजित होगी। सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक और सुबह 10:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक। दो चरणों से आशय सीबीएसई दो बार दसवीं कक्षा की परीक्षाएं लेगा। प्रथम परीक्षा में विशेष प्रदर्शन नहीं कर सके अथवा अपने परिणामों से असंतुष्ट विद्यार्थी दूसरी परीक्षा में शामिल हो सकते हैं।

जरूरी है वीडियो रिकॉर्डिंग

सीबीएसई द्वारा सैद्धांतिक परीक्षाओं का आयोजन उन्हीं केंद्रों में किया जाता है, जहां सीसीटीवी लगे हो। बगैर कैमरे वाले स्कूलों को सीबीएसई परीक्षा केंद्र के रूप में मान्यता प्रदान नहीं करेगा। इसके अलावा बीते सत्र से प्रायोगिक परीक्षाओं को लेकर भी रिकॉर्डिंग संबंधित दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। प्रायोगिक परीक्षाओं की भी वीडियो रिकॉर्डिंग अनिवार्य कर दी गई है। कई बार यह शिकायत सामने आते रही है कि प्रायोगिक परीक्षा में अनुपस्थित रहने वाले विद्यार्थियों को भी स्कूल प्रबंधन अंक प्रदान कर देता है। इस पर अंकुश लगाने यह व्यवस्था की गई है।

तड़के 3 बजे दबिश

पुलिस की छापामार कार्रवाई दबोचे गए पौने दो सौ बदमाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अपराध पर अंकुश लगाने शनिवार के बाद रविवार को दूसरे दिन भी पुलिस की टीम राजधानी के अंदरूनी तथा आउटर में बीएसयूपी कालोनी, राजीव आवास तथा झुग्गी बस्तियों में दबिश दी। दूसरे दिन की कार्रवाई में पौने दो सौ के करीब गुंडे, बदमाश तथा मादक पदार्थों की अवैध खरीदी-बिक्री करने वाले दबोचे गए।

एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह के मुताबिक, सौ पुलिसकर्मियों की अलग-अलग टीमें बनाकर राजपत्रित पुलिस अफसरों के मार्गदर्शन में छापे की कार्रवाई की गई। छापे की कार्रवाई में दो बदमाशों के कब्जे से 15 किलो गांजा तथा साढ़े चार सौ के करीब प्रतिबंधित नशीली टेबलेट जब्त की गई। 12 बदमाशों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए उनके कब्जे से 183 पौवा शराब जब्त की गई। 37 फरार वारंटियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर जेल दाखिल किया गया। शांति भंग करने के आरोप में 111 बदमाशों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की गई। पांच बदमाशों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

आदतन बदमाश शराब बिक्री करते गिरफ्तार

रायपुर। खमतराई पुलिस ने एक आदतन बदमाश को शराब बिक्री करते गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 92 पौवा शराब जब्त की है। पुलिस ने शराब बेचने के आरोप में संजू साहू को गिरफ्तार किया है। संजू पूर्व में मारपीट, छेड़खानी तथा शराब बिक्री के आरोप में जेल जा चुका है।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

न्यूनतम तापमान सामान्य तक पहुंच चुका, गुलाबी हुई ठंड

दो दिन बाद लौटेगी ठंड, मगर असर कम होने की संभावना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पूर्वी हवा के प्रभाव से सामान्य से ज्यादा वाली स्थिति में पहुंच चुके रात के तापमान में दो दिन बाद गिरावट आने के आसार हैं। हवा की दिशा बदलने से ठंड वापस लौटेगी, मगर इसका जोरदार असर होने की संभावना काफी कम है। माना जा रहा है कि सर्दी का दिसंबर के महीने में ज्यादा होने की संभावना है। कुछ दिनों पहले शीतलहर जैसी स्थिति झेल चुके लोगों को अब गुलाबी ठंड का अहसास हो रहा है। राज्य में करीब दस दिन लोगों की ▶▶|शेष पेज 13 पर

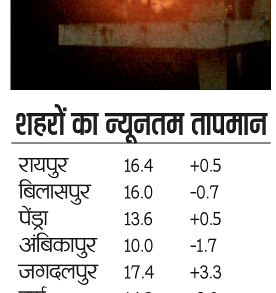

शहरों का न्यूनतम तापमान

रायपुर	16.4	+0.5
बिलासपुर	16.0	-0.7
पेंड्रा	13.6	+0.5
अंबिकापुर	10.0	-1.7
जगदलपुर	17.4	+3.3
दुर्ग	14.2	-3.0

हरिभूमि

जन्मदिन उत्सव महाबम्पर ड्रा

सांत्वना पुरस्कार विजेताओं के नाम

रायपुर संस्करण - (1) चन्द्रकला पटेल पिता\पति-परस राम पटेल पता - गोपिया पारा पुरानी बस्ती, (2) कान्त तिवारी पिता\पति- स्व.राम कृष्ण तिवारी पता - 248 समता कॉलोनी रायपुर, (3) तम्मंत पटेल पिता\पति लक्ष्मीकान्त पटेल पता – रायपुर, (4) भारती चंद्राकर पिता\पति दीपक चंद्राकर पता - शिव विहार कॉलोनी संतोषी नगर रायपुर, (5) अनिल जनबंधु पिता\पति-स्व. कुंडलिक जनबंधु पता- बड़ा अशोक नगर गुढ़ियारी रायपुर, (6) लक्ष्मीकान्त वैष्णव पिता\पति संतोष कुमार वैष्णव पता - रायपुरा रायपुर ,(7) चन्द्रकला पिता\पति संतोष कुमार साहू पता - कुरूद रावाभाटा बिरगांव , (8) पुलकित कुमार साहू पिता\पति पवन कुमार साहू पता - शहीद नगर बिरगांव, (9) सूर्यकांत साठे पिता\पति -प्रकाश राव साठे पता - अश्वनी नगर रायपुर, (10) लोकेश कुमार वर्मा पिता\पति-हेमू राम वर्मा पता - तरपोंगी रायपुर, (11) पार्थिव धुवारे पिता\पति ओम प्रकाश धुवारे पता- इंद्रा नगर भिलाई, (12) निशा यादव पिता\पति केशव यादव पता- प्रेम नगर सिकोलाभाठा दुर्ग, (13) रौनक सिंह राजपूत पिता\पति युवराज सिंह राजपूत पता-दुर्गा चौक दीपक किराना स्टोर शंकर नगर दुर्ग, (14) हर्ष राजपूत पिता\पति कौशल सिंह राजपूत पता-बजरंग नगर दुर्ग, (15) वेदांश तम्बोली पिता\पति खुशाल तम्बोली पता - गणेश पान मंदिर इंदिरा मार्केट, (16) चेतन देवांगन पिता\पति ओम प्रकाश देवांगन पता-गायत्री मंदिर दुर्ग, (17) राकेश कुमार यादव पिता\पति राजू यादव पता- गणेश चौक ए.सी.सी. जामुल, (18) आशीष शर्मा पिता\पति राजेंद्र शर्मा पता-बापू नगर खुर्शिपार भिलाई, (19) पोषण देवांगन पिता\पति कमलबी देवांगन पता- खुर्शिपार भिलाई, (20) नीमा साहू पिता\पति केशव साहू पता - सेलूद भिलाई , (21) हेमलता साह पिता\पति दाऊ लाल साहू पता - बेलर, (22) आदित्य यदु पिता\पति आनंद मधु यदु पता- छाती धमतरी, (23) लोकेश कुमार उपाध्याय पिता\पति स्व. राधे प्रसाद उपाध्याय पता- आमा तालाब रोड गौरा चौरा के पास धमतरी, (24) पारख प्रकाश साहू पिता\पति फल्लेश साहू पता-बोडरा स धमतरी, (25) रोहित तिवारी पिता\पति राधेश्याम तिवारी पता -राजनादगांव, (26) साधना ठाकुर पिता\पति केसव सिंह पता-डोंगरगढ़, (27) हेजल साहु पिता\पति मेषकुमार साहु पता - टेड़ेसरा, (28) शोभा राम देवांगन पिता\पति सेवा राम देवांगन पता-बेमेतरा, (29) अनिषा भगत पिता\पति धनमोहन भगत पता-जेल लाइन कांकेर, (30) डीपेश कुमार सेन पिता\पति गौकरण कुमार सेन पता-नवागांव, (31) मिनाक्षी सुधाकर वाकचौके पिता\पति सुधाकर वाकचौके पता-शांति नगर जगदलपुर, (32) शकीला परवीन पिता\पति मोहम्मद परवीन पता-रायपुर(पिथोरा), (33) प्रीति साहू, पिता\पति राम साहू पता-कवर्धा, (34) अखिलेश कुमार यादव पिता\पति सोहनलाल यादव पता-सिविल लाइन षष्ठी मंदिर के पास, (35) भगवती प्रसाद पिता\पति रामचरण प्रसाद पता-कोंडागांव। **बिलासपुर संस्करण** - (36) अनंदिता सूर्यवंशी, पिता का नाम अशोक सूर्यवंशी पता-राजीव गांधी चौक जरहाभाठा बिलासपुर, (37) काब्या पटेल, पिता- मोहन पटेल पता- छोटी कोनी बिलासपुर, (38) अशोक कुमार देवांगन, पिता- केदारनाथ देवांगन, पता – कुम्हारपारा करबला रोड, बिलासपुर (39) अपूर्वा कौशिक पिता- दिलीप कौशिक पता-यदुनंदन नगर तिफरा, बिलासपुर (40) आयुष्मान मिश्रा, पिता - केशव कुमार मिश्रा पता– राजकिशोर नगर, – बिलासपुर (41) केदार नाथ श्रीवास, पिता–बहोरन लाल श्रीवास, – बिलासपुर पता - महिर्ष स्कूल रोड मंगला बिलासपुर, (42) मंजू बंजारे, पिता– संतोष कुमार बंजारे पता - मिनी माता नगर तेलीपारा बिलासपुर, (43) सुरेखा गुप्ता, पिता – स्व. रामकुमार गुप्ता पता– सरकंडा कपिल नगर बिलासपुर, (44) अशोक कुमार कौशिक पिता– स्व.श्री बी.आर.कौशिक, पता – ओम नगर जरहाभाठा बिलासपुर, (45) इरम परवीन, पिता– शेख शरीफ, पता बिलासपुर कुदुदण्ड, (46) किशोर कुमार त्रिवेदी पिता–स्व.ए.के.त्रिवेदी, पता – बिलासपुर, (47) श्रीमती रानी मिश्रा, पिता–स्व.सुधीर चंद्र मंडल, पता – फ्रेंड्स रेसीडेंसी सरकंडा, बिलासपुर, (48) प्राची गंधर्व, पिता– कृष्णा गंधर्व, पता- न्यूज़ सरकंडा जबरापारा, बिलासपुर (49) नवीन पटेल, पिता–भैयाराम पटेल, पता – अभिषेक बिहार फेस-2 मंगला, बिलासपुर (50) नारद कुमार विश्वकर्मा, पिता– श्री राम सिंह, पता – नूतन चौक बिलासपुर, (51) दुष्यंत देवांगन, पिता–हरनारायण देवांगन, पता – मातृ छाया होस्टल बिलासपुर, (52) राजकुमार खरे पिता– स्व.मुन्नालाल खरे पता – साईं बिहार कॉलोनी मोपका, बिलासपुर (53) कल्याणी साहू पिता–जगदेव साहू पता – सकरी, बिलासपुर (54) सोम्य साहू, पिता– दीपक कुमार पता – सकरी, बिलासपुर (55) धनीराम टंडन पिता–स्व.बजारू टंडन पता – तालापारा बिलासपुर, (56) चित्रलेखा यादव, श्री श्यामलाल यादव, पता – शांति नगर सकरी, बिलासपुर (57) शाजी थामस पिता– स्व.सी.पी.थॉमस पता – बिलासपुर, (58) गुंजन साहू, पिता–दिलेश कुमार साहू, पता हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी परसदा, जिला–बिलासपुर। **भोपाल संस्करण** - (59) समिक्षा जैन पिता\पति सुभाष जैन पता-बैरसिया, (60) आयशा बी पिता\पति मुईन पता- बैरसिया, (61) चरण सिंह पिता\पति रामनारायण पता- मकान नं 13 ग्राम चंदेरी बैरसिया रोड, (62) नेहा विश्वकर्मा पिता\पति - विश्वकर्मा नगरकरोदभोपाल, (63) ज्योति बंजारा पिता\पति विजय सिंह पता-बंजारा बड़ी उकावद गुना, (64) अमिता पिता\पति उदित गौर पता-वार्ड न 17 तवा कॉलोनी हरदा, (65) साधना गौर पिता\पति रविशंकर गौर पता- तवा कॉलोनी हरदा, (66) विराज घाटे पिता\पति कपिल घाटे जोशी कॉलोनी हरदा, **जबलपुर संस्करण** - (67) आस्था अग्रवाल पिता\पति विजय अग्रवाल पता-कांचघर चौक संजय गांधी बोर्ड घमापुर, (68) हर्ष नाईक पिता\पति नरेश नाईक पता-शिवनगर रेलवे क्रॉसिंग के पास गढ़ा जबलपुर, (69) राजेंद्र सोनकर पिता\पति नारायण प्रसाद सोनकर पता-मोहनी होम्स बिलहरी, (70) मान्यता अहिरवार पिता\पति राजेंद्र अहिरवार पता- ग्वारीघाट रोड, (71) यश नाईक पिता\पति नरेश नाईक पता-शिवनगर रेलवे क्रॉसिंग के पास गढ़ा जबलपुर, (72) अंजना नायक पिता\पति वीरेंद्र नायक पता- पंडित नेहरू वार्ड क्रमांक 8 बाजार मोहल्ला पाटन, (73) वंश यादव पिता\पति राजेश यादव पता-गुरु मोहल्ला पाटन जबलपुर, (74) मयंक मेहरा पिता\पति मिथिलेश कुमार पता-मेहरा पाटन।

नियम एवं शर्ते लागू*

शेष विजेताओं की सूची के लिये पढ़ते रहिए हरिभूमि

चकल्लस

चौपाटी में कौन गलत कौन सही

अगली बार कोई यह कहे कि नियम और कानून सबके लिए बराबर होते हैं तो उसको सीधे साइंस कालेज की भूतपूर्व चौपाटी वाली जगह लेकर जाइएगा। फिर पूछिएगा...अगर नियम सबके लिए बराबर होते हैं तो कांग्रेस सरकार में यहां चौपाटी क्यों बनी होगी। जनता का पैसा खर्च किया गया, तब किसी न किसी नियम या कानून से हुआ होगा। जाहिर है कि अफसरों ने कानून की किताबें पढ़ी होंगी। अगर तब वे सही थे तो अब उसे तोड़ा क्यों गया। मतलब कानून वही, नियम वहीं तो एक बार चौपाटी बनी और दूसरी बार तोड़ दी गई।इनमें से कोई न कोई दोषी तो है। अगर कानून सबके लिए बराबर है तो दोषी पर एक्शन क्यों नहीं लिया जा रहा?

ये कहां का ज्ञान और कैसी परीक्षा...

हमारे प्रदेश में शिक्षा प्रणाली की बदहाली को लेकर तरह-तरह की बदसूरत खबरें आए दिन आ जाया करती हैं, लेकिन तस्वीर बदलने की कोई सोचता तक नहीं। इसी क्रम में एक ताजा गड़बड़ी की बात सामने आई है। हुआ ये है कि कंप्यूटर की तकनीकी शिक्षा के कोर्स पीजीडीसीए की सेमेस्टर परीक्षा शुरू हो रही है, वह भी नए पाठ्यक्रम के साथ। यहां तक तो सब सही है, लेकिन अगली बात बदहाली का प्रमाण देने वाली है। हुआ ये है कि नई प्रणाली की किताबें और गाइड अब तक बाजार में उपलब्ध ही नहीं हैं। अब भला ये कौन बता सकता है कि विद्यार्थी कौन-सी किताबें पढ़कर ज्ञान लाएं और कैसे परीक्षा दिलाएं।

कमाई की दुकान...

सरकार की हर महीने दो महीने में आने वाली योजना पर बारीकी से नजर डालें तो लगता है कि कोशिश यही है कि खजाने के लिए राजस्व जुटाया जाए। इसी क्रम में अभी हाल में जमीनों की गाइडलाइन दरें कई गुना बढ़ा दी गई हैं। जाहिर है, इससे राजस्व बढ़ेगा, लेकिन बात यहीं पूरी नहीं होती। अब किसी जमीन पर अगर बहुमंजिला इमारत बनती है तो उसका बाजार मूल्य पूर्ण निर्मित क्षेत्र यानी सुपर बिल्डअप एरिया के हिसाब से तय होगा। और आगे भी सुनिए, अगर किसी दुकान की ऊंचाई 11 फुट से अधिक हो गई तो संपत्ति मूल्य में 30 प्रतिशत वृद्धि की जाकर बाजार मूल्य की गणना की जाएगी। अब तक तो मामला जमीन का ही होता था, पर अब जमीन पर बने मकान और दुकान की ऊंचाई की भी कीमत अदा करनी होगी।

कईयों का धंधा बंद

जमीन की नई दरें जारी हो गई। ठीक है, होनी भी चाहिए कई साल से दरें नहीं बढ़ी थीं। कच्चे-पक्के का खेल भी चलता था, वह भी बंद होगा। यहां तक भी सही है। लेकिन नई दरों से कईयों का धंधा बंद हो गया है। खबरी बता रहा था कि अब रायपुर शहर में कहीं भी दरें डेढ़ हजार रुपए वर्ग फीट से कम नहीं हैं। ज्यादा को तो पूछिए ही मत। खैर...हो यह रहा है कि नए बने वार्ड और आउटर में लोग पांच सौ के रेट में जमीन खरीदकर रजिस्ट्री करा लेते थे। उसे सौ-दो सौ रुपए मुनाफे में बेच देते थे। इससे सरकार भी राजस्व मिलता था और कईयों का घर चल जाता था। लेकिन अब वहां गाइड लाइन ही डेढ़ हजार की है, जहां कोई सात सौ में जमीन खरीदने के लिए तैयार नहीं है। ऐसे में कईयों का धंधा मंदा हो गया है।

अरे... खुशी छिपा लो मैडम

बीते दिनों एक बड़ा मामला बाल मजूदरी का आया। तीन महीने पहले भी यहीं का मामला आया था। फिर क्या था, वे सब फुल फ्लैश में एक्टिव हो गए, जिन्हें इससे थोड़ा भी 'कुछ' हासिल हो सकता था। सब अपने लेवल पर सेटिंग करने में जुट गए। ये तो होता ही है। इसमें नया कुछ भी नहीं है। जो नया है पूरे मामले में वो यह कि तथाकथित सर्वेसर्वा मैडम इतनी ज्यादा खुश हुईं कि पूछिए ही मत। मैडम ने अधिकारियों से सार्वजनिक रूप से ही चाय-नास्ते की डिमांड कर डाली। डील में कुछ गड़बड़ ना हो, इसलिए मैडम ने तय कि वे किसी को भी बच्चों के आस-पास भटकने नहीं देंगी। इसलिए सबके लिए खुले रहने वाले कार्यालय में अघोषित कर्फ्यू लगा दिया। यही नहीं मैडम स्वयं घूम-घूमकर सबको भगाने लगीं। उन्हें यूं बावला होता देखकर इंसान छोड़िए जीव-जंतु भी सोचने लगे कि आखिर मैडम को इतना क्या ही मिलने वाला है, जो यूं उछल-उछलकर सबको भगा रही हैं।

कोई चर्चा क्यों नहीं करता?

माध्यमिक शिक्षा मंडल इन दिनों नए-नए प्रयोग कर रहा है। करने का मन ना हो तब भी करना ही पड़ रहा है, क्योंकि यही नई नीति है। नौकरी है तो करनी ही पड़ेगी। लेकिन संबंधित अधिकारी को दुख इस बात का है कि कोई चर्चा ही नहीं कर रहा है। पुराने वाले साहब पुराने काम भी करें तो उनकी चर्चाएं हो जाया करती थीं। पुष्पाराज का राज बस फिल्मों में ही चल रहा है। रियल में तो फायर नहीं फ्लावर ही हैं। अब क्या बताएं, बीते दिनों कुछ-कुछ काम ऐसे हुए जो 25 सालों में पहली बार ही हुए। फिर भी किसी को कुछ पता नहीं चला। सूत्र बताते हैं कि मैडम को थोड़ा मलाल है इसका। खैर, दुखी होने का हक सबको है।

स्वास्थ्य में जी-2 का आतंक...

अपनी लचर सेवाओं की वजह से चर्चा में रहने वाले स्वास्थ्य विभाग के अफसर इन दिनों जी-2 के आतंक से खौफजदा हैं। जी-2 मतलब गुप्ता जी लगातार आम जनता के स्वास्थ्य से जुड़ी व्यवस्थाओं की कमियों और उसमें होने वाले भ्रष्टाचार का खुलासा कर विभागीय अधिकारियों सहित अन्य जिम्मेदारों का जीना हराम कर रखा है। अधिकारी उन्हें विभाग की जानकारी देने वाले हरिराम को खोजने का भरसक प्रयास तो कर रहे हैं, मगर उन्हें अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। वैसे तो जी-2 का आपस में कोई लेना देना नहीं है, मगर उनका उद्देश्य गलतियों का खुलासा कर स्वास्थ्य विभाग की बखिया उधेड़ना है। इनमें जी-1 चिकित्सकीय पेशे से जुड़े हुए हैं और विभागीय नब्ज पहचानने वाले पुरानी अनुभवी हैं। जी-2 राजनैतिक गलियारे से संबंधित हैं।

खाना-पीना हराम न हो जाए...

आंबेडकर अस्पताल के मरीजों को रियायती दर पर ठहरने की सुविधा देने वाले शख्स को हल्के में लेना कुछ अधिकारियों का खाना हराम कर सकता है। दरअसल सेवाभाव से जुड़े ये शख्स मरीज और उनके परिजनों को नाममात्र शुल्क पर खाना खिलाने का प्रस्ताव लेकर अफसरों के पास पहुंचे थे। हर काम नियम से करने का दावा करने वाले दो डॉक्टर कम अफसरों ने उन्हें हल्के में ले लिया। घंटों इंतजार कराने के बाद उनकी भावना को नजरअंदाज कर दिया तो समाजसेवी शख्स काफी नाराज हो गए और अपनी मंशा से आलाकमान को अवगत कराने की चेतावनी देकर चले गए। चर्चा है कि इस चेतावनी के बाद दोनों जिम्मेदारों को इस बात की चिंता खाए जा रही है कि मरीजों का सस्ता खाना उनका खाना-पीना हराम न कर दे।

विधायक की चलती है

कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में चौपाटी हटाने को लेकर धरना-प्रदर्शन करने वाले विधायक ने सत्ता आते ही चौपाटी को चौपट कर दिया। चौपाटी को लेकर गैरों के साथ अपने भी दो मत थे। मतलब बहुत से सत्ताधारी कह रहे थे कि नहीं चौपाटी को नहीं तोड़ते तो अच्छा था। लेकिन विधायक महोदय ने किसी की नहीं सुनी न किसी को सुनने दी। उसके बाद खबरी कह रहा है कि टूटने के बाद जो भी कहा जा रहा हो लेकिन एक बात साफ हो गई है कि विधायक की चलती तो है। सब मिलकर भी उन्हें रोक नहीं पाए।

जिया कुरैशी, सुरेंद्र शुक्ला, विकास शर्मा, रुचि वर्मा।

विदेशों से पढ़कर आए डॉक्टरों को राज्य के मेडिकल कालेजों में इंटर्नशिप में मौका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- दो साल की इंटर्नशिप के दौरान 14 हजार मानदेय भी मिलेगा
- 2 दिसंबर तक आवेदन करने का दिया समय

अलग खबर

विदेशों से एमबीबीएस की पढ़ाई कर लौटे एमबीबीएस डॉक्टरों को राज्य के शासकीय और निजी मेडिकल कॉलेजों में इंटर्नशिप का मौका दिया जाएगा। इसके लिए आवश्यक दस्तावेजों के साथ 2 दिसंबर तक आवेदन करने का वक्त दिया गया है। एक साल की एफएमजी इंटर्नशिप के दौरान इन्हें 14 हजार मानदेय दिया जाएगा। इन मेडिकल कॉलेजों में इंटर्नशिप के लिए करीब सवा दो सौ सीटें हैं।

यूक्रेन सहित विभिन्न देशों में चिकित्सा की पढ़ाई करने के बाद लौटने वाले करीब सौ से डेढ़ सौ फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट (एफएमजी) नवंबर बैच को चिकित्सा महाविद्यालयों में इंटर्नशिप के माध्यम से देश में चिकित्सा व्यवस्था का अनुभव प्राप्त करते हैं। विदेश में पढ़ाई पूरी करने वाले डाक्टरों के लिए केंद्रीय स्तर पर साल में दो बार एफएमजी टेस्ट का आयोजन किया जाता है। इसमें सफल होने वालों को मेडिकल कांउसिल में पंजीयन और प्रैक्टिस की अनुमति मिलती है। इसी दौरान उन्हें राज्य में चिकित्सा व्यवस्था का अनुभव दिलाने के लिए एक साल की इंटर्नशिप का मौका दिया जाता है। चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा इसके लिए 24 नवंबर से 2 दिसंबर तक आवेदन मंगाए गए हैं। राज्य में शासकीय और निजी मेडिकल कॉलेजों में इंटर्नशिप के लिए 223 सीटें हैं। इनकी पूर्ति के लिए राज्य के मूल निवासी के साथ अन्य एफएमजी से भी आवेदन लिए जाते हैं। इस इंटर्नशिप के माध्यम से विदेश में डाक्टर बनने वाले छात्रों को अनुभव और कालेज प्रबंधन को काम करने के लिए काफी संख्या में डाक्टर मिल जाते हैं।

राज्य में तीन हजार एफएमजी

राज्य में वर्तमान में करीब तीन हजार फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट डॉक्टर काम कर रहे हैं। इनके द्वारा स्वास्थ्य विभाग, चिकित्सा शिक्षा विभाग में भी सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। इसके लिए बड़ी संख्या में डाक्टर प्रायवेट प्रेक्टिस से भी जुड़े हुए हैं। राज्य में हर साल करीब दो सौ डाक्टर विदेश से लौटते हैं। एफएमजी एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. विनय वर्मा ने बताया कि इंटर्नशिप की प्रक्रिया के दौरान होने वाली किसी भी तरह की दिक्कत के दौरान एसोसिएशन से मदद ली जा सकती है।

बीएससी एडमिशन, 502 ने किया आवेदन

बीएससी की करीब साठ फीसदी सीटों पर प्रवेश के लिए मंगाए गए नए आवेदन के दौरान कुल 502 लोग सामने आए। काउंसिलिंग कमेटी द्वारा इनकी सूची जारी कर खाली सीटों के लिए तीन दिन का मौका दिया गया है। पचास एवं चालीस फीसदी न्यूनतम अंक वाले नियम के बाद आईएनसी द्वारा खाली सीटों की संख्या को देखते हुए परसेंटाइल कम किए जाने की संभावना है। पिछले न्यूनतम परसेंटाइल को पांच फीसदी तक किया गया था।

गृहमंत्री ने दिए संकेत, जबरन धर्मातरण कराए जाने पर कड़ी सजा का प्रावधान

धर्मांतरण के लिए दो माह पहले देनी होगी सूचना, ड्राफ्ट तैयार, शीत सत्र में पेश होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में बड़े पैमाने पर आदिवासियों का धर्मांतरण होने की बात सामने आती रही है

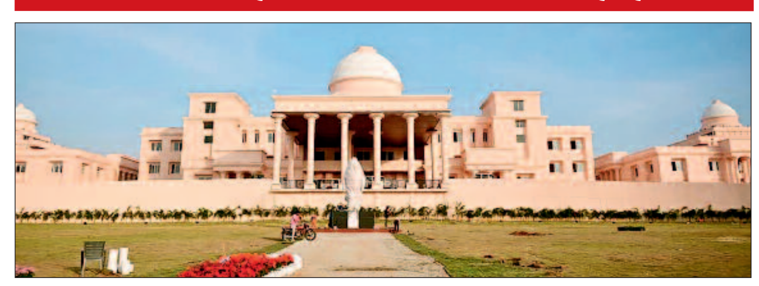

खास खबर

विधानसभा का शीतकालीन सत्र में धर्मांतरण संशोधन विधेयक पेश किया जाएगा। गृहमंत्री विजय शर्मा ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा, विधेयक के आने के बाद नियमों में कई बदलाव होंगे। छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण को लेकर विवाद न बढ़े, इसलिए गृहमंत्री के नेतृत्व में नया ड्रॉफ्ट तैयार किया गया है।

ड्रॉफ्ट के अनुसार, अब किसी एक धर्म से दूसरे धर्म में जाना आसान नहीं होगा। धर्म परिवर्तन केवल पूरी प्रक्रिया और नियम कानून का पालन करने के बाद ही किया जा सकेगा। छत्तीसगढ़ सरकार धार्मिक स्वतंत्रता कानून भी बनाने जा रही है। नियमों का उल्लंघन करने या जबरन धर्म परिवर्तन कराने पर जेल के साथ कड़ी सजा का प्रावधान किया जाएगा। 9 राज्यों के धर्मांतरण संबंधी प्रावधानों के आधार पर ड्रॉफ्ट तैयार किया गया है। छत्तीसगढ़ में बस्तर, जशपुर, रायगढ़ क्षेत्र में बड़े पैमाने पर आदिवासियों का धर्मांतरण होने की बात सामने आती रही है। अभी धर्मांतरण की प्रक्रिया को वैधानिक मान्यता देने वाला कोई नियम नहीं है।

60 दिन पहले देनी होगी सूचना

लोग किसी अन्य धर्म के अनुयायियों की बातों या प्रभाव में आकर उस धर्म को अपनाते हैं। उनकी पूजा-पद्धतियों को मानकर खुद को उस धर्म का अनुयायी घोषित कर देते हैं। अगर कोई व्यक्ति इस प्रस्तावित नियम के बाहर जाकर धर्म परिवर्तन करता है तो उसे वैध नहीं माना जाएगा। साथ ही किसी पर दबाव बनाकर या प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराया जाता है तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। धर्म बदलने के लिए जिला प्रशासन के माध्यम से 60 दिन पहले जानकारी देनी होगी। जबरन धर्मांतरण कराए जाने की शिकायत पाए जाने पर सजा का प्रावधान किया गया है।

ये है धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम

अधिनियम के तहत प्रत्येक व्यक्ति को अपनी पसंद के धर्म का पालन करने का अधिकार है। इस स्वतंत्रता को लोकतंत्र का प्रतीक माना जाता है। धर्म की स्वतंत्रता के अधिकार प्रत्येक व्यक्ति को अपनी पसंद के धर्म का अभ्यास करने और उसका पालन करने का अधिकार है।

14 से 17 दिसंबर तक चलेगा सत्र

विधानसभा का शीतकालीन सत्र 14 से 17 दिसंबर तक चलेगा। नए विधानसभा भवन में सत्र के दौरान रविवार 14 दिसंबर को विजन 2047 को लेकर चर्चा रखी गई है। शेष तीन दिन सदन में प्रश्नकाल सहित शासकीय और वित्तीय कार्य किए जाएंगे।

आदिवासी क्षेत्रों में आए कई मामले

फिलहाल गृह विभाग अन्य राज्यों के बनाए गए ऐसे कानूनों का अध्ययन कर रहा है, जिससे छत्तीसगढ़ में भी एक स्पष्ट और मजबूत नियम तैयार किया जा सके। आदिवासी और धर्म परिवर्तन करने वाले आदिवासियों के बीच कई बार गंभीर विवाद हो चुका है। कानून व्यवस्था बिगड़ चुकी है। इस कारण छत्तीसगढ़ सरकार ने ऐसे विवाद को टालने और धर्मांतरण पर एक कानून बनाने की प्रक्रिया शुरू की है।

जिले में एसआईआर के तहत केवल सवा दो लाख मतदाताओं का डिजिटाइजेशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- धीमी गति के चलते समय पर काम पूरा होने में संदेह, स्टाफ बढ़ाकर पूरा करें एसआईआर

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य के तीन सप्ताह बीतने के बाद गणना पत्रक की डिजिटाइजेशन कार्य की गति बेहद धीमी है। रायपुर जिले में 18,92,523 पात्र मतदाता हैं, जिनमें 16,08,644 को अब तक गणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं। इनमें से लगभग सवा 2 लाख मतदाताओं द्वारा दी गई सूचना का डिजिटाइजेशन किया गया है, जो कुल मतदाता संख्या का केवल 14 प्रतिशत है। बताया गया है कि मतदाताओं की जानकारी के आधार पर एक माह में यह कार्य पूरा करने का समय दिया गया है।

संभागायुक्त रायपुर एवं रोल आब्जर्वर महादेव कावरे ने रायपुर जिले के ग्रामीण एवं रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्रों में पुनरीक्षण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने दोनों विधानसभा क्षेत्रों के अंतर्गत जोन कार्यालय, जोन क्रमांक 9 और जोन क्रमांक 3 में चल रहे फॉर्म डिजिटाइजेशन कार्य का गहन अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर नवीन ठाकुर, तहसीलदार एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि डिजिटाइजेशन कार्य में तेजी लाने के लिए वर्तमान कर्मचारियों के साथ अतिरिक्त स्टाफ की तैनाती की जाए। साथ ही शिफ्टवार व्यवस्था बनाकर रात्रिकालीन कार्य भी सुनिश्चित किया जाए, ताकि निर्धारित समयसीमा के भीतर अधिकतम प्रगति हासिल की जा सके।

राजनीतिक दलों के बूथ एजेंटों का लें सहयोग

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने फील्ड में कार्यरत बीएलओ से बैठक कर फॉर्म-6, फॉर्म-8 आदि के वितरण, प्राप्ति एवं पूर्ण किए गए फॉर्मों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने बीएलओ को समय पर फॉर्म वितरण और प्राप्ति सुनिश्चित करने तथा आवश्यकता पड़ने पर राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट का सहयोग लेने के निर्देश दिए।

- एडीजी इंटेलिजेंस अमित कुमार ने ली बैठक

सुरक्षा इंतजामों पर पुलिस अफसरों ने किया मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नवा रायपुर में 28, 29 तथा 30 नवंबर को होने वाली डीजी कांफ्रेंस की तैयारियों को लेकर रविवार को एडीजी इंटेलिजेंस अमित कुमार ने पांचो रेंज के आईजी के साथ रायपुर रेंज के सभी एसपी की बैठक ली। बैठक का आयोजन सिविल लाइंस थाना स्थित सी-4 बिल्डिंग में आयोजित की गई। बैठक में डीजी कांफ्रेंस की सुरक्षा तैयारी के साथ कान्फ्रेंस में जिन विषयों को लेकर चर्चा की जाएगी, उसके संबंध में एडीजी अमित कुमार ने पुलिस अफसरों के साथ मंथन किया।

बैठक में आईजी अमरेश मिश्रा, आनंद छाबड़ा, आईजी सीआईडी ध्रुव गुप्ता, संजीव शुक्ला, डीआईजी सुरक्षा एमएल कोटवानी सहित अन्य पुलिस अफसर शामिल रहे। जानकारी के मुताबिक, डीजी कान्फ्रेंस में देश के अलग-अलग राज्यों के 70 पुलिस महानिदेशक, ढाई सौ के करीब आईजी अफसरों के पीए समेत अन्य स्टाफ यानी साढ़े पांच सौ अफसरों के पहुंचने की संभावना है। राज्य में पहली बार होने जा रही हाईप्रोफाइल डीजी कान्फ्रेंस की बैठक का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। वहीं समापन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह करेंगे। ऐसे में नवा रायपुर में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

- अलग-अलग राज्यों के 70 पुलिस महानिदेशक डीजी बैठक में शामिल होने पहुंचेंगे

जहां बैठक...वहां नो फ्लाइंग जोन

जहां डीजी कान्फ्रेंस होने जा रही है, वहां सुरक्षा की दृष्टि से उक्त क्षेत्र को पूरे तीन दिनों तक के लिए नो फ्लाइंग जोन घोषित किया जाएगा। इसके अलावा पूरा परिसर एसपीजी तथा स्थानीय पुलिस के सुरक्षा घेरे में रहेगा। डीजी कान्फ्रेंस में प्रधानमंत्री दो दिन तथा अमित शाह पूरे तीन दिन तक शामिल रहेंगे।

डीजीपी कांफ्रेंस में देशभर के साढ़े पांच सौ अफसर जुटेंगे, सुरक्षा में रहेंगे सीआरपीएफ के जवान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में होने वाली डीजीपी कॉन्फ्रेंस में देशभर के साढ़े पांच सौ अफसर 26 और 27 नवंबर को रायपुर पहुंचेंगे। उन्हें एसपी और एएसपी स्तर के अधिकारियों द्वारा रिसीव करने के बाद अलग-अलग रेस्ट हाउस और अन्य स्थानों पर ठहराया जाएगा। साथ ही रुकने वाले स्थानों की सुरक्षा के लिए जवानों की तैनाती की जाएगी। राज्य पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बल की 5 कंपनी को ड्यूटी में उपलब्ध कराया जाएगा। 28 से 30 नवंबर तक होने वाले सम्मेलन स्थल पर सीआरपीएफ के जवानों के साथ ही आईबी की टीम तैनात रहेगी। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के सुरक्षा की जिम्मेदारी एसपीजी के जिम्मे रहेगी। केंद्रीय फोर्स के जवान सहयोगी की भूमिका में रहेंगे।

डीजीपी कॉन्फ्रेंस में राज्य पुलिस के साथ ही केंद्रीय सुरक्षा बल, इंटेलिजेंस, राजस्व खुफिया निदेशालय, सीबीआई और अन्य खुफिया विभाग के 550 अधिकारी शामिल होंगे। डीजीपी, आईजी, उनके निज सचिव, सुरक्षागार्ड, सहयोगियों और वाहन चालकों के रुकने के लिए अलग-अलग व्यवस्था की गई है। सभी को रैंकिंग के अनुसार ठहराया जाएगा।

वहीं प्रोटोकॉल के अनुसार सुरक्षा की व्यवस्था की गई है। इसके लिए संभावित स्थानों को चिन्हांकित कर 26 से 30 नवंबर तक किसी भी तरह की बुकिंग नहीं लेने कहा गया है। कुछ होटलों को सुरक्षा के लिहाज से रिजर्व रखा गया है।

- पीएम और गृहमंत्री के दौरे को देखते हुए एसपीजी करेगी सुरक्षा जांच

कल एसपीजी की टीम पहुंचेगी

तीन दिवसीय डीजीपी सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शामिल होंगे। उनके प्रवास के पहले एसपीजी की टीम सुरक्षा की जांच करने के लिए 25 नवंबर को रायपुर पहुंचेगी। एसपीजी टीम एयरपोर्ट से लेकर सम्मेलन स्थल, रुकने के स्थान, प्रदेश भाजपा कार्यालय और संभावित मार्गों की जांच करेगी।

प्रोटोकॉल अफसरों की नियुक्ति जल्द

सम्मेलन में शामिल होने वाले अफसरों को एयरपोर्ट से रिसीव करने से लेकर रुकने के स्थान और सम्मेलन स्थल तक पहुंचाने के लिए प्रोटोकॉल अधिकारी नियुक्ति किए जाएंगे। प्रदेशभर के अफसरों को इसके लिए चिन्हांकित किया जा रहा है। फिलहाल सभी जिलों से आईजी और एसपी से ब्योरा मांगा गया है। इसके मिलते ही प्रत्येक अधिकारी की ड्यूटी तय होगी।

साय बोले- जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रही सरकार, बघेल ने कहा-डराने-धमकाने का कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में एसीबी और ईओडब्ल्यू की रेड पर सियासत

आबकारी और डीएमएफ घोटाले को लेकर ईओडब्ल्यू तथा एसीबी की टीम ने रायपुर, दुर्ग, सरगुजा, अंबिकापुर, धमतरी और जगदलपुर जिले में छापा मारा है। छापेमार कार्रवाई को लेकर अब सियासत गर्म हो गई है। पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने इस रेड को लेकर सवाल खड़े किए हैं। वहीं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छापे को लेकर कहा, सरकार जीरों टालरेंस पर चल रही है। एसीबी-ईओडब्ल्यू के छापे को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, हमारी सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। भ्रष्टाचार की शिकायतों पर एजेंसियां जांच कर रही हैं और दोषी पाए जाने पर कार्रवाई भी होगी। मामले में जांच की कार्रवाई तेजी से चल रही है।

जांच एजेंसी अपना काम कर रही : साव

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि दोनों मामलों में लंबे समय से जांच चल रही है। दोनों मामलों की जांच पहले से ही की जा रही है। जांच के आधार पर यह कार्रवाई हो रही है, जांच एजेंसी अपना काम कर रही है।

भाजपा नेताओं के घर नहीं जाती एसीबी : भूपेश

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने इस रेड को लेकर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि सबको फर्जी तरीके से फंसाने का काम चल रहा है। डराने, धमकाने और पैसा वसूली का कार्यक्रम चल रहा है, इसलिए यह रेड की कार्रवाई की जा रही है। एसीबी और ईओडब्ल्यू की टीम भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के घर नहीं जाती है। भारतीय जनता पार्टी के व्यापारियों के यहां नहीं जाती है। वे तो खोज-खोज कर किन के घर वसूली की जा सकती है, वहीं पहुंच रहे हैं।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक, रायपुर-16 तहसील व जिला रायपुर

सीमांकन सूचना

दिनांक 21/11/2025

प्रति,
(1) दीपश कुमार पटेल पि. चन्दुलाल पटेल, निवासी फाफाडीह रायपुर (2) ऐवीन (AVN) प्रोजेक्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (नरेश शेरवानी) निवासी, मोवा, रायपुर (3) दौलतराम खत्री पि. बल्लभ दास खत्री, पता विनोबा नगर, बिलासपुर (4) परीक्षित सुरेवा पि. महेन्द्र कुमार सुरेवा, आजाद नगर कानपुर (उ.प्र.)

विषय- आवेदक महेश वाधवानी पिता आसुदाराम वाधवानी निवासी द्वारा आवेदित ग्राम गिरौद प.ह.नं. 22 रा.नि.मं. रायपुर-16 स्थित भूमि खसरा नंबर 583/3, 583/4, 583/5, 583/7, 583/8, 583/9 क्षेत्रफल क्रमशः 0.160, 0.162, 0.162, 0.160, 0.162, 0.162 हेक्टेयर के सीमांकन/बटांकन में उपस्थित होने के संबंध में।

संदर्भ- न्यायालय अति./नायब तहसीलदार धरसीवां के सीमांकन आदेश /ज्ञापन क्र. ...वा/अति./ना. तह./2025 धरसीवां दिनांक 14/11/2025 के संदर्भ में।

उपरोक्त विषयांकित भूमि का सीमांकन न्यायालय अति./ना. तहसीलदार धरसीवां के संदर्भित ज्ञापन के परिपालन में दिनांक 28/11/2025 को पूर्वान्ह/अपरान्ह 12.00 बजे से मेरे द्वारा हल्का पटवारी के सहयोग से किये जाने हेतु नियत है।

क्योंकि आप उक्त खसरा नंबर की भूमि के संलग्न भूमि धारक/बटांकन धारी हैं। अतः उल्लेखित नियत दिनांक को पटवारी हल्का नंबर 22 के मांढर स्थित कार्यालय में स्वयं या अपने अभिभाषक/वैद्य अभिकर्ता के माध्यम से अपनी भूमि के स्वत्व संबधी आवश्यक दस्तावेज के साथ उपस्थित होकर दस्तावेज के अनुरुप आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं।

सूचनोपरांत अनुपस्थिति की स्थिति में भी सीमांकन कार्य किया जावेगा एवं पश्चात की गई आपत्ति अमान्य होगा। अतः सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक
(मुहर) रा.नि.मं. रायपुर 16 (सारागांव)

समक्ष श्रीमान पब्लिक नोटरी रायपुर छ.ग.

// शपथ पत्र //

मैं मानसिंग सिन्हा उम्र 56 वर्ष पिता स्व. परसराम सिन्हा वर्तमान निवासी रिंग रोड नंबर 02 गनपत चौक तेन्दुआ रोड, हीरापुर थाना कबीर नगर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करता हूँ कि :-

01. यह कि मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार सत्य व सही है।
02. यह कि मेरा मानसिंग सिन्हा पिता परसराम सिन्हा है जो कि मेरा उक्त नाम मेरे आधार कार्ड नंबर 3098-7262-0927 एवं मेरे मतदाता परिचय पत्र क्रमांक GDH0037705 में दर्ज है। तथा उक्त नाम से ही मेरे बैंको में खाते संचालित है।
03. यह कि मेरे समस्त शैक्षणिक दस्तावेजो में मेरा नाम अभिमन्यू पिता परसराम दर्ज है।
04. यह कि मानसिंग सिन्हा पिता परसराम सिन्हा एवं अभिमन्यू पिता परसराम दोनों एक ही व्यक्ति अर्थात मेरा ही नाम है।
05. यह कि मै अपना नाम मानसिंग सिन्हा वर्तमान में प्रचलित नाम से जाना पहचाना व पुकारा जाना चाहता हूँ इसलिये यह शपथ पत्र सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ।

शपथकर्ता

// सत्यापन //

मैं उपरोक्त शपथकर्ता सत्यनिष्ठा से सत्यापित करता हूँ कि इस शपथ पत्र की कंडिका क्रमांक 01 से 05 मेरी जानकारी में सत्य व सही है एवं आज दिनांक को स्थान रायपुर में अपना हस्ताक्षर कर सत्यापित किया ।

रायपुर छ.ग. शपथकर्ता
दिनांक. 21.11.2025 मानसिंग सिन्हा

खबर संक्षेप

28 को सतनामी समाज का परिचय सम्मेलन

मंदिर हसौद। सतनामी उत्थान एवं जाग्रति समिति रायपुर छत्तीसगढ़ का 25वा वर्ष(रजत जयंती) के अवसर पर सतनामी युवक -युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन 28 दिसंबर दिन रविवार को खालसा स्कूल कचहरी चौक रायपुर में रखा गया है। इस रजत जयंती वर्ष को याद गार बनाने हेतु अधिक से अधिक संख्या में युवक युवती पहुंचे उसके लिए अभी से अग्रीम पंजियन की व्यवस्था किया गया है। जो प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज के कार्यालय न्यू राजेन्द्र रायपुर गुरु घासीदास सांस्कृतिक भवन में श्रीकृष्ण कुमार कोशले जिसका मो नंबर 9907971178 ,9926545355 से सम्पर्क कर सकते हैं। जिसकी जानकारी प्रदेशाध्यक्ष जय बहादुर बंजारे सतनामी उत्थान एवं जाग्रति समिति द्वारा दिया गया।

आत्मानंद स्कूल के आनंद मेले में मनोरंजक खेलों की धूम रही

कूंरा। शनिवार को पी एम श्री स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम शाला कुंरा में भव्य आनंद मेले का आयोजन किया गया। आनंद मेले में बच्चों द्वारा बनाये विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन - चटोरे चाट, पानीपुरी, सैंडविच, ढोकले, गरमा गरम आलूचप,समोसे, भजिया, चाउमीन, चिप्स चाट, भेल, अप्पे, पाव भाजी, इडली, टिकिया चाट, जैसे कई स्वादिष्ट व्यंजन के 32 स्टॉल लगाए गए । वही कोल्डड्रिंक, मॉकटेल, कॉफी, चाय आइसक्रीम ने बच्चों के साथ साथ बड़ो को भी पसंद आए। पेस्ट्री, केक,रसगुल्ले से सबके मुह में मिठास भरे वही सेल्फी ज़ोन व मनोरंजक खेलो ने सभी को आकर्षित किया। जम्पिंग झूले ने छोटे बच्चों के साथ साथ बड़े बच्चों का भी मनोरंजन किया। मेले में कक्षा पाचवीं से बारहवीं तक के दोनों माध्यमों के बच्चों ने स्टाल लगाए थे। शाला की प्राचार्य सुजाता बहल ने बताया कि इस प्रकार का आयोजन छोटे बच्चों में प्रॉफिट-लॉस, कैलकुलेशन, प्लस, माइनस एवम बड़े बच्चों में मार्केटिंग, प्रचार, बिजनेस की समझ के साथ साथ टीम वर्क को विकसित करता है, बच्चे थ्योरी को प्रैक्टिकल में समझते है, भविष्य में व्यापार की कल्पना को सही दिशा में विकसित करते है। कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष गोविंद जी, संकुल समन्वयक रोहित घृतलहरे पालक, भूतपूर्व छात्र के साथ साथ संकुल के समस्त अशासकीय विद्यालयों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज की। समस्त शिक्षकों एवम विद्यार्थियों ने इस आयोजन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए आनंद मेले को आनंद के साथ सार्थक बनाने में महत्वपूर्ण सहभागिता निभाई।

श्रीलक्ष्मी चंद्राकर का हुआ सीजी पीएससी में चयन

आरंग। ग्राम भिलाई की श्रीलक्ष्मी चंद्राकर का सीजीपीएससी में चयन

होने पर ग्राम में हर्ष की लहर है। वहीं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भिलाई के शाला स्टाफ ने भी हर्ष जताया है। श्रीलक्ष्मी इसी विद्यालय में बारहवीं तक की पढ़ाई की है। शनिवार को शाला के सभी स्टाफ ने विद्यालय में श्रीलक्ष्मी चंद्राकर को गुलदस्ता भेंटकर बधाई व शुभकामनाएं दिए हैं। इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य सीएल साहू व शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला भिलाई के प्रधान पाठक सुश्री डार्थी तांडी सहित समस्त शाला स्टाफ की उपस्थिति रही।

पहली बार स्वेटर उतारकर जांच, हैंडपंप टेक्नीशियन बनने पहुंचे 61% अभ्यर्थी

रायपुर। व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा रविवार को हैंडपंप टेक्नीशियन भर्ती परीक्षा आयोजित की गई। इसके लिए 6 हजार 850 अभ्यर्थियों ने पंजीयन कराया था। इनमें से 61 प्रतिशत अभ्यर्थी परीक्षा दिलाने पहुंचे रहे। नए नियम लागू किए जाने के बाद व्यापम की परीक्षाओं में आधी बांह और हल्के रंग के कपड़े अनिवार्य कर दिए गए हैं। लेकिन ठंड को देखते हुए व्यापम ने अभ्यर्थियों को गर्म कपड़े पहनने की छूट दी है। इसमें आधी बांह और रंग का बंधन नहीं है। लेकिन गर्म कपड़े पहनकर आने वाले अभ्यर्थियों के लिए स्वेटर उतारकर जांच करवाना अनिवार्य है।

खेल: सुरक्षा, यातायात और पार्किंग व्यवस्था को मजबूत करने की तैयारी शुरू

भारत-दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट मैच को लेकर युवकों में भारी उत्साह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

3 दिसंबर को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले बहुप्रतीक्षित एकदिवसीय मुकाबले को लेकर आरंग विधानसभा क्षेत्र में क्रिकेट का बुखार चरम पर पहुँच गया है। चूंकि शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम इसी क्षेत्र में स्थित है, इसलिए यहाँ के बाजारों में मैच की चर्चाएँ लगातार गर्म हैं। स्थानीय क्रिकेट प्रेमी इस बात से खासे उत्साहित हैं कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर का मुकाबला उनके ही क्षेत्र में आयोजित हो रहा है। युवा खिलाड़ी, स्कूल–कॉलेज के छात्र और खेल प्रेमी सुबह से सोशल मीडिया पर टिकट उपलब्धता और एंट्री पास को लेकर जानकारी जुटाते रहे। कई परिवारों और युवाओं ने समूह बनाकर मैच देखने की योजना पहले ही तैयार कर ली है। इधर

आरंग, लखौली रीवा कुकरा पलौद चंदखुरी, मंदिर हसौद, भानसोज, खौली फरफौद सहित आसपास के गांवों में क्रिकेट का क्रेज इस कदर है कि लोग स्टेडियम में लाइव मैच देखने के रोमांच को लेकर बेहद उत्साहित दिखाई दे रहे हैं। कई स्थानीय परिवार भी पूरे समूह के साथ मैच का आनंद लेने की तैयारी कर रहे हैं। इधर मैच में दर्शकों की भीड़ को ध्यान में रखते हुए कई दुकानदारों ने विशेष तैयारी प्रारंभ कर दी है। परिवहन सेवाओं में भी हलचल तेज हो गई है, क्योंकि मैच के दिन मुख्य मार्गों पर भारी भीड़ की संभावना जताई जा रही है। ऑनलाइन टिकटों के आधे घंटे में सोल्ड आउट हो जाने के बाद प्रशासन और स्टेडियम प्रबंधन ने सुरक्षा, यातायात और पार्किंग व्यवस्था को मजबूत करने की तैयारी शुरू कर दी है। पुलिस भी दर्शकों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए भीड़ नियंत्रण की योजना तैयार कर रही है। क्षेत्र के एक युवा क्रिकेटर का कहना है हमारे क्षेत्र में इतना बड़ा मैच होना गर्व का विषय है। टिकट बुक करना चुनौती था, पर जिनको मिल गया वे बेहद खुश हैं। बाकी लोग भी टीवी और स्क्रीनिंग के जरिए मैच का आनंद लेने तैयार हैं। भारत–दक्षिण अफ्रीका के इस बड़े मुकाबले को लेकर आरंग विधानसभा क्षेत्र में माहौल पूरी तरह क्रिकेटमय हो चुका है। टिकटों की रफ्तार और लोगों का उत्साह इस बात का प्रमाण है कि 3 दिसंबर का मुकाबला दर्शकों के लिए यादगार साबित होने वाला है।

शीतला व अन्नपूर्णा माता मंदिरों के लोकापर्ण पर 26 को कलशयात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरपोंगी

ग्राम तरपोंगी में लगभग 200 साल पुराना शीतला माता, अन्नपूर्णा माता की मंदिर का जीर्णोधार किया गया है। 26 नवम्बर दिन बुधवार को नवनिर्मित मंदिर का लोकार्पण किया जाएगा। इसके पहले सुबह 9 बजे भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। सुबह 11 बजे हवन पूजन व दोपहर 2 बजे महाप्रसादी व महाभंडारा का आयोजन रखा गया है।

- प्राचीन मंदिर का जनसहयोग से जीर्णोद्धार किया गया
- हवन के बाद भंडारे का किया जाएगा आयोजन

शीतला मंदिर का इतिहास : जनश्रुति के अनुसार आज से 200 वर्ष पूर्व ग्राम तरपोंगी गांव के पूर्वज कुल्हाड़ीडीह कोल्हान नाला के समीप निवास करते थे। तब यह गांव भारी जंगल से भरा था। एक समय किसी किसान का भैसा गुम हो गया था जिसे हमारे पूर्वज ढूंढते - ढूंढते इसी जंगल में आए थे तब शीतला मंदिर के समीप एक छोटा सा तालाब नुमा जिसे डबरी कहते हैं, भैंसा डूबा हुआ मिला। उसे निकालने के लिए किसान डबरी में उतरे तब दोनों देवियां जो पानी में डूबी थी जिसे हम शीतला माता एवं अन्नपूर्णा माता के नाम से जानते हैं उसे बाहर निकाल कर एक चबूतरे में रखा गया था। धीरे-धीरे ग्रामीणों में श्रद्धा जागी गांव में छोटी माता, बड़ी माता है जैसे बीमारियों को ठीक करने की मनौती लेकर माता की पूजा अर्चना करने से मनोकामना पूर्ण होने लगा। उसके बाद ग्रामीण कुल्हाड़ीडीह को छोड़कर शीतला मंदिर के आस पास अपना घर आशियाना बना कर रहने लगे। इस मंदिर के आसपास सभी समाज के वंशज निवास करने लगे स्वर्गीय चंदूलाल वर्मा दरोगा को विचार आया कि क्यों ना चबूतरे में विराजित शीतला माता एवं अन्नपूर्णा माता के लिए मंदिर बनाया जाए। उन्होंने सर्वप्रथम मंदिर का निर्माण कर दोनों माता को स्थापित किया साथ ही मंदिर के समीप दरोगा जी ने लगभग 28 हाथ अर्थात 42 फीट गहरा कुआं बनवाया। जिससे पूरे गांव के निवासी पानी पीते थे। इस तरह दरोगा जी ने पूण्य कार्य किया जो गांव के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। मंदिर के समीप नीम का पेड़ बहुत पुराना है जिसका तना फैलने की वजह से पक्का मंदिर का दीवाल बार बार फट जाता है जिसकी वजह से तीन बार मंदिर का निर्माण हो चुका है इस बार समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से 500 फिट भूमि दान में लेकर प्राचीन मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया है। जिसमें पूजा कक्ष, सत्संग हॉल, ज्योतिकक्ष, भंडार कक्ष बनाया गया है। बहुत कुछ कार्य अभी निर्माणाधीन है उक्त कार्य जन सहयोग से संभव हो पाया है। नवनिर्मित मंदिर में ग्रामीणों का विशेष सहयोग रहा।

सकरी की बेटी निशा ठाकुर का डीएसपी पद पर चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

कड़ी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प का परिणाम हमेशा मीठा होता है। इस बात को सच कर दिखाया है ग्राम सकरी (कोरासी) की होनहार बेटी निशा ठाकुर ने, जिन्होंने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में 119वां रैंक हासिल कर उप पुलिस अधीक्षक का पद प्राप्त किया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे आरंग क्षेत्र में खुशी और गर्व की लहर दौड़ गई है। पिता माखन ठाकुर प्रधान पाठक की निशा ठाकुर शुरू से ही पढ़ाई में मेधावी रही है। निशा ने गणित विषय लेकर अपनी स्नातक की शिक्षा पूरी की।

गणित जैसे तार्किक और कठिन विषय में उनकी दक्षता उनकी बौद्धिक क्षमता को दर्शाती है। स्नातक की पढ़ाई के बाद, उन्होंने सीजीपीएससी की तैयारी में खुद को झोंक दिया और अपनी मेहनत से यह मुकाम हासिल किया। निशा की इस अभूतपूर्व सफलता पर क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों और शैक्षिक जगत से जुड़े लोगों ने उन्हें हार्दिक बधाई दी है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अभिलाषा पैंकरा, विकासखंड शिक्षा अधिकारी दिनेश शर्मा, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक मातली नंदन वर्मा, एबीईओ लाखेश्वर रात्रे, सरपंच पीतांबर साहू, नारायण साहू(उपसरपंच), प्राचार्य पी एल साहू एवं शैक्षिक संगठन से हरीश दीवान, सुरेंद्र चंद्रसेन, जितेंद्र शुक्ला, मनोज मुछावर, कुलेश्वर साहू, प्रहलाद शर्मा, प्रफुल्ल मांझी, अरविंद वैष्णव, महेंद्र पटेल, कोमल वर्मा, अभिषेक तिवारी, जीत मिश्रा, धरम दास पाटिल, छोटूराम साहू आदि ने उज्जवल भविष्य की कामना कर बधाई दी है।

ओजस्वी का सीजीपीएससी में चयन, पटेल समाज में हर्ष

आरंग। ग्राम हरिनभट्ठा निवासी ओजस्वी पटेल पिता धनसाय पटेल का सीजीपीएससी में चयन हुआ है। जिससे ग्राम व मरार पटेल समाज में हर्ष की लहर है। शनिवार को समाज के आरंग तहसील व नांदगांव राज के पदाधिकारियों ने उनके निवास ग्राम हरिनभट्ठा पहुंचकर बधाई शुभकामनाएं दिए। वहीं ओजस्वी पटेल ने समाज के पदाधिकारियों के साथ अपना अनुभव साझा करते हुए भावुक हो गए। उन्होंने ने बताया यह उनका दूसरा प्रयास था। जिसमें सहकारिता निरीक्षक/सहकारिता विस्तार अधिकारी के पद पर उनका चयन हुआ है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय अपने परिवार, सामाजिक जनों, गुरुजनों व इष्ट मित्रों को दिये है। उनका कहना है पूरी लगन के साथ धैर्य रखकर अपने लक्ष्य के लिए प्रयास करने से एक न एक दिन सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने अनुभव साझा करते हुए कहा आज के युवा अपना अधिकतर समय सोसल मीडिया में व्यतीत कर रहे हैं। हमें अपने बुद्धि, शक्ति और श्रम को सही दिशा में लगाना चाहिए। वहीं शुभकामना देने वालों में नांदगांव राज के संयोजक गोविन्द , राज अध्यक्ष तुकाराम पटेल, सचिव सुन्दर लाल , उपाध्यक्ष रामसुमन , कर्मचारी प्रकोष्ठ अध्यक्ष दीनबंधु महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष, सचिव सविता , ममता पटेल उप कोषाध्यक्ष मंगल पटेल, राजपंच शिवकुमार पटेल सहित ग्राम व परिवार के लोग प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

स्वामी डॉ प्रकाशानंद का ग्रामीणों ने किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

रविवार को पीपला वेलफेयर फाउंडेशन व ग्राम निसदा के ग्रामीणों के अनुरोध पर महामंडलेश्वर स्वामी डॉ. प्रकाशानंद और महंत स्वामी कृष्णानंद आरंग, निसदा और छटेरा पहुंचे। जहां ग्रामीणों ने उनका आत्मीय स्वागत अभिनंदन किया। निसदा में महानदी के तट पर स्थित प्राचीन शिव मंदिर का दर्शन कर आशीर्वाद लिया। तथा ग्रामीणों के अनुरोध पर मंदिर निर्माण संबंधी मार्गदर्शन दिया।

तत्पश्चात बावा कुटी छटेरा आश्रम तथा छटेरा तालाब में स्थित शिव मंदिर का दर्शन कर ग्रामीणों द्वारा करोड़ों की लागत से भव्य शिवमंदिर निर्माण की मुक्त कंठ से सराहना किए तथा क्षेत्र में पुनः आने की इच्छा जताए।

इस अवसर पर जनपद उपाध्यक्ष रविन्द्र रिंकु चंद्राकर, आरंग से समाजसेवी महेन्द्र कुमार पटेल, अजय कुमार देवांगन, निसदा में मंदिर समिति अध्यक्ष युवराज साहू, सरपंच मानसिंग निषाद, उपसरपंच खुम्मन सिन्हा, समिति सदस्य डा भुवन साहू,ओमप्रकाश साहू, पुरानिक साहू, मंदिर के पुजारी गोविंद साहू आदि उपस्थित रहे।

साहित्यकार हरमन को मिला मैजिक बुक ऑफ रिकॉर्ड 2025 में स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

साहित्य साधना में निरंतर उत्कृष्टता प्राप्त कर रहे आरंग नगर के साहित्यकार हरमन कुमार बघेल ने अपनी लेखनी की अनूठी पहचान बनाते हुए मैजिक बुक ऑफ रिकॉर्ड 2025 में स्थान हासिल किया है। शिक्षकीय दायित्वों का निर्वहन करते हुए बघेल ने नवाचारी पद्धति, पठन–पाठन और छंद–मापनी आधारित रचनाओं के माध्यम से यह असाधारण उपलब्धि अर्जित की। बघेल की यह उपलब्धि बिलासा छंद महालय में एक वर्ष की सतत साहित्य साधना का प्रमाण है, जिसमें अर्ध सममात्रिक छंद के तहत देशभर के 129 छंद साधकों ने अपनी-अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं। इन्हीं में से बघेल की लेखनी को विशेष स्थान मिला और उनका नाम रिकॉर्ड में दर्ज किया गया। उनकी इस उपलब्धि पर क्षेत्र के साहित्यकारों, शिक्षाविदों और सहकर्मी शिक्षकों ने बघेल को हार्दिक बधाइयाँ प्रेषित की हैं।

विद्यालय की प्राचार्य सरोजनी केरकेट्टा तथा व्याख्यातागण एवं शिक्षकगण स्मिता अग्रवाल, दिलीप कुमार राहंगडाले, लखनलाल चंद्राकर, प्रतुल राज नंद, महेश कुमार अग्रवाल, राधेश्याम ध्रुव, कामता प्रसाद वर्मा, प्यारे लाल बेलगहे, दीक्षा सिंह, मधु मालवीय, लोकेश्वरी कश्यप, पद्मनी कुर्रे, सीमा देवांगन, जगदीश कुर्रे ने बघेल के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी लेखनी निरंतर प्रगति करती रहे। क्षेत्र के साहित्यप्रेमियों, ईष्ट मित्रों और छंद साधकों ने भी इस उपलब्धि पर उन्हें शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। बघेल ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान साहित्य के प्रति समर्पण और समाज से मिले प्रेरणा का परिणाम है। बिलासा छंद महालय के संयोजक गुरुवर डॉ रामनाथ साहू ननकी, पटल अध्यक्ष डॉ माधुरी डड़सेना मुदिता, पटल सचिव डॉ ओमकार साहू मृदुल, पटल गुरु दीदी रेणु रत्न मिश्रा एवं पटेल प्रेरकों के आशीष प्राप्त पर बघेल ने धन्यवाद ज्ञापित किये।

नैतिक मूल्यों की रक्षा के लिए ज़रूरी है, भजन-कीर्तन और सत्संग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ प्रदेश घासी घसिया समाज द्वारा राजधानी रायपुर के बीएसयूपी कॉलोनी, भाठागांव में संकीर्तन भजन स्मृति शेष नमन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ और ओड़िशा प्रदेश की विभिन्न मंडलियों द्वारा प्रस्तुत भजन-कीर्तन ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर समाज के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। इस दौरान लोग

भजन-कीर्तन की मधुर तान पर झूमते नजर आए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ के मुख्य प्रवक्ता अधिवक्ता भगवानू नायक ने कहा मैं आप सभी के बीच उपस्थित होकर अत्यंत गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। यह कार्यक्रम समाज की सांस्कृतिक धरोहर, आध्यात्मिक विरासत और पारंपरिक मूल्यों के संरक्षण का एक सजीव प्रयास है। समाज की युवा पीढ़ी को इस विरासत से जोड़ना सराहनीय कदम है। एक ओर समाज की युवा पीढ़ी नशे की खाई में गिर रही है उन्हें रोकने और नैतिक मूल्यों की रक्षा के लिए भजन-कीर्तन और सत्संग ज़रूरी। समाज के प्रदेश अध्यक्ष लखन सागर ने कहा, भजन-कीर्तन का यह सांस्कृतिक धागा पीढ़ियों से हमें आपस में जोड़े हुए है। यह हमारे सामूहिक चेतना का प्रतीक है और आज भागदौड़ भरे युग में यही अनुशासन हमें ज़मीन से जोड़े रखता है। कार्यक्रम को घासी-घसिया समाज के रायपुर ज़िला अध्यक्ष नेता गोपी सेंद्रे, ज़िला संरक्षक हितेश कुमार ने भी संबोधित किया।

पालिकाध्यक्ष ने ठेला व्यापारियों की समस्या का किया समाधान

आरंग। नगर पालिका परिषद आरंग के अध्यक्ष डॉ संदीप जैन ने वार्ड क्र 17 कालेज चौक जाकर कालेज के पास ठेले लगाने वाले व्यापारियों की समस्याओं का समाधान किया। वार्ड क्रमांक 17 में कॉलेज के बाउंड्री वॉल के सामने जो ठेले में दुकान लगते हैं उसे नगर पालिका के द्वारा हटाया गया था। उसके बाद सभी लोग जाकर नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. संदीप जैन से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से

अवगत कराते हुये हस्ताक्षेप का आग्रह किया था। आज नगर पालिका अध्यक्ष डॉ संदीप जैन ने स्थल में जाकर के लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना और देखा उनके समस्याओ को देखते हुए बिना मार्ग अवरुद्ध किये अस्थाई दुकान लगा कर उन्हें व्यवसाय करने को कहा। साथ ही साथ वार्ड क्रमांक 01 में भी जाकर कई सालों से नाली के पानी की निकासी की समस्या के निराकरण हेतु पालिका के कर्मचारियो को बुलाकर तत्काल समाधान के निर्देश दिए। इस अवसर पर इंजीनियर केशनाथ साहू, सतीश साहू, राजेश साहनी सहित पालिका के स्टाफ उपस्थित थे।

वाहन चालकों पर कसा पुलिस का शिकंजा, पिछले साल चालान से वसूले 20 करोड़, इस साल साढ़े 30 करोड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में वाहन चालकों के खिलाफ पुलिस का शिकंजा कसता ही जा रहा है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पिछले साल जनवरी से सितंबर के बीच वाहन चालकों से 19 करोड़ 96 लाख रुपए वसूले गए, लेकिन इस साल इसी अवधि में चालानी रकम बढ़कर 30 करोड़ 55 लाख रुपए हो गई है।

- पुलिस गाड़ी चालकों पर बढ़ा रही दंडात्मक कार्रवाई

राज्य पुलिस मुख्यालय ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाईयों का जो आंकड़ा जारी किया है, उससे यह तथ्य सामने आया है। मोटे तौर पर देखने से साफ होता है कि पुलिस वाहन चालकों, खासकर दुपहिया और मध्यम आकार के गैर व्यावसायिक वाहन चलाने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाईयां तेज कर रही है। एक तरफ पुलिस सड़क पर लोगों की सुरक्षा के नाम पर ये कार्रवाईयां कर रहीं है, दूसरी ओर राज्य में हर साल रोड एक्सीडेंट की संख्या और उनमें जान गंवाने वालों की संख्या भी बढ़ रही है।

कुछ जिलों में कमी भी

राज्य के कुछ जिलों में चालानी कार्रवाई पिछले साल के मुकाबले कम हुई है। जिन जिलों में यह कमी आई है, उनमें सारंगढ़-बिलाईगढ़, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, कांकेर, जांजगीर-चांपा, कबीरधाम शामिल हैं। कुल मिलाकर पुलिस ने पिछले साल सभी तरह के वाहनों के चालान के 4 लाख 51 हजार 49 प्रकरण बनाए थे, जबकि इस साल 6 लाख 86 हजार 983 प्रकरण बने हैं। चालानी कार्रवाई में यह वृद्धि 52.31 प्रतिशत है।

धमतरी, रायगढ़, जशपुर नारायणपुर में कसा शिकंजा

छत्तीसगढ़ में वर्ष 2024 की तुलना में 2025 में जनवरी से लेकर सितंबर तक के आंकड़ों से ये साफ होता है कि पुलिस और उससे जुड़े यातायात पुलिस के अमले सड़कों पर यातायात को आसान बनाने लोगों को सुविधा देने की जगह केवल और केवल चालानी कार्रवाईयों पर जो दे रहे हैं। राज्य के 33 जिलों में 2024 की तुलना में कितनी अधिक कार्रवाईयां तेज हुई हैं, उसका प्रमाण पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आंकड़ों से होता है। 2024 के मुकाबले 2025 में किस जिले में कितने प्रतिशत की वृद्धि हुई है। धमतरी में 175.60 प्रतिशत, रायगढ़ में 138.85 प्रतिशत, जशपुर जिले में 131.85 प्रतिशत, नारायणपुर में 117.36 प्रतिशत और दुर्ग जिले में 100 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

खोरपा स्कूल में स्टूडोटॉक 150 विद्यार्थी हुए शामिल

रायपुर। स्टूडोमैट्रिक्स छत्तीसगढ़ की ओर से अभनपुर स्थित खोरपा स्कूल में स्टूडोटॉक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से राधे साहू, भावेश नवरंगे, अंजलि तथा विद्यालय के लगभग 150 विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस विशेष सत्र में विद्यार्थियों को करियर की समझ, विश्व कैसे कार्य करता है तथा अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं जैसे जी-20, वाह-20, यूएन, सीएसए और सीओपी के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को वैश्विक मंचों की समझ दिलाना और उनके भीतर आत्मविश्वास तथा नेतृत्व क्षमता विकसित करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीआईटी के प्रोफेसर डॉ. दिलेश्वर साहू ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि “आज के विद्यार्थियों को कभी भी कम में संतुष्ट नहीं होना चाहिए। यहां बैठे प्रत्येक विद्यार्थी में वह क्षमता है कि वह डॉक्टर, इंजीनियर या प्रशासनिक सेवा में जाकर देश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

पेज 11 के शेष...

साइंस कॉलेज की ....

लोगों के लिए बनाए गए शौचालय की सफाई नहीं कराई गई है। सुनसान जगह पर शाम के समय परिवार के साथ चौपाटी पहुंचने वालों के लिए सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए गए हैं। निगम प्रशासन का दावा है कि एक दिन पहले लाइट और सफाई की व्यवस्था कराई है। चौपाटी हटाने से जहां 60 दुकानदारों और इस कार्य से जुड़े सैकड़ों परिवारों के सामने रोजी-रोजी की चिंता है, वहीं दुकानों के ताले रविवार को भी नहीं खुल पाए। इधर स्कूल विद्यार्थियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और बूढ़ापारा के रहवासियों के व्यापक विरोध के बाद भी बूढ़ातालाब के दानी स्कूल से लगी चौपाटी को नगर निगम नहीं हटा पाया है। पाथवे घेरकर बनाए गए भारी भरकम स्ट्रक्चर में 80 से ज्यादा दुकानें बनाई गई हैं। जहां 3 दुकानें शुरू होने पर हल्ला मचा। महापौर मीनल चौबे के हस्तक्षेप के बाद जोन 4 अमले ने दुकानों को सीलबंद किया, पर चौपाटी का स्ट्रक्चर अभी भी यहीं पड़ा है।

रायपुर स्मार्ट सिटी द्वारा 5 करोड़ खर्च बनाई गई चौपाटी पर बुलडोजर चलने के बाद वहां पर लाइब्रेरी बनाने बिल्डिंग मटरेयिल डाले जा रहे हैं। नगरीय प्रशासन विभाग ने साइंस कॉलेज के चौपाटी स्थल पर 20 करोड़ की लागत से लाइब्रेरी निर्माण करने टेंडर कर एजेंसी तय कर ली है। आमानाका ब्रिज के नीचे शिफ्ट दुकानों पर ताला जड़ा हुआ है। भुक्तभोगी दुकानदार चौपाटी वाली नई जगह को लेकर आशंकित हैं।

अनुबंध की शर्तो ....

पर ब्रिज के नीचे चौपाटी स्थल पर लाइट की व्यवस्था शनिवार को कर दी। सफाई भी करा रहे हैं। पीने के पानी की व्यवस्था में वेज और नानवेज के लिए अलग-अलग पाइप लाइन देनी है, इसलिए इस कार्य में दो दिन का समय लगेगा।

एक पेपर, 100 अंक....

लिए, उम्मीदवारों को आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा और पेपर-वार अंक वितरण अधिसूचना पीडीएफ लिंक पर क्लिक करना होगा। सीबीएसई 10वीं और 12वीं पेपर-वार अंक वितरण अधिसूचना पीडीएफ डाउनलोड के लिए उपलब्ध होगी।

दो दिन बाद ....

कंपकपी छुड़ाने के बाद हवा ने अपनी दिशा बदल ली थी। पूर्व से आने वाली नम हवा के प्रभाव से ठंड का प्रभाव कम होना शुरू हुआ और वर्तमान स्थिति में यह अपनी सामान्य स्थिति में आ चुका है। अभी ठंड का प्रभाव बाहरी इलाकों में जरूर है, मगर आबादी वाले क्षेत्र में सुबह के वक्त केवल गुलाबी ठंड महसूस हो रही है। रायपुर समेत अन्य शहरों में दिन का अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक हो चुका है और गर्मी महसूस हो रही है। अंबिकापुर सहित राज्य के सीमावर्ती इलाकों में ही ठंड का प्रभाव अधिक है

। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, हवा की दिशा में दो दिन बाद बदलाव होने की संभावना है। इसके बाद न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री गिरावट होने के आसार हैं। इससे ठंड की वापसी तो होगी, मगर कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना काफी कम है। राज्य में ठंड का मौसम सामान्यतः दिसंबर और जनवरी में होने की संभावना है।

पहली बार स्वेटर उतारकर जांच, हैंडपंप टेक्नीशियन बनने पहुंचे 61% अभ्यर्थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा रविवार को हैंडपंप टेक्नीशियन भर्ती परीक्षा आयोजित की गई। इसके लिए 6 हजार 850 अभ्यर्थियों ने पंजीयन कराया था। इनमें से 61 प्रतिशत अभ्यर्थी परीक्षा दिलाने पहुंचे रहे।

नए नियम लागू किए जाने के बाद व्यापम की परीक्षाओं में आधी बांह और हल्के रंग के कपड़े अनिवार्य कर दिए गए हैं। लेकिन ठंड को देखते हुए व्यापम ने अभ्यर्थियों को गर्म कपड़े पहनने की छूट दी है। इसमें आधी बांह और रंग का बंधन नहीं है। लेकिन गर्म कपड़े पहनकर आने वाले अभ्यर्थियों के लिए स्वेटर उतारकर जांच करवाना अनिवार्य है। राजधानी में ठंड में बीते दो-तीनों के दौरान थोड़ी कमी आई है। ऐसे में गर्म कपड़े पहनकर आने वाले अभ्यर्थियों की संख्या अपेक्षाकृत कम रही। जो अभ्यर्थी गर्म कपड़े पहनकर पहुंचे, उन्हें इसे उतारकर तलाशी देनी पड़ी। ऐसा पहली बार हुआ, जब व्यापम की किसी परीक्षा में प्रवेश के दौरान अभ्यर्थियों की इस तरह से जांच की गई।

व्यापम ने रविवार को आयोजित की हैंडपंप टेक्नीशियन भर्ती परीक्षा

कई केंद्रों में गिनती के परीक्षार्थी

क्षेत्र संबंधित विशिष्ट आवश्यकता अनिवार्य होने के कारण हैंडपंप तकनीशियन के लिए व्यापम को अन्य भर्ती परीक्षाओं की तुलना में कम आवेदन मिले थे। प्राप्त आवेदनों के आधार पर व्यापम ने केंद्र भी सीमित बनाए थे। 39 प्रतिशत अनुपस्थिति का आंकड़ा पूरे प्रदेश का रहा। कई केंद्र में उपस्थिति 50 प्रतिशत से कम रही। ऐसे में यहां गिनती के ही अभ्यर्थी प्रश्नपत्र हल करते नजर आए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत रिक्त 50 पदों के लिए यह भर्ती परीक्षा हुई। न्यूनतम योग्यता हायर सेकंडरी के साथ आईटीआई से संबंधित ट्रेड में डिप्लोमा मांगी गई थी।

खबर संक्षेप

वकील की कार को सरिया से भरे ट्रक ने मारी टक्कर

रायपुर। राजधानी रायपुर में पेशे से वकील एक व्यक्ति की कार को ट्रक ट्रेलर ने पीछे से टक्कर मार दी। घटना में वकील और उनके साथ कार में बैठे वरिष्ठ वकील नागेश्वर यादव, उनकी पत्नी आशा यादव और उनके बच्चे सुरक्षित रहे, लेकिन वकील को सिर में चोट आई और कार को भारी नुकसान हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना के शिकार वकील ओशो भवन रोड गुढ़ियारी के रहने वाले हैं और रायपुर में वकालत करते हैं। उन्होंने बताया कि वे 23 नवंबर को अपनी मारुती सुजुकी आल्ट्रो सीजी 04 एल ई 5042 कार में वरिष्ठ वकील नागेश्वर यादव, उनकी पत्नी आशा यादव और उनके बच्चों को लेकर रायपुर से दुर्ग जा रहे थे। कार को स्वयं चला रहे थे। जैसे ही वे मारुति सुजुकी शोरूम के सामने पहुंचे, तब अचानक सामने से ट्रक ट्रेलर क्रमांक आरजे-09-जीई-4710 आया, जिसमें सरिया लोड था। ट्रक चालक ने वाहन को तेज और लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए वकील की कार के पीछे से टक्कर मार दी।

एसआईआर को लेकर कलेक्टर ने दिए नए आदेश

रायपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार जिले में फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण की प्रक्रिया को और अधिक सुव्यवस्थित व प्रभावी बनाने के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह ने नए आदेश जारी किए हैं। हाल ही में जिले में हुए प्रशासनिक तबादलों को ध्यान में रखते हुए निर्वाचन कार्य में लगे अधिकारियों की जिम्मेदारियों में आंशिक संशोधन किया गया है। इस संशोधन के तहत कई ब्लॉक और नगरीय निकायों के निर्वाचन रजिस्ट्रेशन अधिकारी और सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रेशन अधिकारी की पुनः नियुक्ति की गई है। जारी आदेशों के अनुसार जिन अधिकारियों का स्थानांतरण विभिन्न विभागों और क्षेत्रों में हुआ है, उनकी जगह नए अधिकारियों को निर्वाचन कार्य की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि मतदाता सूची पुनरीक्षण एक अत्यंत संवेदनशील और समयबद्ध प्रक्रिया है, जिसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गजेंद्र को मिली पीएचडी की उपाधि

रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय ने गजेंद्र सिंह राठौर को पीवी-बैटरी एनर्जी स्टोरेज बेस्ड सिस्टम के मॉडलिंग, सिमुलेशन और इम्प्लीमेंटेशन में अपने शोधकार्य के लिए पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। उन्होंने अपना शोध हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के कुलपति प्रो. संजय तिवारी के निर्देशन तथा एनआईटी रायपुर के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. आरएन पटेल के सह-निर्देशन में पूर्ण किया।

निधन

आली श्रीवास्तव

रायपुर। हिमालयन हाइट्स फेस-2 देवपुरी निवासी आली श्रीवास्तव का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 23 नवंबर को न्यू राजेंद्र नगर मुक्तिधाम में किया गया। वे नई दुनिया रायपुर के संपादक सतीशचंद्र श्रीवास्तव और प्रियदर्शिनी श्रीवास्तव की पुत्री और अजीरा की बड़ी बहन थीं।

इंदिरा देवी पोपटानी

रायपुर। हैप्पी होम्स महावीर नगर निवासी इंदिरा देवी पोपटानी का 23 नवंबर को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 24 नवंबर को सुबह 11 बजे निवास स्थान से देवेंद्र नगर मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे अमित और मनीष पोपटानी की माता थीं।

शहर की सफाई व्यवस्था की मॉनिटरिंग को लेकर उठ रहे सवाल

वार्डों में सफाईकर्मियों की गिनती की चिंता, निगम मुख्यालय में 230 का गैंग, फिर भी नहीं होती पड़ताल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

नगर निगम प्रशासन ने स्वास्थ्य महकमे को शहर के 70 वार्डों की सफाई व्यवस्था में कसावट लाने दस जोन कमिश्नरों से लेकर जेडएचओ तक को मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी सौंप रखी है, पर वहीं निगम मुख्यालय में अलग-अलग तीन सेल में 200 से अधिक सफाई कर्मचारियों की मॉनिटरिंग का सिस्टम ही नहीं बन पाया है। जबकि प्लेसमेंट पर रखे गए इन सफाई कर्मचारियों को प्रतिमाह 30 लाख से अधिक की राशि बतौर वेतन ठेकेदारों के माध्यम से दी जाती है। इनमें महापौर स्वच्छता सेल के 80, सेंट्रल गैंग में 50 और वीआईपी गैंग में 100 सफाई कर्मचारी शामिल हैं।

महापौर स्वच्छता सेल में 80, सेंट्रल गैंग में 50, वीआईपी गैंग में 100 सफाई कर्मचारी

इन कर्मचारियों की नहीं होती पड़ताल

हैरानी की बात ये है कि खुद निगम मुख्यालय की तीन सेल में 230 कर्मचारी सफाई कार्य के लिए अलग से ठेके पर रखे गए हैं, इनमें महापौर स्वच्छता सेल में 80, सेंट्रल गैंग के 50 कर्मी जोन में आवश्यकतानुसार नाले, नालियों सफाई कार्य के लिए रखे गए हैं। इसके अलावा वीआईपी गैंग के लिए अलग से ठेका हुआ है, जिसमें 100 कर्मचारी शामिल हैं। इन तीन सेल के 230 सफाई कर्मचारी निर्धारित संख्या में प्रतिदिन सफाई कार्य के लिए आते हैं या नहीं, इसकी पड़ताल तक नहीं हो रही है। जबकि हर महीने इन कर्मचारियों के नाम पर ठेकेदारों को वेतन का भुगतान किया जा रहा है।

शहर की सफाई और कचरा उठाने पर हर साल नगर निगम 60 करोड़ रुपए खर्च कर रहा है। इसके बाद भी नाले-नालियों में कचरा जाम है और घरों तथा दुकानों से नियमित रूप से कचरा नहीं उठाया जा रहा है। निदान 1100 में सबसे ज्यादा शिकायतें कूड़ा प्रबंधन को लेकर आ रही हैं।

कम संख्या में सफाई कर्मचारी मिलना आम बात

वार्डवार सफाई व्यवस्था की धरातल पर जांच करने निगम आयुक्त के निर्देश पर स्वास्थ्य महकमा वार्डों में जाकर सफाई कर्मचारियों की निर्धारित संख्या हिसाब से ड्यूटी पर उपस्थित सफाई कर्मचारियों की गिनती कराता है, जिसमें अक्सर निर्धारित संख्या से कम संख्या में सफाई कर्मचारी मिलना आम बात है। इसके लिए संबंधित ठेकेदार पर जुर्माना लगाकर चेतावनी दी जाती है, पर यह व्यवस्था नगर निगम के 10 जोन के 70 वार्डों के संबंध में लागू है।

खोरपा स्कूल में स्टूडोटॉक 150 विद्यार्थी हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

स्टूडोमैट्रिक्स छत्तीसगढ़ की ओर से अभनपुर स्थित खोरपा स्कूल में स्टूडोटॉक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से राधे साहू, भावेश नवरंगे, अंजलि तथा विद्यालय के लगभग 150 विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस विशेष सत्र में विद्यार्थियों को करियर की समझ, विश्व कैसे कार्य करता है तथा अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं जैसे जी-20, वाह-20, यूएन, सीएसए और सीओपी के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को वैश्विक मंचों की समझ दिलाना और उनके भीतर आत्मविश्वास तथा नेतृत्व क्षमता विकसित करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीआईटी के प्रोफेसर डॉ. दिलेश्वर साहू ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि "आज के विद्यार्थियों को कभी भी कम में संतुष्ट नहीं होना चाहिए। यहां बैठे प्रत्येक विद्यार्थी में वह क्षमता है कि वह डॉक्टर, इंजीनियर या प्रशासनिक सेवा में जाकर देश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।" स्टूडोमैट्रिक्स के प्रदेश संयोजक अन्वित दीक्षित ने कहा कि "स्टूडोमैट्रिक्स के माध्यम से खोरपा स्कूल का विद्यार्थी भी दुनिया के सबसे बड़े अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर जाकर भारत का प्रतिनिधित्व करेगा और अपने गांव का नाम रोशन करेगा।"विद्यार्थियों ने सत्र को अत्यंत रोचक और उपयोगी बताया तथा भविष्य में ऐसे और कार्यक्रमों की अपेक्षा व्यक्त की।

नैतिक मूल्यों की रक्षा के लिए ज़रूरी है, भजन-कीर्तन और सत्संग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- घासी-घसिया समाज ने किया भाठागांव में संकीर्तन भजन स्मृति शेष कार्यक्रम

छत्तीसगढ़ प्रदेश घासी घसिया समाज द्वारा राजधानी रायपुर के बीएसयूपी कॉलोनी, भाठागांव में संकीर्तन भजन स्मृति शेष नमन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ और ओड़िशा प्रदेश की विभिन्न मंडलियों द्वारा प्रस्तुत भजन-कीर्तन ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर समाज के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

इस दौरान लोग भजन-कीर्तन की मधुर तान पर झूमते नजर आए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ के मुख्य प्रवक्ता अधिवक्ता भगवानू नायक ने कहा मैं आप सभी के बीच उपस्थित होकर अत्यंत गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। यह कार्यक्रम समाज की सांस्कृतिक धरोहर, आध्यात्मिक विरासत और पारंपरिक मूल्यों के संरक्षण का एक सजीव प्रयास है। समाज की युवा पीढ़ी को इस विरासत से जोड़ना सराहनीय कदम है। एक ओर समाज की युवा पीढ़ी नशे की खाई में गिर रही है उन्हें रोकने और नैतिक मूल्यों की रक्षा के लिए भजन-कीर्तन और सत्संग ज़रूरी। समाज के प्रदेश अध्यक्ष लखन सागर ने कहा, भजन-कीर्तन का यह सांस्कृतिक धागा पीढ़ियों से हमें आपस में जोड़े हुए है। यह हमारे सामूहिक चेतना का प्रतीक है और आज भागदौड़ भरे युग में यही अनुशासन हमें ज़मीन से जोड़े रखता है। कार्यक्रम को घासी-घसिया समाज के रायपुर ज़िला अध्यक्ष नेता गोपी सेंद्रे, ज़िला संरक्षक हितेश कुमार ने भी संबोधित किया।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में लखन सागर, शत्रुघन, दिलीप भारती, कैलाश हरपाल, पृथ्वीराज महानंद, कर्यन सोनी, नारायण बंछोर, सूर्या दास, गणेश दीप, टिकेंद्र सोनी, जितेंद्र सेंद्रे, रतन सोनी, भाऊराम बघेल, सूबेर सेंद्रे, ज्योतिष भारती, भूपेन्द्र सेंद्रे, रुद्राक्ष भारती, गौरव सेंद्रे, अनंता सोनी, विक्रम भारती, तरवीण सेंद्रे, नरोत्तम बंछोर, विवेकानंद भारती, धनेश्वर कुमार, लालसन बंछोर सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

सड़क छाप तंत्र, एक साल में एक्सीडेंट बढ़े और मरने वालों की संख्या भी बढ़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- बीते साल के मुकाबले ज्यादा हुई दर्ज संख्या, 11 हजार 545 तक पंहुची

सारे प्रयासों के बाद भी एक्सीडेंट और मौतों की संख्या बढ़ना अपने आप में विफलता की कहानी बयां कर रही है। राज्य पुलिस मुख्यालय द्वारा वर्ष 2024 जनवरी से सितंबर और वर्ष 2025 में इसी अवधि के दौरान हुई सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों के विश्लेषण से ये बात सामने आई है कि एक्सीडेंट की संख्या पिछले साल के मुकाबले बढ़ी, साथ मौतों की संख्या पिछले साल से अधिक है। अगर प्रदेश के सभी 33 जिलों की बात की जाए तो राज्य में इस साल सितंबर तक रोड़ एक्सीडेंट में 2.06 प्रतिशत अधिक लोगों की जानें गई हैं। यानि 2024 में जहां 5 हजार 97 लोग मारे गए थे, वहीं 2025 में मरने वालों की संख्या 5 हजार 202 हो गई है। पिछले साल कुल मिलाकर 11 हजार 5 मामले दर्ज हुए, इस साल यह संख्या 11 हजार 545 तक पंहुची है।

राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के बड़े से लेकर छोटे शहरों में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या बढ़ रही है। जिन जिलों में एक्सीडेंट कम हुए हैं वहां भी मृतकों की संख्या बढ़ गई है। बीते साल के मुकाबले इस साल सितंबर तक की स्थिति में देखें तो एक्सीडेंट की संख्या बढ़ने के साथ जान गंवाने वालों की संख्या बढ़ी है।

छत्तीसगढ़ में इस साल एक्सीडेंट में मर गए 5 हजार 202 लोग

रायपुर हादसों की राजधानी

छत्तीसगढ़ में वाहनों की सबसे अधिक आवाजाही राजधानी रायपुर के पुराने शहर से लेकर नवा रायपुर तक होती है। स्थानीय लोगों के अलावा पड़ोसी राज्यों के लोग बड़ी संख्या में यहां वाहनों से आते हैं, निजी उपयोग के वाहनों के अलावा भी बड़ी संख्या में व्यावसायिक वाहन यहां आते-जाते रहते है। यही कारण हो सकता है कि रायपुर जिलों में सबसे अधिक डेढ़ हजार एक्सीडेंट हुए हैं, मरने वालों की संख्या 472 पंहुची है। पिछले साल इसी समय कर यह संख्या 426 थी। यानी मरने वाले करीब 11 प्रतिशत बढ़ गए।

इन जिलों का ये हाल

- रायपुर से लगे बलौदाबाजार जिले में पिछले साल 449 एक्सीडेंट में 205 लोगों की जानें गईं थी, वहीं इस साल एक्सीडेंट की संख्या 508 हो गई और जान गंवाने वाले 224
- महासमुंद में पिछले साल 343 एक्सीडेंट में 201 मरे और इस साल 392 एक्सीडेंट में 252 की जान गई है
- दुर्ग में पिछले साल 944 एक्सीडेंट में 264 लोगों की मृत्यु हुई। इस साल 997 हादसों ने 271 की जान ली।
- बिलासपुर में पिछले साल 1020 एक्सीडेंट में 268 लोग मरे, इस साल 1136 एक्सीडेंट में 230 की जान गई, यहां मरने वालों की संख्या में कमी आई है।
- कोरबा में पिछले साल 627 हादसों में 312 मरे, इस साल 675 हादसों में 297 की मृत्यु हो गई।

वाहन चालकों पर कसा पुलिस का शिकंजा, पिछले साल चालान से वसूले 20 करोड़, इस साल साढ़े 30 करोड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- पुलिस गाड़ी चालकों पर बढ़ा रही दंडात्मक कार्रवाई

छत्तीसगढ़ में वाहन चालकों के खिलाफ पुलिस का शिकंजा कसता ही जा रहा है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पिछले साल जनवरी से सितंबर के बीच वाहन चालकों से 19 करोड़ 96 लाख रुपए वसूले गए, लेकिन इस साल इसी अवधि में चालानी रकम बढ़कर 30 करोड़ 55 लाख रुपए हो गई है।

राज्य पुलिस मुख्यालय ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाईयों का जो आंकड़ा जारी किया है, उससे यह तथ्य सामने आया है। मोटे तौर पर देखने से साफ होता है कि पुलिस वाहन चालकों, खासकर दुपहिया और मध्यम आकार के गैर व्यावसायिक वाहन चलाने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाईयां तेज कर रही है। एक तरफ पुलिस सड़क पर लोगों की सुरक्षा के नाम पर ये कार्रवाईयां कर रहीं है, दूसरी ओर राज्य में हर साल रोड एक्सीडेंट की संख्या और उनमें जान गंवाने वालों की संख्या भी बढ़ रही है।

कुछ जिलों में कमी भी

राज्य के कुछ जिलों में चालानी कार्रवाई पिछले साल के मुकाबले कम हुई है। जिन जिलों में यह कमी आई है, उनमें सारंगढ़-बिलाईगढ़, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, कांकेर, जांजगीर-चांपा, कबीरधाम शामिल हैं। कुल मिलाकर पुलिस ने पिछले साल सभी तरह के वाहनों के चालान के 4 लाख 51 हजार 49 प्रकरण बनाए थे, जबकि इस साल 6 लाख 86 हजार 983 प्रकरण बने हैं। चालानी कार्रवाई में यह वृद्धि 52.31 प्रतिशत है।

धमतरी, रायगढ़, जशपुर नारायणपुर में कसा शिकंजा

छत्तीसगढ़ में वर्ष 2024 की तुलना में 2025 में जनवरी से लेकर सितंबर तक के आंकड़ों से ये साफ होता है कि पुलिस और उससे जुड़े यातायात पुलिस के अमले सड़कों पर यातायात को आसान बनाने लोगों को सुविधा देने की जगह केवल और केवल चालानी कार्रवाईयों पर जो दे रहे हैं। राज्य के 33 जिलों में 2024 की तुलना में कितनी अधिक कार्रवाईयां तेज हुई हैं, उसका प्रमाण पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आंकड़ों से होता है। 2024 के मुकाबले 2025 में किस जिले में कितने प्रतिशत की वृद्धि हुई है। धमतरी में 175.60 प्रतिशत, रायगढ़ में 138.85 प्रतिशत, जशपुर जिले में 131.85 प्रतिशत, नारायणपुर में 117.36 प्रतिशत और दुर्ग जिले में 100 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

ग्रामीण युवाओं में सतत आजीविका की नींव स्थापित कर रहा आरसेटी

रायपुर। ग्रामीण युवाओं को निशुल्क कौशल प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वरोजगार और आजीविका से जोड़ने वाली देश की महत्त्वपूर्ण योजना आरसेटी यानी रूरल सेल्फ एम्प्लायमेंट ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट के प्रभावी संचालन और राज्यों के बीच समन्वय बढ़ाने के उद्देश्य से दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन नवा रायपुर स्थित एक रिसॉर्ट में किया गया, जहां भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय, छत्तीसगढ़ शासन और देशभर के सभी राज्यों के स्टेट डायरेक्टर, स्टेट कंट्रोलर, एसआरएलएम के नोडल अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षताः संयुक्त सचिव ग्रामीण कौशल, एमओआरडी पंकज यादव ने की। कार्यक्रम के पहले दिन उद्घाटन ग्रामीण विकास विभाग के सचिव भीम सिंह आईएएस ने किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने संबोधन में ग्रामीण युवाओं को सरकारी निशुल्क कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराने में आरसेटी के योगदान की सराहना की। उन्होंने प्रशिक्षण के माध्यम से हजारों युवाओं के जीवन में आए परिवर्तन की प्रशंसा की। ग्रामीण कौशल (एमओआरडी) के निदेशक राजप्रिय सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने आरसेटी योजना के संचालन में देशभर में उत्कृष्ट उदाहरण (बेस्ट प्रेक्टिस) स्थापित किया है।

पेज 11 के शेष ...

साइंस कॉलेज की ....

लोगों के लिए बनाए गए शौचालय की सफाई नहीं कराई गई है। सुनसान जगह पर शाम के समय परिवार के साथ चौपाटी पहुंचने वालों के लिए सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए गए हैं। निगम प्रशासन का दावा है कि एक दिन पहले लाइट और सफाई की व्यवस्था कराई है। चौपाटी हटाने से जहां 60 दुकानदारों और इस कार्य से जुड़े सैकड़ों परिवारों के सामने रोजी-रोजी की चिंता है, वहीं दुकानों के ताले रविवार को भी नहीं खुल पाए। इधर स्कूल विद्यार्थियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और बूढ़ापारा के रहवासियों के व्यापक विरोध के बाद भी बूढ़ातालाब के दानी स्कूल से लगी चौपाटी को नगर निगम नहीं हटा पाया है। पाथवे घेरकर बनाए गए भारी भरकम स्ट्रक्चर में 80 से ज्यादा दुकानें बनाई गई हैं। जहां 3 दुकानें शुरू होने पर हल्ला मचा। महापौर मीनल चौबे के हस्तक्षेप के बाद जोन 4 अमले ने दुकानों को सीलबंद किया, पर चौपाटी का स्ट्रक्चर अभी भी यहीं पड़ा है। रायपुर स्मार्ट सिटी द्वारा 5 करोड़ खर्च बनाई गई चौपाटी पर बुलडोजर चलने के बाद वहां पर लाइब्रेरी बनाने बिल्डिंग मटरेयिल डाले जा रहे हैं। नगरीय प्रशासन विभाग ने साइंस कॉलेज के चौपाटी स्थल पर 20 करोड़ की लागत से लाइब्रेरी निर्माण करने टेंडर कर एजेंसी तय कर ली है। आमानाका ब्रिज के नीचे शिफ्ट दुकानों पर ताला जड़ा हुआ है। भुक्तभोगी दुकानदार चौपाटी वाली नई जगह को लेकर आशंकित हैं।

अनुबंध की शर्तों ....

पर ब्रिज के नीचे चौपाटी स्थल पर लाइट की व्यवस्था शनिवार को कर दी। सफाई भी करा रहे हैं। पीने के पानी की व्यवस्था में वेज और नानवेज के लिए अलग-अलग पाइप लाइन देनी है, इसलिए इस कार्य में दो दिन का समय लगेगा।

एक पेपर, 100 अंक....

लिए, उम्मीदवारों को आधिकारिक वेबसाइट पर जाना होगा और पेपर-वार अंक वितरण अधिसूचना पीडीएफ लिंक पर क्लिक करना होगा। सीबीएसई 10वीं और 12वीं पेपर-वार अंक वितरण अधिसूचना पीडीएफ डाउनलोड के लिए उपलब्ध होगी।

दो दिन बाद ....

कंपकपी छुड़ाने के बाद हवा ने अपनी दिशा बदल ली थी। पूर्व से आने वाली नम हवा के प्रभाव से ठंड का प्रभाव कम होना शुरू हुआ और वर्तमान स्थिति में यह अपनी सामान्य स्थिति में आ चुका है। अभी ठंड का प्रभाव बाहरी इलाकों में जरूर है, मगर आबादी वाले क्षेत्र में सुबह के वक्त केवल गुलाबी ठंड महसूस हो रही है। रायपुर समेत अन्य शहरों में दिन का अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक हो चुका है और गर्मी महसूस हो रही है। अंबिकापुर सहित राज्य के सीमावर्ती इलाकों में ही ठंड का प्रभाव अधिक है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, हवा की दिशा में दो दिन बाद बदलाव होने की संभावना है। इसके बाद न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री गिरावट होने के आसार हैं। इससे ठंड की वापसी तो होगी, मगर कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना काफी कम है। राज्य में ठंड का मौसम सामान्यतः दिसंबर और जनवरी में होने की संभावना है।

खबर संक्षेप

सेंट मैरी चर्च का उद्घाटन समारोह आज

रायपुर। रायपुर के प्रमुख कैथोलिक समुदायों में से एक सेंट मैरी पैरिश, टाटीबंध, अपने इतिहास का एक महत्वपूर्ण पर्व मनाने जा रहा है। मदर मैरी को समर्पित नवीनीकृत चर्च एवं ग्रोटो का आशीर्वाद समारोह 24 नवंबर को सुबह 10:30 बजे से रायपुर के महाधर्माध्यक्ष मोस्ट रेव. विक्टर हेनरी द्वारा किया जाएगा। सेंट मैरी चर्च टाटीबंध की स्थापना 1967 में हुई थी और आज यहां लगभग 1200 कैथोलिक विश्वासी रहते हैं। श्रद्धेय फा. एडवर्ड डी. मोल्डर पल्ली पुरोहित के रूप में सेवा दी है। वर्तमान में श्रद्धेय फा. जोसेफ वैपामाड़म पल्ली पुरोहित के रूप में सेवा दे रहे हैं।

डेढ़ लाख का गांजा किया जब्त, तस्कर गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर पुलिस ने 15 किलो 200 ग्राम गांजा के साथ आरोपी गोलू साहू को गिरफ्तार किया है। आरोपी पंडरी थाना क्षेत्र के मोवा ब्रिज के पास का निवासी है। जब्त गांजा का बाजार मूल्य लगभग 1,50,000 रुपए आंका गया है। यह कार्रवाई "ऑपरेशन निश्चय" अभियान के तहत की गई, जिसे रायपुर पुलिस ने नशे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई और मादक पदार्थ तस्करी रोकने के उद्देश्य से चलाया है। अभियान का निर्देशन पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा और पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह द्वारा किया जा रहा है।

गांड़ा समाज की युवती के हत्यारों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग

रायपुर। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे के मुख्य प्रवक्ता व सामाजिक न्याय कार्यकर्ता अधिवक्ता भगवानू नायक ने गांड़ा समाज की युवती के हत्यारों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग गृहमंत्री विजय शर्मा से की है। साथ ही पीड़ित परिवार को तत्काल 25 लाख रुपए का मुआवजा देने की भी मांग की है। श्री नायक ने राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत काशीराम नगर निवासी गांड़ा समाज की एक नाबालिग की लाश पुलिस कॉलोनी के निकट अमलीडीह में मिलने की जानकारी पर अत्यंत दुख व्यक्त जताते हुए, घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि राजधानी रायपुर में खुलेआम अनुसूचित जाति वर्ग की एक बेटी की निर्मम हत्या करके पुलिस कॉलोनी के पास फेंक दिया जाना, इससे अधिक दुखद और शर्मनाक कोई घटना नहीं हो सकती।

रविवि का कारनामा... शीतकालीन अवकाश में परीक्षाएं, जो विषय सिलेबस में नहीं उसके भी होंगे पर्चे!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि को पिछले वर्ष अपने समय-सारिणी में रिकॉर्ड संशोधन करने पड़े थे। त्रुटियों में संशोधन करते-करते प्रबंधन को पांच बार टाइम-टेबल जारी करना पड़ा। रविवि अब अपने इस रिकॉर्ड को तोड़ने की तैयारी में है। शुरुआत हो गई है। रविवि द्वारा जारी की गई समय-सारिणी के अनुसार, शीतकालीन अवकाश के दौरान भी परीक्षाएं होंगी। यही नहीं, राष्ट्रीय शिक्षा नीति आने के बाद विभिन्न संकायों के विषय जिनके नाम बदल दिए गए हैं अथवा जिन्हें सिलेबस से ही हटा दिया गया है, उसकी भी परीक्षाएं होंगी।

रविवि की सेमेस्टर परीक्षाओं की समय-सारिणी बीते दिनों जारी की गई। उच्च शैक्षणिक संस्थानों में 23 से 25 दिसंबर तक शीतकालीन अवकाश घोषित है। रविवि ने इन तिथियों में भी परीक्षाओं की घोषणा कर दी है। महाविद्यालय प्रबंधन अब सिर पकड़कर बैठा है। मौखिक रूप से इन त्रुटियों के विषय में अवगत कराया जा चुका है, लेकिन कोई सुधार अब तक नहीं हो सका है।कुछ दिनों के अंतराल में ही रविवि की सेमेस्टर परीक्षाएं प्रारंभ हो रही हैं। ऐसे में महाविद्यालय प्रबंधन भी इन त्रुटियों को लेकर चिंतित है।

विवि की सेमेस्टर परीक्षाएं 28 नवंबर से, भरे जा चुके हैं परीक्षा फॉर्म

बदले गए थे विषय

रविवि द्वारा सर्वप्रथम अस्थायी समय-सारिणी जारी की जाती है। यह केवल महाविद्यालय प्रबंधन के लिए होती है। इन्हें कॉलेजों को भेजकर इसमें त्रुटियों की जानकारी मांगी जाती है। त्रुटियां दूर कर समय-सारिणी घोषित होती है। इसे वेबसाइट पर अपलोड करने के साथ ही महाविद्यालयों को भी भेजा जाता है ताकि वे इसे छात्रों को प्रेषित कर सकें। रविवि द्वारा जो पहली अस्थायी समय-सारिणी जारी की गई थी, उसमें उन विषयों को भी शामिल कर दिया गया था, जिन्हें राष्ट्रीय शिक्षा नीति आने के बाद पाठ्यक्रम से ही हटा दिया गया है। कई महाविद्यालयों ने इसे लेकर जब आपत्ति दर्ज कराई, तब इसमें सुधार किया जा सका। जबकि अन्य खामियां अब तक सुधारी नहीं जा सकी हैं।

सीए, नेट संग टकराव

एक दिक्कत छात्रों को सीए, नेट सहित अन्य प्रतियोगी संग तिथियों को लेकर टकराव की है। सीए बनने के लिए तीनों चरणों की परीक्षाएं सामान्यतः दिसंबर माह में ही होती है। इसके अलावा यूजीसी द्वारा भी नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट का आयोजन इस दौरान ही होता है। निजी महाविद्यालय संघ के सचिव डॉ.देवाशीष मुखर्जी ने बताया, कई महाविद्यालयों ने नवंबर माह से परीक्षाएं प्रारंभ करने को लेकर भी आपत्ति जताई है। शैक्षणिक कैलेंडर का यदि पालन करना है तो सभी बिंदुओं पर करना चाहिए। सितंबर माह तक प्रवेश देकर नवंबर माह में परीक्षाएं लेने से परिणाम पर असर पड़ता है। इसके पूर्व रविवि की सेमेस्टर परीक्षाएं दिसंबर माह से प्रारंभ होती रही है।

दुकानों का मालिकाना हक देने का मामला, मेयर बोलीं-पुनरीक्षण कराएंगे,पारदर्शिता के साथ होगा काम

गोलबाजार प्रोजेक्ट का डिब्बा गुल, 172 में सिर्फ 15 ने कराई रजिस्ट्री, फिर सब कुछ ठप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

राजधानी के पॉश इलाके में स्थित ऐतिहासिक गोलबाजार के 960 दुकानदारों को किराएदार से दुकान का मालिकाना हक देने की योजना ठंडे बस्ते में चली गई है। अब तक इस योजना का लाभ उठाने मुख्य मार्ग के केवल 15 कारोबारियों ने ही दिलचस्पी लेते हुए रजिस्ट्री कराई। जबकि पहली सूची में 172 व्यवसायियों का नाम कलेक्टर ने अनुमोदित किया था। पूर्व महापौर एजाज ढेबर के कार्यकाल में वर्ष 2020 में यह योजना बनाई गई। निगम के प्रस्ताव पर राज्य सरकार ने गोलबाजार की 1,53,305 वर्गफीट जमीन 1 रुपए टोकन मनी पर निगम को हस्तांतरित भी की थी। प्रोजेक्ट में गोलबाजार के बीच स्थित गोल गुंबद का सौंदर्यीकरण किया जाना शामिल रहा। चौहद्दी को लेकर भी कारोबारी उलझन में रहे। विकास शुल्क और गाइडलाइन की दरों को लेकर व्यापारियों ने आपत्ति जताई। इसके चलते यह प्रोजेक्ट ठंडे बस्ते में चला गया है। महापौर मीनल चौबे का कहना है कि गोलबाजार के दुकानों का मालिकाना हक प्रोजेक्ट का पुनरीक्षण कर व्यापारियों की सलाह लेकर इस प्रोजेक्ट पर कार्य किया जाएगा। दरअसल शहर के बीचों-बीच स्थित राजधानी का 125 साल पुराने गोलबाजार में 960 दुकानदार पीढ़ी-दर-पीढ़ी कारोबार करते आ रहे हैं। इनमें से कुछ दूसरी और कुछ कारोबारी तीसरी पीढ़ी के रूप में दुकान संचालित कर रहे हैं। इनमें से ज्यादातर कारोबारियों के दुकान का किराया हजार रुपए से भी कम है। नगर निगम को गोलबाजार की इन दुकानों से कोई खास राजस्व नहीं मिल रहा है। राजस्व बढ़ाने और गोलबाजार को स्मार्ट सिटी के अनुरूप भव्यता देने पूर्व महापौर एजाज ऐबर की परिषद ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कार्यकाल में यहां के कारोबारियों को दुकानों का मालिकाना हक देने प्रोजेक्ट लाया। इस प्रोजेक्ट के तहत गोलबाजार की दुकान की पहली रजिस्ट्री 2003 में हुई। राज्य शासन ने नगर निगम को टोकन मनी पर गोलबाजार की जमीन दी। साल 2021 में जिला प्रशासन, नगर निगम और टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग की संयुक्त टीम ने गोलबाजार का सर्वे तथा मूल्यांकन का कार्य पूरा किया। दुकानों की नापजोख, दस्तावेज की जांच उपरांत दावा-आपत्ति मंगाई गई।

979 दुकानें में 480 मेन रोड के पीछे

शहर के मध्य स्थित गोलबाजार में 579 दुकान में से करीब 480 दुकानें मेन रोड के पीछे की हैं। ये दुकानें मेन रोड से 20 मीटर के भीतर और 20 मीटर के बाद की है। इस हिस्से में जिनकी दुकानें हैं, वही कारोबारी गाइडलाइन रेट में संशोधन की मांग करते रहे। उनका कहना है कि मेन रोड से 20 मीटर भीतर होने के बाद भी न तो उन्हें मेन रोड जैसी सुविधाएं मिल रही हैं, न ही ग्राहकों के लिए पर्याप्त एप्रोच रोड व सुविधा है।

गाइडलाइन को लेकर रहा ऐतराज

गोलबाजार की दुकानों के मालिकाना हक प्रोजेक्ट में गाइड लाइन को लेकर व्यापारी एकमत नहीं रहे। मेन रोड के कारोबारी रजिस्ट्री कराने तैयार रहे, पर जिन कारोबारियों की दुकानें भीतर हैं, वे रेट कम करवाने पर अड़े रहे। विदित हो कि गोलबाजार के मुख्य मार्ग की गाइड लाइन 3 साल पहले 1 लाख रुपए प्रति वर्गमीटर रही, जबकि भीतर के दुकानों का रेट 90 हजार रुपए प्रति वर्गमीटर तय किया गया।

पसरा वालों के व्यवस्थापन की थी योजना

प्रोजेक्ट से जुड़े निगम के अधिकारियों के मुताबिक, गोलबाजार में बड़ी संख्या में पसरा लगाकर फुटकर व्यवसाय करने वाले विक्रेता भी हैं, जिन्हें अब तक किसी तरह की दुकान या जगह आवंटित नहीं है। इस योजना में पसरा लगाने वालों को भी चिन्हांकित कर व्यवस्थापन की योजना रही। गोलबाजार के व्यापारियों के साथ तत्कालीन महापौर और निगम के अधिकारियों की बैठक हुई। तत्कालीन राज्य सरकार द्वारा गोलबाजार के व्यापारियों की मांग पर विकास शुल्क और निर्माण शुल्क माफ कर व्यापारियों को राहत भी दी गई।

व्यापारी संघ अध्यक्ष ने ये कहा

गोलबाजार मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष सतीश जैन का कहना है, 100 साल गोलबाजार में कारोबारी किराए पर दुकानें चला रहे हैं, पर इस प्रोजेक्ट में दुकान का मालिकाना हक मिलने पर किराए से ज्यादा प्रॉपर्टी टैक्स देना पड़ेगा। इसलिए ज्यादातर व्यापारियों ने दुकानों की रजिस्ट्री में रुचि नहीं दिखाई। बाजार वालों को भी फायदा मिलना चाहिए, उनसे सलाह-मशविरा करने के बाद योजना लाएं तो बेहतर होगा।

व्यापारियों ने नहीं ली रुचि : ढेबर

पूर्व महापौर एजाज ढेबर ने कहा कि गोलबाजार की दुकानों का मालिकाना हक प्रोजेक्ट अच्छा था, व्यापारियों को इसका लाभ उठाने आगे आना था, पर उन्होंने रुचि नहीं ली।

पुनरीक्षण करेंगे

गोलबाजार की दुकानों के मालिकाना हक प्रोजेक्ट का पुनरीक्षण कराएंगे। नगर निगम व्यापारियों से सलाह लेकर पूरी पारदर्शिता के साथ इस प्रोजेक्ट पर आगे बढ़ेगा।
- **मीनल चौबे**, महापौर, ननि रायपुर

चिटफंड कंपनी डकार गई 32 लाख, अब पैसे वापस पाने भटक रही वृद्धा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

विधानसभा थाना क्षेत्र की रहने वाली बुजुर्ग निर्मला देवी क्षत्रिय विगत 6 साल से अपने ही पैसे के लिए यहां-वहां भटकने के लिए मजबूर हैं। घर चलाने में भी आर्थिक दिक्कतें आने लगी हैं।

उन्होंने बताया कि पिरदा में एक एकड़ से ज्यादा कृषि भूमि को पति स्व. बसंत कुमार ने 34 लाख रुपए में 2017 में बेच दिया था। इसके बाद चिटफंड कंपनी से जुड़े 6 लोगों ने उनको दो साल में पैसे दोगुने करने का झांसा देकर 32 लाख रुपए निवेश कराए और पॉलिसी प्लान की सारी जानकारी दी। पति की मौत होने के बाद जब नॉमिनी होने की वजह से पैसे के लिए दबाव बनाया तो वे भाग गए। पीड़िता वृद्धा ने बताया कि इसके लिए वैधानिक प्रक्रिया के बीच एक चिटफंड कर्मी ने तीन लाख रुपए देने का भरोसा दिया, लेकिन अब चकमा दे रहे हैं। पति की मौत के बाद तीन बच्चों सहित बहू की जिम्मेदारी है। एक बेटे को मिर्गी की शिकायत है, उसकी देखभाल पैसे के बिना संभव नहीं है। तीसरे बेटे और बहू के तीन बच्चे हैं। कृषि भूमि बेचने से अब लहलहाते धान की उम्मीद भी नहीं रही। उन्होंने बताया कि पैसे मिलने की उम्मीद से यहां-वहां भटकते हुए मोबाइल भी चोरी हो गया। उम्र 65 पार होने के बाद भी निर्मला देवी ने हरिभूमि कार्यालय में अपनी पीड़ा बताते हुए चिटफंड कंपनी से पैसे वापस लेने के लिए राज्य विधिक सेवा के वकीलों की मदद लेने की बात कही। साथ ही कहा कि कंपनी से जुड़े अधिकारियों से कृषि भूमि के पैसे वापस लेने वे कानूनी लड़ाई लड़ेंगी।

यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने जारी की नई गाइडलाइन, ट्रेन की बोगियों में बदल जाएगी व्यवस्था

चलती ट्रेन से नहीं फेंक सकेंगे कचरा सफाईकर्मियों को मिलेंगे उपकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

चलती ट्रेन से अब कर्मचारी कचरा नहीं फेंक सकेंगे। रेलवे बोर्ड ने सफाई व्यवस्था को सख्त और बेहतर बनाने की दिशा में नई गाइडलाइन जारी की है। अब ट्रेन की बोगियों में साफ-सफाई के दौरान निकला कचरा सीलबंद थैलों में भरकर निस्तारण के लिए चिन्हित जंक्शन तक लाया जाएगा। बोर्ड के निर्देश हैं कि सफाईकर्मियों की गतिविधियों की निगरानी बढ़ाई जाए, ताकि कोई भी कचरा इधर-उधर न फेंके। हाल ही में एक कर्मचारी का वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह चलती ट्रेन से कचरा फेंकते नजर आया। इस पर रेलवे ने तत्काल कार्रवाई कर उसे हटा दिया था। अब ओबीएचएस (ऑन-बोर्ड हाउस कीपिंग सर्विस) और पेंट्रीकार कर्मचारियों से वरिष्ठ अधिकारी संवाद कर रहे हैं, ताकि सफाई प्रणाली को और मजबूत किया जा सके। मंडल स्तर पर इस नई व्यवस्था की शुरुआत हो चुकी है। यात्रियों को स्वच्छ और आरामदायक यात्रा देने की दिशा में यह एक अहम कदम माना जा रहा है।

हर ट्रेन में कचरे के थैलों की संख्या तय होगी

वर्तमान में रायपुर से लगभग 200 ट्रेनों का प्रतिदिन परिचालन हो रहा है। जानकारी के मुताबिक, हर दिन 1800 किलो जैविक व अजैविक कचरा ट्रेनों से निकल रहा है। दुर्ग व बिलासपुर में ट्रेनों की बोगियां साफ-सुथरी की जाती हैं। वंदे भारत, राजधानी को छोड़कर कर्मचारी अन्य ट्रेनों की बोगियों की सफाई में निकलने वाले कचरे को अभी तक खिड़की या दरवाजे से बाहर भी फेंक देते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। कचरे का व्यवस्थित संग्रहण, प्रबंधन और निपटारा भी होगा। बोर्ड के निर्देशानुसार इसके लिए कर्मचारियों को वीडियो के माध्यम से प्रशिक्षित करने के साथ ही उन्हें सफाई के उपकरण भी प्रदान किए जाएंगे। हर ट्रेन में उत्पन्न कचरे के थैलों की संख्या तय होगी, उतनी संख्या में भरे कचरे के थैले ट्रेन में चल रहे कर्मचारियों द्वारा निस्तारण के लिए चिन्हित स्टेशनों पर दिए जाएंगे।

कचरा प्रबंधन पर चलाया विशेष अभियान

मंडल रेल प्रशासन द्वारा रेल परिसर एवं चलती ट्रेनों में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक विशेष स्वच्छता-जागरूकता एवं प्रशिक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों से गुजरने वाली गाड़ियों में तैनात ओबीएचएस स्टाफ एवं पेंट्रीकार कर्मचारियों को वाणिज्य विभाग के सुपरवाइजरों, वाणिज्य विभाग की स्पेशल टीम तथा स्वास्थ्य निरीक्षकों द्वारा गार्बेज डिस्पोजल मैनेजमेंट के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। अभियान के दौरान प्रतिदिन मंडल के रायपुर, दुर्ग, भिलाई, भाटापारा सहित सभी प्रमुख स्टेशनों से गुजरने वाली विभिन्न गाड़ियों के ऑन बोर्ड हाउस कीपिंग स्टाफ, पेंट्रीकार व क्लीन ट्रेन स्टाफ से संवाद स्थापित कर गाड़ियों में कचरा संग्रहण, वर्गीकरण, सुरक्षित निस्तारीकरण, यात्रियों को स्वच्छता हेतु प्रेरित करने तथा ट्रेनों में स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए जा रहे हैं।

स्कूल जा रही महिला टीचर का बैग लूटकर बदमाश फरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

■ राजधानी में स्नैचिंग की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रहीं

राजधानी में महिलाओं के साथ स्नैचिंग की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रहीं। पुरानी बस्ती थाने में एक महिला टीचर ने अज्ञात बदमाश के खिलाफ लूट की शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने पुलिस को बताया कि वह पढ़ाने के लिए स्कूल जा रही थी। इस दौरान अज्ञात बदमाश चलती दोपहिया से बैग लूटकर फरार हो गया। बैग में महिला का आईफोन, लैपटॉप तथा स्कूल की किताबें रखी हुई थीं। डूमरतराई निवासी प्रियंका भौमिक ने लूट की शिकायत दर्ज कराते हुए पुलिस को बताया कि वह निजी स्कूल में टीचर है। वह शुक्रवार को सुबह पढ़ाने के लिए स्कूल जा रही थी। भाठागांव के पास बाइक सवार दो बदमाश महिला के करीब पहुंचे और हैंडल में लटके बैग को झपट्टा मारकर लूट लिए। महिला शिक्षक ने बदमाशों को रोकने की कोशिश की और शोर मचाई। बदमाश महिला को चकमा देकर बाइक चलाते हुए महादेवघाट रोड की तरफ भाग गए। बदमाशों की पतासाजी करने पुलिस घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरों की पड़ताल कर रही है।

नशीली टेबलेट बरामद धरा गया युवक

रायपुर। पुलिस ने 440 नशीली टेबलेट के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी अविनाश सिंह जागृति नगर उरकुरा थाना खमतराई क्षेत्र का निवासी है। पुलिस ने उसके पास से धारदार चाकू भी बरामद किया है। यह कार्रवाई "ऑपरेशन निश्चय" अभियान के तहत की गई, जो मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध बिक्री रोकने के लिए रायपुर रेंज पुलिस द्वारा चलाया जा रहा है। इस अभियान का निर्देशन पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा और पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह ने किया है। थाना खमतराई को सूचना मिली कि उरकुरा रेलवे स्टेशन के पास एक व्यक्ति अपने मो. सा. में भारी मात्रा में नशीली टेबलेट लेकर ग्राहकों की तलाश कर रहा है।

02

जी हां मैं हूं खलनायक...

लाइव इवेंट

राजभवन में मनाया 6 राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों का स्थापना दिवस, लोक नृत्यों की दी प्रस्तुति

रायपुर। राजभवन में रविवार को 6 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों का स्थापना दिवस मनाया गया। यह आयोजन राज्यपाल रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत की आत्मा उसकी विविधता में बसती है और यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से प्रारंभ हुआ 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' अभियान इसी एकता और सांस्कृतिक समृद्धि का सशक्त प्रतीक है। छत्तीसगढ़ मण्डपम् में आयोजित छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, जम्मू कश्मीर, केरल, लद्दाख और अंडमान निकोबार राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के स्थापना दिवस समारोह में राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि यह पहल केवल सांस्कृतिक आदान-प्रदान नहीं, बल्कि भावनात्मक एकीकरण का माध्यम है। केन्द्र सरकार के 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के तहत विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए सभी राज्य एक-दूसरे का स्थापना दिवस मनाते हैं। इसी कड़ी में आज राजभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम में इन राज्यों का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

अंडमान निकोबार के लोक नृत्यों ने मोहा मन

समारोह में विभिन्न राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों ने अपने राज्यों की विशेषताओं, परंपरा, संस्कृति पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने सभी राज्यों की संस्कृति एवं लोक परंपरा आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुति दी। छत्तीसगढ़ के लोक-नृत्य, मध्यप्रदेश के बुंदेलखंडी नृत्य, जम्मू कश्मीर के राउफ सहित केरल के लोक नृत्य गौपति, लद्दाख के जबरो नृत्य एवं अंडमान निकोबार के लोक नृत्यों ने अतिथियों का मन मोह लिया। विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों को राज्यपाल ने राजकीय गमछा और स्मृति चिन्ह भेंट किया। उन्होंने भी राज्यपाल को अपने राज्य की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में विधायक पुरंदर मिश्रा, सुनील सोनी, अनुज शर्मा, छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं इन सभी राज्यों के युवा, महिलाएं एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

यूथ कॉन्क्लेव में मेंटर्स ने कहा- एज इज जस्ट-अ नंबर, केवल खुद को बेहतर बनाने पर फोकस करें

बेस्ट सीनियर एज मॉडल ने कहा, मेरी टांगों में सूजन थी, जींस फाड़कर पहनना मेरी मजबूरी थी, अब वो फैशन बन चुका है

अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में रविवार को यूथ कॉनक्लेव-2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चाय सुट्टा बार के को-फाउंडर अनुभव दुबे, वेज फूड ब्लॉगर अमर सिरोही, वर्ल्ड बेस्ट सीनियर एज मॉडल दिनेश मोहन और द ताज स्टोरी फिल्म के डायरेक्टर तुषार गोयल बतौर स्पीकर शामिल हुए। कॉनक्लेव के स्पीकर युवाओं को शून्य से शिखर तक के सफर साझा करते नजर आए। उन्होंने अपने सफर में कामयाबी, चुनौतियां और लक्ष्य के प्रति आगे बढ़ते रहने की सलाह ही।

रायपुर। 'यूथ कॉनक्लेव में मुख्य आकर्षण का केंद्र चाय सुट्टा बार के को-फाउंडर अनुभव दुबे की उपस्थिति रही, जिन्होंने महज 28 साल की उम्र में 600 से ज्यादा आउटलेट्स तैयार किया है। उन्होंने साल 2016 से जर्नी की शुरुआत की, जो अब भारत के अलावा दुबई, कनाडा जैसे बड़े देशों में भी चाय सुट्टा बार की शुरुआत कर चुके हैं। मंच पर एंट्री के साथ ही युवाओं ने उनका स्वागत गर्मजोशी से किया। उन्होंने स्टार्टअप का सपना देखने वाले युवाओं से कहा, मार्केट को समझने के लिए मार्केट में उतरना पड़ता है। दूसरों की बातों पर ध्यान ना दें , केवल खुद को बेहतर बनाने पर फोकस करें।'

एक वक्त पर लगा कि सब खत्म हो गया...

चाय सुट्टा बार के को-फाउंडर अनुभव दुबे ने कहा एक वक्त ऐसा था, जब मैं कामयाबी के शिखर पर खुद को देखने लगा। तब टे कॉन डायबिटीज़ से मेरा वजन कम होने लगा, उस वक्त मैं डिप्रेशन में चला गया। मुझे लगा कि अब सब खत्म, लेकिन मेरे साथ काम करने वाले दोस्तों ने मुझे सहारा दिया। कोरोनाकाल में सब दुकान बंद होने से नुकसान के बाद भी काम करते रहे, और एक दुकान से 600 आउटलेट्स तक का सफर पूरा किया। दुकान की मार्केटिंग के लिए दोस्त दुकान के पास भीड़ लगाकर खड़े हो जाते तो ऐसा लगता कि मेरी दुकान में कस्टमर्स की लाइन लगी हुई है। इसे देखकर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ती।

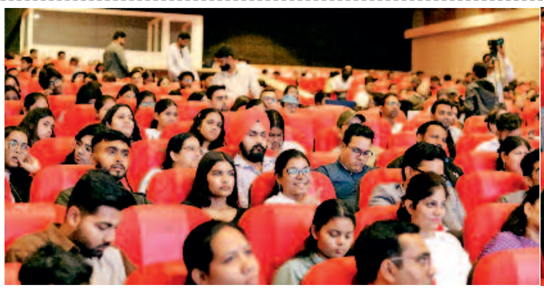

65 की उम्र में फैशन का जादू

एज इज जस्ट अ नंबर, तुम हमेशा अपने कॅरियर पर फोकस करो। सपनों की कोई उम्र नहीं होती। यूथ कॉन्क्लेव में 65 वर्षीय वर्ल्ड बेस्ट सीनियर एज मॉडल दिनेश मोहन शामिल हुए। जिन्होंने कहा, मेरा अब तक का जर्नी बहुत खूबसूरत रहा है। लाइफ में मॉडलिंग, रैंप-वॉक और एक्टिंग का शौक रहा। शुरुआती दिनों में एक फटी जींस के साथ फोटो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ, जो मेरी लाइफ का टर्निंग पॉइंट रहा। पैरों में सूजन होने के कारण जींस फाड़कर पहनना मेरी मजबूरी थी, जो अब ट्रेंड बन चुका है। साल 2016 के बाद से टीवी शो, साउथ–बॉलीवुड फिल्म, अमेजन फैशन वीक में काम किया है।

इंजीनियरिंग की पढ़ाई छोड़कर फिल्ममेकर बनने का ख्वाब

द ताज स्टोरी फिल्म के डायरेक्टर तुषार गोयल बतौर मोटिवेशनल स्पीकर यूथ कॉन्क्लेव में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि सपना पूरा करने के लिए परिवार का सपोर्ट जरूरी होता है। मैं इंजीनियरिंग की पढ़ाई छोड़कर फिल्ममेकर बनने का ख्वाब लेकर निकला था। बड़े पर्दे पर अपना नाम देखने के सपने ने मुझे फिल्म इंडस्ट्री में एंट्री लेने की हिम्मत दी। पहली शॉर्ट फिल्म 5 हजार रुपए की थी, फिर 50 हजार से 5 लाख रुपए तक फिल्म बनता गया। जब काम नहीं मिल रहा था तो मन करता था सब छोड़कर वापस घर चला जाऊं, लेकिन पिता ने कहा 'डायरेक्टर बनने गए हो तो बनकर ही घर वापस आना।' यही बात मेरी सबसे बड़ी ताकत बनी। द ताज स्टोरी फिल्म के लिए उन्होंने लगभग दो साल रिसर्च की। इस फिल्म में ताजमहल के कई रहस्यों को दिखाया गया है। यह फिल्म मेरे लिए बहुत खास है। ताजमहल मुगल आर्किटेक्चर पर आधारित नहीं है।

सिटी इवेंट

राष्ट्र-निर्माण की भावना के साथ राज्य में मनाया गया 78वां एनसीसी दिवस

रायपुर। रविवार को 78वां राष्ट्रीय कैडेट कोर दिवस रायपुर समूह के अंतर्गत सभी प्रशिक्षण संस्थानों एवं बटालियनों में उत्साह, अनुशासन और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। राज्य के विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में मुख्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। जहां कैडेटों ने एनसीसी के मूल सिद्धांत व अनुशासन, एकता और सेवा, नेतृत्व और युवा सशक्तीकरण का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। मुख्य समारोह 5 सीटीआई लखोली में आयोजित हुआ, जिसकी अध्यक्षता एनसीसी ग्रुप मुख्यालय रायपुर के ग्रुप कमांडर ने की। इस अवसर पर सम्मान गारद, समूह गीत, प्रेरक प्रस्तुतियां, रक्तदान शिविर, मेडिकल एवं डेंटल चेकअप तथा बड़ा खाना जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें कैडेटों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता दिखाई।

प्रदेशभर की सभी एनसीसी बटालियनों ने भी इस दिवस को उत्साहपूर्वक मनाया। 3 सीजी एयर एनसीसी माना में उत्कृष्ट ड्रिल, देशभक्ति सांस्कृतिक कार्यक्रम और एयरोमॉडलिंग की विशेष प्रस्तुतियां हुईं। 37 सीजी बटालियन दुर्ग द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। बटालियन अंजोरा (दुर्ग) ने साइकिल रैली और रक्तदान शिविर के माध्यम से एनसीसी की अनुशासन और सेवा भावना को प्रदर्शित किया।

देशभक्ति कार्यक्रमों से बढ़ाई शान

जगदलपुर की 9 और 10 सीजी बटालियनों ने संयुक्त रक्तदान शिविर का आयोजन किया। रायगढ़ की 28 सीजी बटालियन ने तिरंगा यात्रा, साइकिल रैली, परेड और वृक्षारोपण अभियान से वातावरण को देशभक्ति से सराबोर किया। बिलासपुर की 7 सीजी बटालियन ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों और रक्तदान आयोजन के माध्यम से एनसीसी की परंपरा को मजबूत किया। 1 सीजी गर्ल्स बटालियन पर्चानपाल, जगदलपुर ने रक्तदान, वृक्षारोपण, ड्रिल प्रदर्शन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से एनसीसी दिवस की शोभा बढ़ाई। राज्य की अन्य सभी एनसीसी इकाइयों ने भी स्वच्छता अभियान, जागरूकता रैली, सामुदायिक सेवाएं और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर एनसीसी की राष्ट्रसेवा, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी की परंपरा को मजबूती प्रदान की।

कैंसर के खिलाफ सभी वर्गों ने मैराथन में लगाई दौड़ जुम्बा और व्यायाम कर दिया फिटनेस का संदेश

रायपुर। कैंसर के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने और नागरिकों में स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पंडित जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल मेडिकल कॉलेज ने रविवार को ग्रैंड आईएमए मैराथन का भव्य आयोजन किया। 'रन फॉर हेल्थ, वॉर अगेंस्ट कैंसर' थीम पर आधारित यह कार्यक्रम स्वास्थ्य, ऊर्जा और सामुदायिक एकजुटता का बेहतरीन उदाहरण बना। सुबह राजधानी में फिटनेस और उत्साह का खास नजारा देखने को मिला, जब 1200 से अधिक प्रतिभागियों ने मैराथन में भाग लिया। इनमें डॉक्टर, विद्यार्थी, बुजुर्ग, महिला धावक तथा विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल रहे। कार्यक्रम की शुरुआत ऊर्जावान संगीत और जुम्बा सत्र के साथ हुई, जिसने प्रतिभागियों में जोश और उत्साह भर दिया।

सभी प्रतिभागियों को मिले मेडल

मैराथन का फ्लैग-ऑफ आईएमए अध्यक्ष डॉ. कुलदीप सोलंकी ने किया। निर्धारित दूरी पूरी करने वाले सभी प्रतिभागियों को मेडल प्रदान किए गए। इसके बाद आयोजकों की ओर से पौष्टिक नाश्ते की व्यवस्था की गई, जिसमें सभी धावकों ने भाग लिया। इस दौरान स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नियमित व्यायाम करने और कैंसर से बचाव के उपायों को लेकर जागरूकता संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट प्रदर्शन करने वाले 20 फिनिशर्स को आगामी द ग्रेट छत्तीसगढ़ रन में निःशुल्क प्रवेश दिया गया, जो 7 दिसंबर को नवा रायपुर में आयोजित होगा। ग्रैंड मैराथन ने न केवल फिटनेस का माहौल बनाया, बल्कि शहर में स्वास्थ्य जागरूकता और सामुदायिक एकता की भावना को भी और मजबूत किया।

भजन-कीर्तन की मधुर तान पर झूमते नजर आए श्रद्धालु

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश घासी-घसिया समाज द्वारा बीएसयूपी कॉलोनी भाठागांव में संकीर्तन भजन स्मृति शेष नमन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ और ओडिशा की कई भजन-कीर्तन मंडलियों ने शानदार प्रस्तुति देकर पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस दौरान लोग भजन-कीर्तन की मधुर तान पर झूमते नजर आए। समाज के प्रदेश अध्यक्ष लखन सागर ने कहा, भजन-कीर्तन का यह सांस्कृतिक धागा पीढ़ियों से हमें आपस में जोड़े हुए हैं। यह हमारे सामूहिक चेतना का प्रतीक है और आज भाग-दौड़ भरे युग में यही अनुशासन हमें जमीन से जोड़े रखता है। घासी-घसिया समाज के रायपुर जिला अध्यक्ष गोपी सेंद्रे ने स्मृति शेष नमन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, यह हमारे उन पूर्वजों को श्रद्धांजलि है, जिन्होंने इस पवित्र परंपरा को जीवित रखा। यह उनके प्रति हमारी कृतज्ञता और इस मार्ग पर अडिग रहने के संकल्प का प्रतीक है। वहीं, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अधिवक्ता भगवानू नायक ने कहा, मैं आप सभी के बीच उपस्थित होकर अत्यंत गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। यह कार्यक्रम समाज की सांस्कृतिक धरोहर, आध्यात्मिक विरासत और पारंपरिक मूल्यों के संरक्षण का एक सजीव प्रयास है।

समाज के प्रतिष्ठितजन रहे उपस्थित

कार्यक्रम में घासी-घसिया समाज के प्रदेश प्रमुख सहित कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष शत्रुघन, जिला संरक्षकद्वय दिलीप भारती, हितेश कुमार, जिला अध्यक्ष गोपी भाई सेंद्रे, अधिवक्ता कैलाश हरपाल, समाज सेवी पृथ्वीराज महानंद कर्यन सोनी, नारायण बंछोर, सूर्या दास, गणेश दीप, टिकेंद्र सोनी, जितेंद्र सेंद्रे, रतन सोनी, भाऊराम बघेल, सूबेर सेंद्रे, ज्योतिष भारती, भूपेन्द्र सेंद्रे, रुद्राक्ष भारती, गौरव सेंद्रे, अनंता सोनी, विक्रम भारती, तरवीण सेंद्रे, नरोत्तम बंछोर, विवेकानंद भारती, धनेश्वर कुमार, लालसन बंछोर व बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

सरोकार बढ़ाने साहू समाज और गोंड समाज ने राजधानी में विवाहयोग्य युवाओं के लिए किया परिचय सम्मेलन का आयोजन

डॉक्टर, इंजीनियर-शिक्षाकर्मी युवतियों और युवाओं ने मंच पर दिया परिचय, ज्वॉइंट फैमिली को बताई पसंद

कार्नर न्यूज

रायपुर। राजधानी में रविवार को साहू समाज और गोंड समाज ने विवाह योग्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया। इसमें डॉक्टर्स, इंजीनियर्स, शिक्षाकर्मियों के साथ ही उद्यमी भी शामिल हुए। समय के साथ अब शिक्षित युवतियों की सोच में भी बड़ा बदलाव देखने को मिला है। माता- पिता के ज्वॉइंट फैमिली को पसंद बताते हुए वैसे ही माहौल में रहने पर इन्होंने जोर दिया। संतोषी नगर स्थित मां कर्मा धाम में जिला साहू संघ द्वारा युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन रविवार को किया गया। इसका शुभारंभ सुबह 11 बजे किया गया। इसमें डिप्टी सीएम अरुण साव मुख्य अतिथि, पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू विशिष्ट अतिथि, अध्यक्षता डॉ. नीरेन्द्र साहू, शहर जिला साहू संघ अध्यक्ष केशव राम साहू प्रमुख रूप से मंचस्थ रहे। डिप्टी सीएम ने युवाओं को तनाव से भरे जीवन से बाहर निकलने और सेहत के प्रति सजग रहने की सलाह दी। नारायण लाल साहू ने बताया कि इस आयोजन में प्रदेश के लगभग सभी जिलों से आए 250 युवक-युवतियों ने अलग-अलग समूह में मंच पर परिचय दिया।

सामाजिक गतिविधियों के लिए सीएम ने दिए 5 लाख

सीएम विष्णु देव साय गोंडवाना भवन में छत्तीसगढ़ गोंड़ समाज कल्याण समिति द्वारा आयोजित गोंड़ युवक-युवती परिचय सम्मेलन में शामिल हुए। पारंपरिक जनजातीय रीति-रिवाजों से उनका स्वागत किया गया। उन्होंने भगवान बूढ़ादेव का पूजन कर विधि-विधान से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस बीच गोंड़ समाज को सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए 5 लाख रुपए की सहयोग राशि प्रदान करने की घोषणा की। आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधीय पादप बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम भी आयोजन में शामिल हुए।

गोंड़ समाज के मंच पर भी ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट

छत्तीसगढ़ गोंड़ समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष जग्गु सिंह ठाकुर, सलाहकार हरि सिंह ठाकुर, अवधराम ध्रुव सहित पदाधिकारियों की अगुवाई में अंतरराज्यीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन का शुभारंभ रविवार सुबह पारंपरिक गीत-संगीत के साथ किया गया। इस बीच 230 युवक -युवतियों ने समाज के बीच परिजनों की मौजूदगी में परिचय दिया। इनमें बीए, बीएससी, बीकॉम और एम.कॉम करने के बाद अलग-अलग क्षेत्र में सेवा देने वाले युवकों और युवतियों ने जीवन साथी चुनने के लिए मंच साझा किया। युवकों और युवतियों के अलग-अलग समूह में मंच पर अपनी पसंद, योग्यता, पारिवारिक स्थिति के साथ ही, वे किस तरह का परिवार चाहते हैं, यह भी समाज के बीच स्पष्ट किया।

युवाओं से ज्यादा शिक्षित युवतियों ने साझा किया मंच

समाज के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीरेन्द्र साहू ने बताया कि शिक्षित युवाओं से ज्यादा युवतियों ने इस बार मंच साझा किया। समाज प्रमुखों की मौजूदगी में सभी ने अपनी योग्यता, पारिवारिक स्थिति, वर्तमान स्थिति के साथ अपनी पसंद भी बताई। ज्वॉइंट फैमिली को मजबूती देने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि रोटी-बेटी के रिश्तों में आपसी अनबन की स्थिति निर्मित न होने पाए, इसका ख्याल दोनों पक्षों को भी रखना चाहिए। जब भी किसी तरह से मतभेद की स्थिति बने, संवाद के जरिए उसे दूर करने का प्रयास होगा चाहिए। इस आयोजन को हर साल करने का उद्देश्य भी यही है।

सिटी लाइव

प्रसव कक्ष में तत्परता और गोल्डन मिनिट्स में लिया भाग, मिला सम्मान

रायपुर। नवजात मृत्यु दर को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र ने राष्ट्र-स्तरीय नवजात पुनः जीवन प्रक्रिया (नियोनेटल रीससिटेशन) कार्यशाला का आयोजन किया। बाल चिकित्सा और नवजात विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला का उद्देश्य प्रसव कक्ष में तत्परता को बढ़ाना और जन्म के बाद के महत्वपूर्ण गोल्डन मिनट में नवजात की देखभाल में सुधार लाना था। उदघाटन मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. विनीता द्विवेदी ने किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. उदय कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। यह कार्यशाला राष्ट्रीय स्वास्थ्य लक्ष्यों के अनुरूप है, व विशेष रूप से राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा निर्धारित उद्देश्यों के तारतम्य में है।

2030 तक न्यूनतम लाना है मृत्युदर

कार्यशाला में कुल 24 प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिन्होंने आईएपी-एनआरपी-एफजीएम पोर्टल के माध्यम से अनिवार्य ऑनलाइन प्रशिक्षण मॉड्यूल पूरा किया था। उन्हें नियोनेटल रीससिटेशन प्रक्रिया तकनीकों पर प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया गया। यह कार्यशाला भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे भारत नवजात क्रिया योजना (आईएनएपी) का एक अभिन्न अंग है, जिसका उद्देश्य 2030 तक भारत की नवजात मृत्यु दर को एकल अंकों में लाना है। कार्यशाला में चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाएं, प्रमुख डॉ. विनीता द्विवेदी; मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र ठाकुर, एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. उदय कुमार, का मार्गदर्शन व सहायक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सम्बिता पांडा आदि उपस्थित थे।

धर्म लाइव

दत्तात्रेय जयंती पर 4 को गोस्वामी सम्मेलन राजिम में, जुटेगा समाज

रायपुर। राजीव लोचन की पावन धरा राजिम में स्थित दत्तात्रेय मंदिर परिसर में अगहन पूर्णिमा पर 4 दिसंबर को गोस्वामी समाज द्वारा प्रांत स्तरीय भव्य दत्तात्रेय प्राकट्य उत्सव मनाई जाएगी। सुबह 8 बजे भगवान दत्तात्रेय का मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना के बाद 10.30 बजे भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोहित साहू, अतिविशिष्ट अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य भंडार गृह निगम के अध्यक्ष चंदूलाल साहू पूर्व सांसद, विशेष अतिथि महेश यादव नगर पंचायत अध्यक्ष, इन्द्रजीत महाड़िक जिला पंचायत सदस्य, पूर्णिमा चन्द्राकर उपाध्यक्ष नगर पंचायत, हरीश साहू अध्यक्ष सरपंच संघ, लालाराम साहू अध्यक्ष राजिम भक्तिन माता, चन्द्रशेखर साहू महामंत्री और नूतन लाल साहू अंतर्राष्ट्रीय कवि होंगे। साथ ही समाज के प्रेरणास्त्रोत श्रद्धेय महंतगण, माननीय संस्थापकद्वय रमन गिरि, ओंकार पुरी, संरक्षकद्वय उमेश भारती गोस्वामी एवं अशोक गिरि विशिष्ट अतिथि होंगे। अध्यक्षता प्रांताध्यक्ष काशीपुरी कुंदन करेंगे। मंचीय कार्यक्रम में भगवान दत्तात्रेय दर्शन पर आधारित व्याख्यान होंगे। सम्मेलन में विवाह योग्य युवक-युवतियों का परिचय सम्मेलन, समाज की विशिष्ट प्रतिभाओं, जनप्रतिनिधियों एवं प्रेरणास्त्रोत बुजुर्गों का सम्मान, सनातन संस्कृति पर आधारित सामान्य ज्ञान क्विज सहित विविध कार्यक्रम होगा। उमेश गिरी, प्रशांत गिरि, पोखराज बन, रामकुमार पुरी सहित अन्य कार्यक्रम की तैयारी में जुटे हुए हैं। दुर्ग के प्रतिनिधि भी आयोजन में शामिल होंगे।

हेल्थ लाइव

एंटीबायोटिक दवाएं बढ़ा रही खतरा मौन महामारी को कर रही आमंत्रित

रायपुर। टाइफाइड, निमोनिया, यूरिन इन्फ्रैक्शन के मामलों में रोग प्रतिरोधक क्षमता की दवाओं का ज्यादा इस्तेमाल सेहत के लिए हानिकर साबित हो रहा है। यह आने वाले समय में मौत का कारण बन सकता है। डब्लूएचओ ने इसे लेकर गाइडलाइन भी जारी की है। वूमन वेट विंग की राष्ट्रीय संयोजक और लीडिंग वीमेन वेटरिनेरियन एसोसिएशन ऑफ इंडिया की अध्यक्ष डॉ. निधि रावत ने हरिभूमि से विशेष चर्चा के दौरान इसका खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि कल्पना कीजिए एक ऐसी दुनिया कि जहां साधारण संक्रमण, छोटी चोटें या सामान्य अस्थि (ऑर्थोपेडिक) सर्जरी भी जीवन के लिए ख़तरा बन जाए। जहां टाइफाइड, न्यूमोनिया या मूत्र संक्रमण जैसी आम बीमारियां दवाओं से ठीक न हों। एक मामूली कट भी मृत्यु का कारण बन सके। यह भयावह स्थिति अब कोई कल्पना नहीं, यह एक उभरती हुई वैश्विक वास्तविकता है, जिसे कहा जाता है प्रतिजैविक प्रतिरोध।

2050 तक लोगों की मृत्यु का बनेगा कारण

डॉ. रावत कहती हैं कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार यदि इस पर नियंत्रण नहीं पाया गया, तो वर्ष 2050 तक प्रतिजैविक प्रतिरोधक के मामले प्रतिवर्ष लगभग 1 करोड़ (10 मिलियन) लोगों की मृत्यु का कारण बन सकता है, जो कैंसर से भी अधिक होगा। वर्तमान में लगभग 7 लाख लोग हर वर्ष दवा-प्रतिरोधी संक्रमणों से मर रहे हैं। विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन ने भी चेतावनी दी है कि यदि यह संकट जारी रहा, तो मनुष्यों, पशुओं और पौधों में संक्रमणों का उपचार असंभव हो जाएगा जिससे खाद्य सुरक्षा, आजीविका और वैश्विक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। डॉ. रावत ने कहा कि एंटीबायोटिक दवा केवल डॉक्टर की सलाह पर लें। कभी स्वयं दवा न लें। एंटीबायोटिक का पूरा कोर्स पूरा करें, चाहे आप बेहतर महसूस कर रहे हों। बिना चिकित्सकीय पर्ची के फार्मेसी से एंटीबायोटिक न खरीदें।

बीटीआई ग्राउंड आवास मेले के उद्घाटन कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध बालीवुड सिंगर विनोद राठौर की शानदार प्रस्तुति

जी हां मैं हूं खलनायक...छुपाना भी नहीं आता, जताना भी नहीं आता...जैसे 90 के नगमों पर झूमे दर्शक

रविवार की रात राजधानी के बीटीआई ग्राउंड में बालीवुड सिंगर विनोद राठौर की आवाज का जादू चला। सिंगर ने जब 90 के दशक के अपने हर दिल अजीज सॉन्ग्स जी हां मैं हूं खलनायक.....नायक नहीं, खलनायक हूं मैं....मुन्ना भाई एमबीबीएस.... छुपाना भी नहीं आता, जताना भी नहीं आता, हमें तुमसे मोहब्बत है, बताना भी नहीं आता... जैसे नगमों की प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

छत्तीसगढ़िया सबसे ले बढ़िया कहकर किया दर्शकों का अभिवादन

सिंगर विनोद राठौर ने कहा कि छत्तीसगढ़ के इस बीटीआई ग्राउंड से उनका पुराना नाता है। यहां पर उन्होंने इससे पहले भी प्रस्तुतियां दी हैं। मंच से उन्होंने छत्तीसगढ़िया सबसे ले बढ़िया बोल कर दर्शकों का अभिवादन किया। दर्शकों ने भी उन्हीं के आदाज में सिगर्स का स्वागत किया। सिंगर और श्रोताओं की जुगलबंदी देर रात तक चलती रही।

रायपुर। देर रात 10 बजे सिंगर विनोद राठौर ने खलनायक फिल्म के गीत जी हां मैं हूं खलनायक.....से मंच पर धमाकेदार एंट्री की तो महफिल में पहुंचे दर्शक झूम उठे। मौका था छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के राज्य स्तरीय आवास मेला के भव्य उद्धाटन का। इस आवास मेले पर बालीवुड गीतों का तड़का लगाने सिंगर विनोद राठौर पहुंचे थे। उन्होंने मंच से अपनी कई सुपरहिट गीतों की झड़ी लगा दी। इसमें देवदास, हम किसी से कम नहीं, मुन्ना भाई एमबीबीएस और बिच्छू जैसी फिल्मों के गाए गाने शामिल रहे। सिंगर को सुनने उनके फैंस बड़ी संख्या में बीटीआई ग्राउंड में पहुंचे थे। देर रात तक दर्शक सिंगर के जादू भरे नगमों में डूबे रहे। सर्द मौसम में बालीवुड गीतों से सजी

महफिल का आनंद लेने शहरवासियों सहित बड़ी संख्या में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अधिकारी-कर्मचारियों और जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। सिंगर विनोद राठौर के मंच पर आने से पहले उनके सहयोगी सिंगर्स ने नए-पुराने फिल्मों के गीतों से दर्शकों को महफिल में बांधे रखा। फिर अपने अंदाज में जादू भरी आवाज के सिंगर विनोद राठौर ने मंच पर एंट्री ली। लॉग जैकेट्स और हैट, गॉगल्स पहने सिंगर्स के चेहरे के एक झलक पाने ऑडियंस बेकरार दिखे। बीटीआई ग्राउंड की फिजा में चारों ओर सिंगर्स की मधुर आवाज देर रात तक गूंजती रही। दीवाना फिल्म के गीतों पर ऑडियंस झूमते-थिरकते रहे। सिंगर ने दर्शकों के डिमांड पर एक के बाद एक शानदार नगमों की सुर लहरियां मंच पर प्रस्तुत कर महफिल में जान डाल दी।

ठंड में भी सुरीली आवाज के जादू में डूबे रहे दर्शक

कड़ाके की ठंड के बावजूद आधी रात तक खुली आसमान के नीचे विनोद राठौर के गानों के दीवाने महफिल में जमे रहे। दर्शकों में पुरुष व महिलाओं के अलावा युवा वर्ग भी उनके गीतों पर झूमते दिखे। सिंगर की हर प्रस्तुति पर दर्शकों ने जोरदार तालियों से उनका उत्साहवर्धन किया। दर्शकों से मिले प्यार ने सिंगर को परफार्मेंस के लिए ऊर्जा का काम किया। सिंगर ने अपने नए-पुराने नगमों को मखमली आवाज में सजा कर दर्शकों के तन-मन को गदगद कर दिया।

स्वेटर-शॉल बांटने के साथ युवाओं के ग्रुप खुले आसमान के नीचे सर्द रातों में ठिठुरते लोगों को भी ओढ़ा रहे कंबल

रायपुर। जाने-कितने ही लोग अपने बुजुर्ग, बच्चों और महिलाओं को लेकर इलाज करवाने के लिए शहर के अम्बेडकर अस्पताल और डीकेएस अस्पताल में आते हैं। उन्हें अस्पताल परिसर में जहां जगह मिलती है, वहीं ठिठुराने वाली सर्दी में सीमित कपड़ों में रात बिताने की मजबूरी हैं। ऐसे लोगों की चिंता अब अलग-अलग सोशल एक्टिविटी से जुड़े युवा और संस्थाएं भी कर रही हैं। वे आपसी तालमेल और जन सहयोग से स्वेटर, शॉल और कंबल खरीदने के बाद हर साल ठंड बढ़ने पर बांटने का दायित्व निभाते हुए लोगों के बीच सेवा और सहयोग की भावना से पहुंचने लगे हैं। बुधवार की रात रेलवे स्टेशन परिसर में जहां-तहां खुले आसमान के नीचे आग जलाकर उसके आसपास सोने वाले लोगों को कंबल देने के लिए हिन्द ए आवाज वेलफेयर से जुड़े युवाओं के साथ सज्जाद खान और जुबैर खान पहुंचे।

टीम और दान-दाताओं के सहयोग से देंगे सेवा

उन्होंने बताया कि 2009 से संस्था से जुड़े लोग 35 से 40 हजार के स्वेटर, शॉल और कंबल खरीदने के बाद बांटने के लिए निकलते हैं।

दिन में अलग-अलग कॉलोनी क्षेत्र की झुग्गी बस्तियों में रहने वाले मजदूर वर्ग के बच्चों को स्वेटर और शॉल और जैकेट बांटने के लिए जाते हैं। इस साल भी तीन हजार से ज्यादा जरूरतमंदों को गर्म कपड़े और कंबल बांटने का लक्ष्य रखा गया है। अभी तक 700 से ज्यादा लोगों को गर्म कपड़े उपलब्ध कराने का प्रयास किया है। इस तरह की पहल जनवरी तक समय-समय पर किया जाएगा। इस साल ठंड को देखते हुए दान-दाताओं की मदद से भी लोगों को सहयोग देने का प्रयास किया जाएगा। इसके लिए तैयारी की जा रही है।

कॉलोनियों से नहीं मिलते पर्याप्त गर्म कपड़े

कुछ साल पहले पॉश कॉलोनियों में बाक्स लगाकर पुराने गर्म कपड़े जुटाने का प्रयास किया जाता था। सज्जाद खान ने बताया कि इस प्रयास के बाद भी पर्याप्त कपड़े नहीं मिलने से अब हमने पैसा जमा करके उससे गर्म कपड़े खरीदकर बांटते हैं। सिलतरा, सांकरा के साथ रामनगर में गरीब परिवारों की मदद के लिए गर्म कपड़े उपलब्ध करवाने के लिए ग्रुप ने दस्तक दी। रेलवे स्टेशन परिसर में सोने वाले लोगों को भी कंबल बांटने की पहल शुरू की गई है। वहीं, आमासिवनी क्षेत्र में बच्चों को फ्री कोचिंग देने वाली सुधा सोसायटी फाउंडेशन के संस्थापक जीके भटनागर की अगुवाई में युवाओं की टीम मोवा, दलदल सिवनी क्षेत्र की बस्तियों में गर्म कपड़ों के अभाव में घूमते लोगों को सहयोग देने निकलती है।

बच्चों को कोट, स्वेटर और कपड़े भी दे रहे

फाउंडेशन के मेंबर्स ने बताया कि हर साल आसपास की कॉलोनियों में रहने वाले लोगों से शादी-सगाई, जन्मदिन के अवसर पर गर्म कपड़े डोनेट करवाए जाते हैं। अभी तक दान-दाताओं के सहभागिता से 200 से ज्यादा बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को जरूरत के अनुरूप कोट, स्वेटर और कंबल के साथ कपड़े भी उपलब्ध करवा रहे हैं, ताकि ठंड से ऐसे जरूरतमंदों को राहत दी जा सके। इसके लिए फाउंडेशन से जुड़े लोग भी आर्थिक सहभागिता निभाते हैं। इस बार एक हजार से ज्यादा लोगों को कपड़े उपलब्ध कराने का लक्ष्य तय किया है।

एकल अभिनय में अहिल्या के चरित्र का किया वर्णन

रायपुर। रविवार को वृंदावन हॉल में रायपुर रीडर्स क्लब की ओर से टॉक शो का आयोजन किया गया। इसमें पौराणिक कथाओं और आधुनिक लेखन शैली पर आधारित 'अहिल्या ' पुस्तक पर चर्चा की गई। इस मौके पर किताब की लेखिका कविता केन और कोरल दासगुप्ता उपस्थित रहीं। जिन्होंने अहिल्या के किरदार को दर्शाया, जो लोगों के लिए खास आकर्षण का केंद्र रहा। इस दौरान कलाकार पंखुड़ी के एकल अभिनय ने समां बांधा। अपने प्रभावशाली अभिनय और संवाद अदायगी से अहिल्या की पीड़ा और शक्ति को मंच पर जीवंत कर दिया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा है। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक डॉ. ऐश्वर्या राठौर और अक्षत लाखे रहे।

जीवन गाथा मुख्य आकर्षण का केंद्र

लगभग 30 मिनट की प्रस्तुति में पंखुड़ी ने अलौकिक सुंदरता और बुद्धिमत्ता के प्रतीक अहिल्या के चरित्र का वर्णन किया। जिसे वर्तमान परिस्थितियों से भी जोड़ा गया है, जहां महिलाओं के जीवन संबंधित निर्णय आज भी उन्हें नहीं लेने दिया जाता। उन्हें आज भी घर के बड़े-बुजुर्गों की सलाह के लिए कहा जाता है। जहां महिलाओं के मनोभाव को प्रस्तुत किया गया है।

10वीं व 12वीं की परीक्षा की तारीखों की घोषणा के बाद शिक्षकों ने शुरू किए नवाचार

स्कूल पिकनिक की मनाही तो छुट्टियों पर टीचर्स स्पेशल क्लास लगा कमजोर विद्यार्थियों को बता रहे परीक्षा में सफल होने का गुरुमंत्र

कार्नर न्यूज

रायपुर। स्कूल की लंबी छुट्टियों पर विद्यार्थियों को पिकनिक ले जाने की शिक्षा विभाग की मनाही है। ऐसे में छुट्टियों पर टीचर्स कमजोर विद्यार्थियों को चिन्हांकित कर पढ़ा रहे हैं। छुट्टी के दिन स्कूल में स्पेशल क्लास लगाकर अंग्रेजी, गणित, फिजिक्स, केमिस्ट्री, विज्ञान, कॉमर्स जैसे कठिन विषयों में कमजोर विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी कराई जा रही है। स्पेशल क्लास में स्कूल के इच्छुक मेधावी व दूसरे विद्यार्थी भी शामिल हो सकते हैं। जेएन पांडे स्कूल के प्राचार्य सूचिता पांडे ने बताया कि स्कूल की शीतकालीन या अन्य किसी भी लंबी छुट्टियों पर पिकनिक ले जाने की परमिशन या बजट नहीं है। इसकी जगह हम वार्षिक बोर्ड परीक्षा सहित दूसरे इंट्रेस्ट व कंपीटिशन एग्जाम की तैयारियां बच्चों को करा रहे हैं। इसके लिए संबंधित विषयों के शिक्षकों को स्पेशल कक्षाएं लगाने की

जिम्मेदारी दी गई है। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ शिक्षा बोर्ड ने 10वीं व 12वीं की परीक्षा की तारीखों की घोषणा कर दी है। ऐसे में मेधावी व कमजोर दोनों ही तरह के विद्यार्थी परीक्षा की तैयारियों में जुट गए हैं। ऐसे में यह स्पेशल क्लासेस उन विद्यार्थियों को परीक्षा में सफलता दिलाने में मददगार साबित होगा, जो रेगुलर क्लासेस में समझ पाने में असमर्थ रह जाते हैं। इस स्पेशल क्लास को लेकर बच्चों में उत्साह का माहौल है। विद्यार्थी शीतकालीन छुट्टियों पर कहीं फैमिली टूर या पिकनिक पर न जाकर बड़ी संख्या में स्पेशल क्लास में पढ़ाई करने पहुंच रहे हैं। बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत ही कम समय शेष रह गया है। ऐसे में शिक्षकों का मानना है कि स्कूल द्वारा यह प्रयोग विद्यार्थियों की परीक्षा में सफलता दर को बढ़ाने में उपयोगी सिद्ध होगा।

प्रत्येक शनिवार को योग व रचनात्मक गतिविधियां भी

शहर के सरकारी स्कूलों में प्रत्येक शनिवार को विद्यार्थियों के मन व सेहत को रिफ्रेसमेंट देने उनके लिए योग की कक्षाएं, पेंटिंग, सिंगिंग, स्वच्छता अभियान, प्लांटेशन जैसे रचनात्मक गतिविधियां भी कराया जा रहा है। इसके लिए स्कूल के शिक्षकों के अलावा स्पेशल एक्सपर्ट को स्कूल प्रबंधन हायर कर रहा है। दानी गर्ल्स स्कूल के प्राचार्य हितेश दीवान ने बताया कि प्रत्येक शनिवार को विद्यार्थी योगा, क्रॉप्टिंग, गीत-संगीत, खेल-कूद जैसी रचनात्मक गतिविधियों में भाग ले रहे हैं। इस रचनात्मक क्रियाक्लाप से उन्हें पढ़ाई के बीच में रिफ्रेसमेंट मिल जा रहा है। फिर बाकी दिन क्लास में पूरे तरोताजा एवं स्वस्थ मन से पढ़ाई भी कर रहे हैं।

विद्यार्थियों की बौद्धिक व शारीरिक विकास में सहायक

शिक्षकों का कहना है कि स्पेशल क्लासेस से जहां विद्यार्थियों का शिक्षा का स्तर उच्च हो रहा है, वहीं रचनात्मक गतिविधियां उन्हें विविध विधाओं में दक्ष बनाने में सहायक सिद्ध हो रहा है। इस तरह से स्कूल के शिक्षकों व स्कूली शिक्षा विभाग दोनों ही निरंतर विद्यार्थियों के बौद्धिक व शारीरिक विकास को लेकर प्रयोग कर रहा है। इससे बच्चों में भी स्कूल में नियमित उपस्थिति, पढ़ाई के प्रति लगाव और आपस में फ्रेंडली वातावरण का निर्माण हो रहा है।

सिटी स्पोर्ट्स

अंडर 19 कूच बेहार ट्रॉफी में वेदांश के शानदार 82 नाबाद रन

रायपुर। बीसीसीआई की ओर से मेंस अंडर 19 कूच बेहार ट्रॉफी 16 नवंबर से जारी है। जिसमें छत्तीसगढ़ की टीम का दूसरा चार दिवसीय मैच (23-26 नवंबर) सहारनपुर, उत्तर प्रदेश में उत्तर प्रदेश अंडर-19 टीम के विरुद्ध खेला गया। पहले दिन उत्तर प्रदेश अंडर 19 ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। छत्तीसगढ़ ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अपनी पहली पारी में 77 ओवरों में 10 विकेट खोकर केवल 180 रन बनाये। छत्तीसगढ़ की ओर से वेदांश खेड़िया ने शानदार 82 नाबाद रन बनाये, उनके अतिरिक्त फैज खान ने 28 रन तथा शिवम यादव ने 21 रन बनायें। उत्तर प्रदेश टीम की ओर से अयान अकरम ने 4 विकेट एवं आदित्य कुमार सिंह ने 3 विकेट प्राप्त किए। पहले दिन की समाप्ति तक उत्तर प्रदेश ने अपनी पहली पारी में 11 ओवरों में 1 विकेट खोकर 41 रन बना लिये हैं। पहले दिन की समाप्ति तक उत्तर प्रदेश 139 रनों से पीछे है।

नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप के लिए स्टेट ट्रायल दिया खिलाड़ियों ने

रायपुर। 49वीं जूनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट वॉलीबॉल एसोसियेशन की ओर से रविवार को सप्रे स्कूल वॉलीबॉल मैदान में चयन ट्रायल आयोजित किया गया। ट्रायल में राज्य के विभिन्न जिलों से आए लगभग 300 बालक एवं बालिका खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस चयन ट्रायल्स में 1 जनवरी 2008 के बाद जन्मे खिलाड़ियों को शामिल किया गया था। चयन समिति द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर दोनों वर्गों से 20–20 खिलाड़ियों को प्रारंभिक चयन किया गया है। चयनित खिलाड़ियों का प्रशिक्षण शिविर ज्वांगा एजुकेशन हब, दंतेवाड़ा में लगाया जाएगा। प्रशिक्षण शिविर पूर्ण होने के पश्चात दोनों वर्गों से 12–12 खिलाड़ियों की अंतिम टीम तैयार की जाएगी, जो 16 से 21 दिसंबर तक झुंझुनू (राजस्थान) में आयोजित होने वाली 49वीं जूनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगी।

अंडर-14 के ज्यादातर मैच हुए ड्रॉ

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ की ओर से अंडर-14 दो दिवसीय अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत रविवार को विभिन्न टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले हुए। बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड सेक्टर-1 में टीम भिलाई क्रिकेट एसोसिएशन ने रायगढ़ के विरुद्ध एक पारी एवं 59 रन से जीत हासिल कर 7अंक प्राप्त किए। राजनांदगांव में टीम रायपुर ने बिलासपुर के विरुद्ध 9 विकेट से जीत हासिल कर छह अंक प्राप्त किए। धमतरी में टीम रायपुर ब्लू विरुद्ध जशपुर का परिणाम ड्रॉ रहा। पहली पारी की बढ़त के आधार पर रायपुर ब्लू को तीन अंक मिले एवं जशपुर को एक अंक मिला। न्यू ग्राउंड कांकेर में टीम प्लेट कंबाइंड विरुद्ध राजनांदगांव का परिणाम ड्रॉ रहा। पहली पारी के बढ़त के आधार पर प्लेट कंबाइंड को तीन अंक मिले। राजनांदगांव को एक अंक मिले। सेमी फाइनल मैच 25 एवं 26 नवम्बर को बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड सेक्टर-1 में भिलाई क्रिकेट एसोसिएशन एवं प्लेट कंबाइंड के मध्य खेला जाएगा। दूसरा सेमीफाइनल मैच राजनांदगांव में रायपुर एवं रायपुर ब्लू के मध्य खेला जाएगा।

बॉल बैडमिंटन की जूनियर टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंची

भिलाई। 25वीं छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय जूनियर बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता 21 से 23 नवम्बर तक बलौदाबाजार के पलारी में आयोजित हो रही है। जिसमें बिलासपुर जिले की बॉल बैडमिंटन टीमें ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। बिलासपुर बालक टीम ने पहला मैच में पूर्व चैंपियन दुर्ग जिला को 35-18, और 35-18 से लगातार दो सेटों में हराकर पहला मुकाबला जीता, दूसरे मुकाबले में बालक टीम ने बेमेतरा जिला को 35-13 और 35-24 से हराया, तीसरे मैच में कबीरधाम को 35-28 और 35-32 से हराया। बालिका टीम ने पहले मैच में रायगढ़ को 35-24 और 35-18 से हराया, और दूसरे मैच में बालिका टीम ने गौरेला पेंड्रा मरवाही जिला को, 35-08 और 35-16 हराया, और तीसरे मैच में बस्तर को 35-31 और 35-33 से हराया, चौथे लीग मैच में गरियाबंद को 35-11 और 35-23 से क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किये। जिला से बालिका मे नैसी तिर्की, अलीना, तानिया ने शानदार प्रदर्शन किया, वही बालक वर्ग मे लियान, दीपांश, किशन आयुष ने शानदार प्रदर्शन किया।

डाक्टर की सलाह लें और अपने खानपान पर दें विशेष ध्यान

रिपोर्ट में आ गया है फैटी लिवर तो तुरंत शुरू कर दें ये उपाय, जल्द दूर कर सकते हैं अपनी यह समस्या

हमारे शरीर के सबसे जरूरी ऑर्गन्स में से एक लिवर माना जा सकता है। लिवर के साथ दिक्कत यह होती है कि एक बार इसमें कुछ गड़बड़ी शुरू हो गई, तो शरीर के कई अन्य फंक्शन्स में भी दिक्कत होने लगेगी। लिवर की कोई भी बीमारी अगर शुरू हो रही है, तो उसके पहले आपका शरीर आपको धीरे-धीरे संकेत देने लगेगा। लिवर शरीर के ऐसे हिस्से में मौजूद होता है जहां जरा सी भी जलन या दर्द आपके पेट, आंतों और दाहिनी तरफ के हिस्से पर असर डाल सकती है।

लिवर का सबसे जरूरी फंक्शन होता है हमारे शरीर में बाइल जूस को बनाना जिससे न्यूट्रिएंट्स जैसे फैट्स और विटामिन ठीक तरह से डाइजेस्ट हो सकें। अगर यही काम किसी वजह से अटकता है, तो फैटी लिवर डिजीज हो जाती है। इसके बारे में फोर्टिस हॉस्पिटल आनंदपुर (कोलकाता) के गैस्ट्रोएंटरोलॉजी डिपार्टमेंट के असोसिएट कंसल्टेंट डॉक्टर तुहिन मित्रा ने विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह सबसे कॉमन लिवर डिजीज है जिस पर अगर ध्यान ना दिया गया, तो आगे चलकर यह बहुत सीरियस हेल्थ कंडीशन बन जाती है।

क्या है फैटी लिवर?

यह नॉन एल्कोहॉलिक फैटी लिवर डिजीज है। जैसा कि नाम है यह बिल्कुल वैसा ही है कि लिवर के इर्द-गिर्द फैट्स बहुत जम जाते हैं। इसके कारण बाइल जूस ठीक से नहीं बन पाता और आपके लिवर को एक्स्ट्रा काम करना पड़ता है। इस हेल्थ कंडीशन से अधिकतर लोग परेशान हैं।

क्यों होता है फैटी लिवर?

फैटी लिवर होने का सबसे अहम कारण है अल्कोहल का सेवन। जो लोग ज्यादा अल्कोहल पीते हैं उनका लिवर इस समस्या से ज्यादा परेशान हो सकता है। कुछ मामलों में यह तम्बाकू और अनडाइल्यूटेड स्पिरिट्स या दवाओं के कारण भी हो सकता है। इसके साथ ही, यह बीमारी ऐसे लोगों को भी हो सकती है जो अल्कोहल नहीं लेते और इस केस को नॉन एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीस (एनएएफएलडी) कहा जाता है। यह इन्फेक्शन, जेनेटिक्स, टाइप 2 डायबिटीज, ओवरवेट, एक्स्ट्रा फैट आदि बहुत सी चीजों के कारण हो सकती है। कई बार ट्राइग्लिसराइड्स जैसी समस्या के कारण लिवर फैट बढ़ जाता है।

अगर यह अल्कोहल की वजह से नहीं है, तो लिवर को मूलभूत कोई नुकसान ना हुआ हो ऐसा मुमकिन है। इस मामले में लिवर की सूजन और अन्य तरह का डैमेज तब शुरू होता है जब फैटी लिवर को कम करने के लिए कुछ नहीं किया जाता। इस कंडीशन को नॉन एल्कोहलिक स्टीयटो हेपेटाइटिस (एनएएसएच) कहा जाता है।

फैटी लिवर से डील करने के तरीके

डॉक्टर तुहिन मित्रा के मुताबिक, अगर फैटी लिवर परेशान कर रहा है, तो लाइफस्टाइल को बदलना बहुत

जरूरी है। ऐसे में आपको सही मात्रा में खाना-पीना करना होगा। अपने वजन का ध्यान रखना होगा, बहुत ज्यादा अल्कोहल पीना बंद करना होगा।

ऐसे मामले में सबसे पहले आपको अपना वजन कम करने की जरूरत है। अगर किसी को फैटी लिवर की समस्या है, तो उसे कम से कम 7% बॉडी वेट कम करना होगा। इस वेट लॉस और एक्टिविटी का असर शरीर में मौजूद एक्स्ट्रा फैट्स पर होगा जिससे लिवर की समस्या ठीक होने लगेगी। अगर कोई और बीमारी है जिसकी वजह से वेट लॉस मुमकिन नहीं है, तो आप एक बार किसी डाइटीशियन से भी कंसल्ट करें जो आपको सही फिटनेस रिजीम बनाकर दे।

फैटी लिवर होने पर खाएं इस तरह के फूड्स

आपको अपनी डाइट में फ्रूट्स और सब्जियों को शामिल करना होगा। इसमें खासतौर पर हरी पत्तेदार सब्जियां खाना जरूरी है। हाई फाइबर फूड्स जैसे दाल, ओटमील, नट्स आदि बहुत जरूरी है।

राज्य के दिव्यांग तैराकों ने राष्ट्रीय स्पर्धा हैदराबाद में जीते 11 पदक

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश के दिव्यांग तैराकों ने राष्ट्रीय स्पर्धा कुल 11 पदक जीते। जिसमें 03 स्वर्ण, 06 रजत एवं 02 कांस्य पदक लेकर छत्तीसगढ़ के दिव्यांग तैराकों ने अपना कौशल दिखाया। 25 वीं राष्ट्रीय पैरा दिव्यांग तैराकी प्रतियोगिता 15 से 18 नवंबर तक भारतीय खेल प्राधिकरण तरण ताल हैदराबाद (तेलंगाना) में आयोजित की गई थी।

स्पर्धा में राज्य के दिव्यांग तैराकी दल में 19 पुरुष तैराक 05 महिला तैराक एवं 02 कोच 02 मैनेजर व तैराकों के सहयोगी 05 कुल 33 सदस्य शामिल हुए। दिव्यांग तैराकों ने इस स्पर्धा में अपना भाग्य आजमा कर छत्तीसगढ़ राज्य का तैराकी के क्षेत्र में झंडा ऊंचा रखते हुए राज्य को गौरांवित किया।

पुरुष वर्ग में सीनियर में रोहित कुमार गोंड जीपीएम ने 02 स्वर्ण एवं 01 रजत पदक, परमानंद कोसले बिलासपुर ने 02 रजत पदक, जंतराम पनिका जीपीएम ने 01 कांस्य पदक, जूनियर वर्ग में सतेंद्र राम जशपुर ने 01 रजत पदक, सब जूनियर वर्ग में अभिनव राज रायपुर ने 01 स्वर्ण और 02 रजत पदक जीते। वहीं महिला वर्ग में मोहनी मरावी जीपीएम ने 01 कांस्य पदक जीते। इस प्रकार प्रदेश के दिव्यांग तैराकों ने 03 स्वर्ण पदक, 06 रजत पदक और 02 कांस्य पदक सहित कुल 11 पदक पदक प्राप्त किए। प्रदेश दिव्यांग तैराकी दल की कोच दुर्गा यादव वीर हनुमान सिंह अवॉर्डी पुरुष वर्ग कोच गणेश राम, मैनेजर गोपाल यादव थे।प्रतियोगिता में पदक प्राप्त करने पर अमरजीत छाबड़ा अध्यक्ष, प्रशांत रघुवंशी उपाध्यक्ष, डीकेश टंडन महासचिव पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन, तिलकेश आदि ने बधाई दी है।

अब बिना घिसे ऐसे साफ होगी जली हुई कड़ाही, बस इन चीजों का करें इस्तेमाल

कढ़ाही का इस्तेमाल हम सभी करते हैं। कढ़ाही में रोजाना खाना बनने के कारण यह काफी ज्यादा गंदा हो जाता है। वहीं लापरवाही के चलते कई बार हमारी कड़ाही जल भी जाती है। कई लोग जले हुए कड़ाही पर तब तक ध्यान नहीं देते हैं, जब तक यह देखने में गंदा ना लगने लगें। अगर आप भी कड़ाही की सफाई समय- समय पर नहीं करती हैं तो यह देखने में काफी गंदा लगने लगता है। आप चाहे तो कुछ आसान टिप्स की मदद से जली हुई कड़ाही को भी मिनटों में चमका सकती हैं। इसे चमकाने के लिए आपको केवल 3 चीजों की जरूरत होगी।

खपरैल से करें कड़ाही की सफाई

खपरैल की मदद से आप अपने जले हुए कड़ाही की सफाई मिनटों में कर सकती हैं। इसके लिए आपको केवल बालू लेना होगा। पहले बालू को कड़ाही पर लगाएं और फिर खपरैल की मदद से कड़ाही की सफाई करें। ऐसा करने पर आपका कड़ाही साफ हो जाएगा। जले हुए लकड़ी जिसे आम भाषा में राख कहा जाता है इसकी मदद से भी आप चाहे तो कड़ाही की सफाई कर सकती हैं। राख की मदद से कड़ाही की सफाई मिनटों में हो जाती हैं। अगर आपका कड़ाही काफी ज्यादा जल गया है तो आपको अपने कड़ाही को राख की मदद से साफ करना चाहिए। खपरैल लें और फिर राख लगाएं ऐसे में आपका कड़ाही मिनटों में साफ हो जाएगा।

सैंड पेपर से करें कड़ाही की सफाई

सैंड पेपर की मदद से आप चाहे तो कड़ाही की सफाई मिनटों में कर सकती हैं। सैंड पेपर का इस्तेमाल केवल घर की सफाई के लिए ही नहीं बल्कि कड़ाही की सफाई के लिए भी किया जा सकता है। हालांकि आपको ज्यादा जोड़ लगाकर सैंड पेपर से कड़ाही की सफाई नहीं करना चाहिए। इससे आपका कड़ाही खराब हो सकता है।

द्वितीय छत्तीसगढ़ राज्य मास्टर्स रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता के मुकाबले अंतिम चरण में

रायपुर। छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ की छत्तीसगढ़ वेटरन्स टेबल टेनिस समिति की ओर से रविवारको सप्रे शाला टेबल टेनिस हाल, बुढ़ापारा, रायपुर में जारी द्वितीय छत्तीसगढ़ राज्य मास्टर्स रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता-2025 में पुरुष एकल (आयु वर्ग 40), पुरुष एकल (आयु वर्ग 50), पुरुष एकल (आयु वर्ग 60), पुरुष एकल (आयु वर्ग 65), पुरुष एकल (आयु वर्ग 70), पुरुष एकल (आयु वर्ग 75) एवं महिला एकल (आयु वर्ग 40), महिला एकल (आयु वर्ग 60) के अंतिम दौर के सुपर लीग के मुकाबले खेले जा रहे हैं।

उक्त प्रतियोगिता के सम्बन्ध में आयोजन सचिव प्रदीप जोशी ने बताया कि प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ एवं उड़ीसा सब एरिया के सेना मेडल, कमांडर ब्रिगेडियर तेजिंदर सिंह बावा थे। अध्यक्षता रायपुर उत्तर के पूर्व विधायक एवं छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के अध्यक्ष कुलदीप जुनेजा ने की तथा विशेष अतिथि छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष शरद शुक्ला थे। मंच पर श्रीमती कुक्की बावा, छत्तीसगढ़ वेटरन्स टेबल टेनिस समिति के चेयरमेन प्रदीप जनवदे, छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के उपाध्यक्ष एवं आयोजन सचिव प्रदीप जोशी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के सह सचिव विमल नायर ने किया। प्रतियोगिता में सभी वर्गों के सुपर लीग के मुकाबले खेले जा रहे हैं जिसमें इन पंक्तियों के लिखे जाने तक मैचों के अंतिम परिणाम निम्नानुसार है:-

पुरुष एकल (आयु वर्ग 40):- ए. संतोष (दुर्ग), शैलेश डागा (रायपुर), शिरीष देव (रायपुर), रजनीश ओबेराय (दुर्ग), चिरंजीत राय (रायपुर महानगर), दीपक वर्मा (रायपुर), मंधार कुलकर्णी (रायपुर), निशांत क्रानूगा (रायपुर) के मध्य मुकाबले खेले जा रहे हैं जिसमें ए. संतोष (दुर्ग), शैलेश डागा (रायपुर), रजनीश ओबेराय (दुर्ग) अपने मैच जीतकर आगे चल रहे हैं।

पुरुष एकल (आयु वर्ग 50):- विनय बैसवाड़े (रायपुर), राजेश अग्रवाल (रायपुर), डी. साईं कृष्णा (बिलासपुर), राजशेखर शर्मा (रायपुर महानगर), प्रमोद शार्दुल (धमतरी), राकेश यादव (रायपुर महानगर) के मध्य मुकाबले खेले जा रहे हैं जिसमें विनय बैसवाड़े (रायपुर), राजशेखर शर्मा (रायपुर महानगर), राजेश अग्रवाल (रायपुर) अपने मैच जीतकर आगे चल रहे हैं।

पुरुष एकल (आयु वर्ग 60):- हनी अरोरा (बिलासपुर), पवन सादीजा (रायपुर), अरविन्द कुमार शर्मा (रायपुर महानगर), किशोर जादवानी (रायपुर), संजय लहेजा (बिलासपुर), एल.एस. साहू (दुर्ग), गिरिराज बागड़ी (रायपुर), योगेश प्रधान (रायपुर) के मध्य मुकाबले खेले जा रहे हैं जिसमें संजय लहेजा (बिलासपुर), गिरिराज बागड़ी (रायपुर), योगेश प्रधान (रायपुर) अपने मैच जीतकर आगे चल रहे हैं।

पुरुष एकल (आयु वर्ग 65):- पी.एन. मजुमदार (कोरिया), के. रविशंकर (बिलासपुर), हरीश पांडे (रायपुर), अजीता बेनर्जी (रायपुर), आर.एन. केलकर (दुर्ग), दिलीप जैन (धमतरी) के मध्य मुकाबले खेले जा रहे हैं जिसमें पी.एन. मजुमदार (कोरिया), के. रविशंकर (बिलासपुर), हरीश पांडे (रायपुर) अपने मैच जीतकर आगे चल रहे हैं।

पुरुष एकल (आयु वर्ग 70):- सुरजीत सेनगुप्ता (बिलासपुर), प्रदीप जनवदे (रायपुर), के.बी. सिंह (रायपुर), विनोद पटेरिया (रायपुर), एम.आर. निरापुरे (रायपुर महानगर), टी.के. डे (बिलासपुर) के मध्य मुकाबले खेले जा रहे हैं जिसमें सुरजीत सेनगुप्ता (बिलासपुर), प्रदीप जनवदे (रायपुर), के.बी. सिंह (रायपुर) अपने मैच जीतकर आगे चल रहे हैं। पुरुष एकल (आयु वर्ग 75):- डा. भरत अग्रवाल (खैरागढ़), एच.डी. चौधरी (खैरागढ़), प्रदीप सूद (दुर्ग), ए.बी. पुरंग (दुर्ग), एम.सी. जैन (दुर्ग), अरुण पटेल (धमतरी) के मध्य मुकाबले खेले जा रहे हैं जिसमें डा. भरत अग्रवाल (खैरागढ़), ए.बी. पुरंग (दुर्ग), अरुण पटेल (धमतरी) अपने मैच जीतकर आगे चल रहे हैं।

पाचन-शुगर लेवल को ठीक रखेगी एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर सब्जियां, सेहत पर दिखने लगेगा असर

सर्दियों का ये मौसम अपने साथ कई प्रकार की सब्जियां और फलों को लेकर आता है जिन्हें संपूर्ण सेहत के लिए विशेष लाभकारी माना जाता है। इस मौसम में मिलने वाली हरी मटर ऐसी ही बेहद फायदेमंद सब्जी है जिसके सेवन के कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ हो सकते हैं। एंटीऑक्सीडेंट सहित कई प्रकार के पोषक तत्वों से भरपूर हरी मटर का सेवन आपको कई स्वास्थ्य समस्याओं से बचाने में भी लाभकारी हो सकती है। मटर, फलियों के समूह वाली सब्जी है।

कई पोषक तत्वों से भरपूर है मटर : हरा मटर कई विटामिन्स, प्रोटीन और फाइबर जैसे मैक्रोन्यूट्रिएंट्स का अच्छा स्रोत है। प्रति 100 ग्राम मटर के सेवन से 4 ग्राम फाइबर, मैग्नीशियम की दैनिक आवश्यकताओं का 18 प्रतिशत, विटामिन के का 17, विटामिन सी का 12.6 फीसदी प्राप्त किया जा सकता है। ये सभी पोषक तत्व शरीर को बेहतर तरीक से काम करने में सहायक हैं और आपको कई प्रकार की बीमारियों से बचाने में भी मदद करते हैं।

आंखों की बीमारियों से मिलती है सुरक्षा : मटर में कैरोटीनॉयड, ल्यूटिन और जेक्सैंथिन जैसे तत्व होते हैं, ये आपकी आंखों को मोतियाबिंद और उम्र से संबंधित होने वाली डिजनरेशन जैसी बीमारियों से बचाने में सहायक हैं। ल्यूटिन और जेक्सैन्थिन हानिकारक नीली रोशनी से फिल्टर के रूप में कार्य करते हैं, ऐसे में अगर आप मटर का सेवन करते हैं तो आंखों को स्वस्थ रखने में ये काफी लाभकारी हो सकती है।

पाचन स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद : मटर में कूमेस्ट्रोल नामक पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में होता है जो पेट की बीमारियों यहां तक कि कैंसर से बचाने में भी भूमिका निभाता है। 2009 में मेक्सिको सिटी में किए गए एक अध्ययन से पता चला कि मटर और अन्य सब्जियों के दैनिक सेवन से पेट के कैंसर का खतरा 50% कम हो सकता है। इसके अलावा मटर में फाइबर भी उच्च मात्रा में पाया जाता है, जो पाचन को ठीक रखने और कब्ज जैसी दिक्कतों को कम करने के लिए जरूरी है।

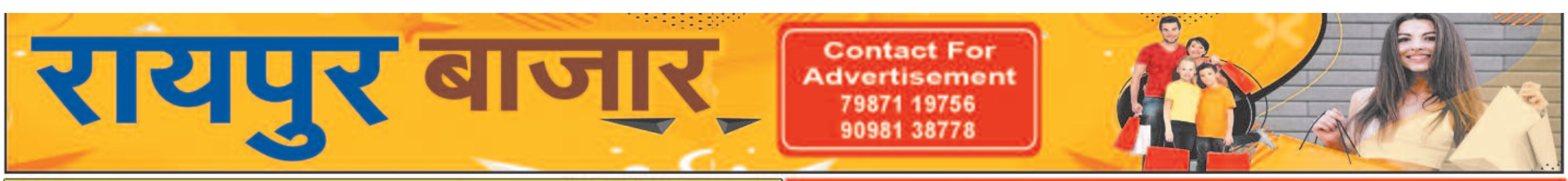

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

'ब्लैक पैंथर' फेम दिवंगत चैडविक को मिला हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम

दिवंगत हॉलीवुड स्टार चैडविक बोसमैन, जिन्हें ब्लैक पैंथर के किरदार के लिए जाना जाता है। अभिनेता को मरणोपरांत लॉस एंजिल्स में एक समारोह के दौरान हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम स्टार से सम्मानित किया गया। इस समारोह में दिवंगत एक्टर की पत्नी सिमोन लेडवर्ड भावुक दिखीं। इस दौरान अभिनेता के परिवार वाले और कुछ करीबी लोग भी शामिल रहे। साल 2020 में अभिनेता चैडविक बोसमैन ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया था। समारोह में दिवंगत एक्टर को 'हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम' का खिताब मिला। इस खास अवसर पर अभिनेता की पत्नी सिमोन लेडवर्ड मौजूद थीं और दिवंगत पति को सम्मान मिलता देख भावुक दिखीं। सिमोन ने चैडविक बोसमैन के जूते उनके स्टार पर रखे, जो प्रतीकात्मक रूप से उनकी स्थायी उपस्थिति का प्रतीक था। सिमोन लेडवर्ड-बोसमैन ने अपने दिवंगत पति के बार बात की। उन्होंने कहा, 'चैडविक ने हम सभी को बहुत कुछ सिखाया। उनका हृदय इतना विशाल था कि वे प्रत्येक व्यक्ति को अपना एक खास अंश दे सकते थे और दुनिया के साथ साझा करने के लिए उनके पास अभी भी बहुत कुछ बचा है।' आगे उन्होंने कहा, 'हम आपके कौशल और आपकी निष्ठा को पहचानते हैं, और हम एक हीरो और एक आदर्श के रूप में आपकी विरासत को प्रस्तुत करते हैं। आपने सम्मान के साथ जीवन जिया और सच्चाई के मार्ग पर चले। आप जितने सुंदर थे, उतने ही प्रतिभाशाली भी थे। साथ ही जितने दयालु थे, उतने ही साहसी भी। हम आपसे प्यार करते हैं। हमें आपकी याद आती है। हम आपका धन्यवाद करते हैं।'

टॉलीवुड

स्त्री शक्ति पर रश्मिका मंदाना ने लिखी क्रिप्टिक पोस्ट, फैंस के बीच हुई वायरल

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच उन्होंने इंस्टाग्राम पर 'स्त्री ऊर्जा' यानी फेमिनिन एनर्जी के बारे में एक लंबी पोस्ट लिखी है। पोस्ट में उन्होंने बताया है कि असली स्त्री ऊर्जा क्या होती है। रश्मिका ने बताया है कि अगर कोई महिला अपने अंदर की आवाज से जुड़ जाती है, तो उसके अंदर कई बदलाव आते हैं। फैंस इसे गंभीरता से पढ़ रहे हैं। इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में रश्मिका ने लिखा 'स्त्री ऊर्जा में एक खास जादू होता है। जब आप खुद से जुड़ जाती हैं, तो आप चीजों को साफ-साफ देखने लगती हैं। लोगों को पहचान जाती हैं और स्थितियों को पहले से समझ जाती हैं। कई बार आपको लगता है कि कुछ गलत होने वाला है। आपका मन आपको सावधान करता है। हालांकि हम उसे नजरअंदाज कर देते हैं क्योंकि जिंदगी बहुत जटिल है।' रश्मिका ने आगे लिखा 'महिलाएं जब एक-दसरे को सहारा देती हैं और सिर्फ यह कहती हैं कि मैं तुम्हारे साथ हूं, तो एक अलग जादू होता है। उस कोमलता में बहुत ताकत होती है। स्त्री शक्ति कमजोर नहीं है। हां यह कोमल जरूर है लेकिन यह मजबूत है और प्यार से भरी हुई है। जब महिलाएं इस तरह की ऊर्जा के साथ एकजुट होती हैं तो उन्हें कोई रोक नहीं सकता।' रश्मिका ने आखिर में लिखा 'मैं देख रही हूं कि आप में से बहुत सी महिलाओं में यह शक्ति है। जिन्हें अभी तक इसके बारे में समझ नहीं है वह जल्द ही इसके बारे में समझेंगी और इसे महसूस करेंगी। जल्द ही इसे पा लेंगी और मजबूत स्त्री ऊर्जा बन जाएंगी।'

बॉलीवुड

चिकित्सा सेवाओं के बाजारीकरण के विरुद्ध समाज में जागरूकता बढ़ाएगी 'मानव मार्केट'

इस्पात नगरी भिलाई के जाने-माने रंगकर्मी और फिल्मकार गुलाम हैदर मंसूरी की बहुप्रतीक्षित हिंदी फिल्म 'मानव मार्केट' रिलीज के लिए तैयार है। इसका टीजर रिलीज हो चुका है, जिसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। अब एक दिसंबर को फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने जा रहा है, वहीं सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में फिल्म की रिलीज 19 दिसंबर 2025 को रखी गई है। यह फिल्म चिकित्सा सेवाओं के बाजारीकरण के विरुद्ध जन जागरूकता के मकसद से बनाई गई है। 'मानव मार्केट' के निर्माता गण कैलाश चंद्र अग्रवाल और निम्मी रोशन सावने बताते हैं कि छत्तीसगढ़ में एक संवेदनशील मुद्दे को लेकर फिल्म बनाने का प्रयास किया गया है क्योंकि यह एक ऐसा विषय है, जिससे समाज का हर वर्ग प्रभावित है। निर्मातागण का कहना है कि चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में जिस तरह एक तबका लूट पर उतारू है, उसके विरुद्ध आम जनता को जागरूक करने के उद्देश्य से यह फिल्म बनाई गई है। निर्माता कैलाश चंद्र अग्रवाल ने बताया कोरोना काल में वह स्वयं भी चिकित्सा पेशे के बाजारीकरण के भुक्तभोगी रहे हैं और उनका मकसद है कि इस लूटपाट पर रोक लगनी चाहिए। निर्देशक गुलाम हैदर मंसूरी ने बताया कि 'मानव मार्केट' बनाने का मकसद सिर्फ यही है कि हम सभी समाज में बढ़ती बाजारवाद की सोच के खिलाफ एकजुट और जागरूक रहें। जिससे स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सेवाओं का लाभ समाज के हर तबके को बराबर मिले। फिल्म में ओम त्रिपाठी, नेहा शुक्ला, बाली कुर्रे, योगेश अग्रवाल, सुरेश गोंडाले, प्रिया शर्मा, हर्षा सहारे, आरुषि पॉल, विनायक अग्रवाल, मुस्कान खान, शहाना परवीन, अनूप रे, देवेंद्र मोयल, मनोज शर्मा और हनी शर्मा ने मुख्य भूमिकाएं निभाई है।

लेस का ट्रेंड

ज़िमरमैन, डायर और क्लोएडोमिनिक चारिआउ जैसी मॉडल की वजह से लेस का फैशन ट्रेंड में है। लेस के डिजाइन फैशन जगत के पसंदीदा फॉल 2025 कलेक्शन में छाए हुए है। जो ग्लैमर का एक रोमांटिक एहसास जगा रहे थे। यहां डिजाइनर क्लोए, डायर, फेंडी, सेंट लॉरेंट, ज़िमरमैन, मैक्वीन, चैनल और स्टेला मेकार्टनी ने कई रंगों में विंटेज-प्रेरित लेस का इस्तेमाल किया, जिनमें से ज़्यादातर सफ़ेद और काले रंग में थे।

स्किन केयर रूटीन में विटामिन ए को शामिल करने से मिलेंगे फायदे

जब भी स्किन केयर की बात होती है तो अक्सर हम अपने ब्यूटी रूटीन में विटामिन ई और सी को शामिल करना पसंद करते हैं। यकीनन इन दोनों विटामिन से आपकी स्किन को बहुत अधिक लाभ मिलता है, लेकिन सिर्फ और सिर्फ इनसे ही आप ग्लोइंग स्किन नहीं पा सकते हैं। इसके लिए जरूरी है कि आप विटामिन ए भी लें।

अगर आप विटामिन ए रिच फूड्स लेते हैं या फिर उसे अपने स्किन केयर (स्किन केयर टिप्स) रूटीन में शामिल करते हैं तो इससे आपकी स्किन पर जल्द एजिंग साइन्स नजर नहीं आते हैं। दरअसल, इन फूड्स में बीटा कैरोटीन और प्रोविटामिन ए कैरोटीनॉयड होते हैं, जो फ्री रेडिकल्स से होने वाले डैमेज को दूर करते हैं। इससे स्किन पर फाइन लाइन्स और रिंकल्स जल्द नजर नहीं आते हैं और आपकी स्किन लंबे समय तक यंगर नजर आती है। यूवी किरणों के संपर्क में आने से हाइपरपिग्मेंटेशन (हाइपरपिग्मेंटेशन उपाय) और दाग-धब्बे हो सकते हैं। लेकिन अगर आप पर्याप्त मात्रा में विटामिन ए का सेवन करते हैं तो इससे स्किन को यूवी किरणों से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद कर सकता है। यह इस डैमेज को रिवर्स करता है और स्किन को सनबर्न और पिग्मेंटेशन से बचाता है।

मिलती है इवन टोन और ग्लोइंग स्किन

विटामिन ए को स्किन केयर रूटीन में शामिल करने का एक फायदा यह होता है कि इससे आपकी स्किन इवन टोन और ग्लोइंग नजर आती है। दरअसल, विटामिन ए पिगमेंटेशन को कम करती है और स्किन में एक चमक आती है। इतना ही नहीं, विटामिन ए क्रीम में मौजूद रेटिनोइड्स मेलेनिन का उत्पादन करने वाले एंजाइम के ब्लॉकर्स के रूप में काम करते हैं। इससे आपकी स्किन अधिक इवन टोन नजर आती है।

शादी में पहनना चाहती हैं साड़ी तो इन डिजाइन से लें प्रेरणा

शादी के दिन सुंदर दिखने का सपना तो हर लड़की देखती है। इसी के चलते अपनी शादी तय होने से पहले ही वो सोच के रखती हैं, कि उन्हें कैसा मेकअप कराना है, कैसी ज्वेलरी पहननी है और कैसा उनका शादी का जोड़ा होना चाहिए।

सबसे ज्यादा सोच विचार शादी में पहनने वाले लहंगे के लिए किया जाता है क्योंकि एक तो वो काफी महंगा आता है। दूसरा शादी का लहंगा इतना हैवी होता है कि उसे ज्यादा पहना नहीं जाता। ऐसे में बहुत सी लड़कियां अपनी शादी में लहंगे को छोड़कर साड़ी को पसंद कर रहीं हैं। दरअसल, ये ट्रेंड बॉलीवुड अभिनेत्रियों को देखते हुए दोबारा चलन में आ रहा है। बीते कुछ समय में कई अभिनेत्रियों ने अपनी शादी में लहंगे को साइड करके साड़ी को प्राथमिकता दी है। साड़ी भी पारंपरिक भारतीय परिधान है, ऐसे में ये पहनकर दुल्हन और ज्यादा खूबसूरत लगती हैं। अगर आप भी ऐसा कुछ सोच रहीं हैं तो ये लेख आपके लिए है। हम आपको कुछ ऐसी अभिनेत्रियों के लुक्स दिखाने जा रहे हैं, जिन्होंने अपनी शादी के दिन साड़ी पहनी थी। उनसे टिप्स लेकर आप अपनी खूबसूरती में चार चांद लगा सकती हैं।

चटक लाल रंग से दूर

अगर आप अपनी शादी में चटक लाल रंग से दूर रहना चाहती हैं तो आलिया का ये लुक आपके लिए एक बेहतर विकल्प है। आलिया भट्ट की वेडिंग साड़ी पर आइवरी शेड की हल्की सी साड़ी, जिस पर गोल्डन मोटिफ्स वर्क था। सब्यसाची की इस साड़ी में आलिया दुल्हन बनीं बेहद खूबसूरत लग रही थीं। उन्होंने अपने लुक को पूरा करने के लिए हैवी ज्वेलरी का चयन किया था।

हैवी लहंगा हो जाएगा दूर

राजकुमार राव के साथ सात फेरे लेने वालीं अभिनेत्री पत्रलेखा ने अपनी शादी में हैवी लहंगे को साइड करके एक लाल सुर्ख रंग की साड़ी को चुना। इसके साथ उन्होंने मैचिंग चुनरी भी कैरी की थी। आप भी चाहें तो पत्रलेखा की तरह लाल रंग की साड़ी अपनी शादी में पहन सकती हैं।

पसंद है क्रू कट हेयर स्टाइल तो इसके भी हैं कई पैटर्न, देखिए और अपने लिए चुनिए

क्रू कट हेयर स्टाइल आपने कभी न कभी जरूर आजमाया होगा। आपने नहीं तो आपके दोस्तों ने तो जरूर इसे कराया ही होगा। लेकिन इस कट के भी कई स्टाइल होते हैं।

इन स्टाइल को आप अपने स्टाइल के साथ मैच कर सकते हैं। ताकि आपका लुक अब तक का बेस्ट लुक बन जाए। लेकिन इससे पहले क्रू कट हेयर स्टाइल क्या होता है? ये जान लेते हैं क्योंकि कई बार हम हेयर स्टाइल करा तो लेते हैं लेकिन हमें उसका नाम पता ही नहीं होता है। क्रू कट को कई बार बज कट भी कहा जाता है। लेकिन दोनों में भी थोड़ा अंतर होता है। दरअसल क्रू कट हेयरस्टाइल में पीछे और साइड से बालों को बहुत हल्का कर दिया जाता है। इसमें ऊपर की ओर ज्यादा बाल छोड़े जाते हैं। ये तो इसका बेसिक स्टाइल है ही लेकिन इसमें भी काफी स्टाइल मिल जाते हैं। ऐसा ही एक स्टाइल है क्रू कट फेड । इस क्रू कट फेड को बेसिक स्टाइल के बेहद करीब पाया जाता है। इसमें ऊपर के बाल तो बड़े होते ही हैं, किनारे के बाल बिलकुल बारीक कर दिए जाते हैं। ब्रैड पिट और डेविड बैखम भी सी लुक को अपना चुके हैं। हाई फेड क्रू कट इस कट में किनारे के बाल तो छोटे होते हैं लेकिन ये काफी ऊपर तक छोटे किए जाते हैं। फोरहेड तक इन्हें छोटा कर दिया जाता है। मतलब सिर के ऊपर बहुत थोड़े बाल मिलते हैं। मिड फेड क्रू कट ये एक ऐसा क्रू कट है जो बालों की लंबाई और फेड दोनों को बैलेंस करता है। इसमें आपके टेम्पल और इयर के बीच से बालों को हल्का किया जाता है। इससे मॉडर्न लुक मिलता है।

त्योहार-शादियों में पहनें लाल चूड़ियों का नया सेट

त्योहार-शादियों पर हम एथनिक लुक ही ज्यादा पसंद करते हैं और कोई भी एथनिक लुक बिना चूड़ियों के अधूरा सा लगता है। खासतौर पर यदि आप विवाहित हैं,तो त्योहारों पर लाल चूड़ियां पहनने का क्रेज तो आपको होगा ही। इसलिए आज हम आपको लाल चूड़ियों के कुछ सेट डिजाइंस दिखाएंगे, जो आप इन खास मौके पर कैरी कर सकती हैं।

कुंदन और मोती वर्क वाली चूड़ियों

आजकल सिंपल चूड़ियों का फैशन है और इनके साथ हैवी और लाइटवेट कंगन पहन कर आप चूड़ी सेट को डिजाइनर लुक दे सकती हैं। रेड चूड़ियों की खासियत होती है कि आप इनके साथ किसी भी रंग की अन्य चूड़ियां कड़े आदि क्लब कर सकती हैं।

अगर आपको चमक-दमक पसंद है, तो आप मेटल के चौड़े गोल्डन कंगन खरीद सकते हैं। इसमें कटिंग डिजाइन वाले कंगन आजकल काफी ट्रेंड में हैं। इस तरह के कंगन यदि आप चूड़ियों के साथ पहनती हैं, तो बहुत ही एलिगेंट लुक आता है।

इसके अलावा आप लाल चूड़ियों के साथ कुंदन या फिर मोती वर्क वाले कंगन भी पहन सकती हैं। इसमें आपको बहुत सारी वैरायटी बाजार में मिल जाएंगी। यदि आप हैवी और लाइट दोनों तरह के कंगन को चूड़ियों के साथ सेट करना चाहती हैं तो आपको उन्हें भी मैचिंग का खरीदना चाहिए।

लाल चूडियों के साथ आप सफेद मोतियों वाले कड़े या फिर चूड़ियों को भी क्लब कर सकती हैं। लाल और सफेद का कॉम्बिनेशन बहुत ही अच्छा लगता है और एथनिक लुक देता है।

लाल चूड़ियों के साथ गोल्डन स्टोन

लाल प्लेन कांच की चूड़ियों के साथ आप गोल्डन कलर की स्टोन वर्क वाली चूड़ियों भी पहन सकती हैं। इस तरह की चूड़ियां में आपको ढेरों वैरायटी मिल जाएंगी और लाल रंग की चूड़ियों के साथ यह बहुत अच्छी भी नजर आती हैं। गोल्डन स्टोन वाली चूड़ियों में आपको चौड़ी और पतली दोनों तरह के डिजाइंस मिल जाएंगे। आप इनके साथ प्लेन और वर्क वाली रेड चूड़ियों भी लगवा सकती हैं।

कार्नर न्यूज

मेंस खुद की पसंद के बजाए देखने वालों की पसंद को दें तरजीह

मेंस फैशन में लड़कियों की पसंद को भी रखें ध्यान में, आपका ड्रेसिंग स्टाइल देता है लोगों का अट्रैक्शन

कई बार पुरुष सिर्फ वो कपड़े पहन लेना चाहते हैं जो उन्हें आराम दें। इस वक्त वो लुक्स के बारे में सोचते ही नहीं हैं। लेकिन हर बार ये सोच सही नहीं रहती है।इस सोच के साथ लड़कियां आपको पसंद नहीं करेंगी। मतलब हर बार आराम या मन को सुकून देने वाले कपड़े पहनना जरूरी नहीं होता है। ऐसे कपड़े तो बिल्कुल नहीं पहनने होते हैं जो आमतौर पर लड़कियों को नहीं भाते हैं। किस तरह के कपड़े लड़कियों को लड़कों पर बिल्कुल अच्छे नहीं लगते हैं। कपड़ों का कौन सा स्टाइल लड़कियों को लड़कों पर नहीं भाता है, जानते हैं-

फंकी सूट्स

सूट तो पुरुषों पर लड़कियों को अच्छे लगते हैं लेकिन हर तरह के सूट अच्छे लगें, ये जरूरी नहीं है। खासतौर पर फंकी स्टाइल के चटख रंगों वाले सूट लड़कियों को बिल्कुल नहीं भाते हैं। इसलिए डेट पर जाएं तो इन सूट को बिल्कुल पहन कर ना जाएं। साथ ही जो सूट पहनें, उनकी फिटिंग अच्छी रखें।

लो वेस्ट जींस

लो वेस्ट जींस का भले ही फैशन हो लेकिन बहुत ज्यादा लो वेस्ट जींस पुरुषों पर अच्छी नहीं लगती है। लड़कियों को ये ज्यादा स्किन शो वाला काम लगता है। स्मार्टनेस बिल्कुल नहीं आती हैं स्टाइल बिगड़ता है वो अलग।

सेक्सी वनलाइनर टीशर्ट

टी-शर्ट पहनना अच्छा है लेकिन सेक्सी वनलाइनर वाली टीशर्ट को बिल्कुल नो कह दीजिए। क्योंकि ऐसे सेक्सी वनलाइनर के टीशर्ट पहनकर आपकी इमेज बिल्कुल खराब बन जाती है।लड़कियों को पुरुषों की ये ड्रेस पसंद नहीं आती है इसलिए इसे भी कम से कम डेट पर पहनकर बिल्कुल ना जाइए।

कैप्री शॉर्ट

कैप्री शॉर्ट ऐसी ड्रेस है जो आमतौर पर पुरुष आराम के नजरिए से पहन लेते हैं। मगर यकीन मानिए, इसमें आपका लुक बिल्कुल अच्छा नहीं आता है। ये ड्रेस टीनएजर्स पर सही आती है लेकिन आप पर ये लड़कियों को अच्छा नहीं लगेगा।

चमकदार बेल्ट

चमकदार बेल्ट से भी आपकी ड्रेसिंग खराब लग सकती हैं। लड़कियों को खासतौर पर चमकदार अलग से दिखने वाली बेल्ट अच्छी नहीं लगती हैं। ऐसी बेल्ट बिल्कुल न चुनें,जिनके बकल जरूरत से ज्याद बड़े हों। या जिनका कलर इतना ब्राइट हो कि दूर से ही नजर आ जाए।